हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना सोमवार | 24 जून 2024 | वर्ष:02 अंक:42 | पृष्ठ-12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

अमित शाह ने देश में बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की

उच्च स्तरीय बैठक में अमित शाहने बारिश-बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और कुछ अन्य राज्यों को भी मानसून के दौरान भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु, केरल और जम्मू कश्मीर में भी बाढ़ आयी है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ आने की स्थिति में उससे निपटने की तैयारियों की रविवार को समीक्षा की। हर साल मानसून में बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ने की वजह से बिहार, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के बड़े हिस्से जलमग्न हो जाते हैं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, ह्यह्यगृह मंत्री ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और देश में बाढ़ प्रबंधन के लिए तैयारियों की समीक्षा की।उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और कुछ अन्य राज्यों को भी मानसून के दौरान भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु, केरल और जम्मू कश्मीर में भी बाढ़ आयी है।केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, विभिन्न मंत्रालयों और गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। अधिकारियों के अनुसार, अभी असम में बाढ़ से 10 जिलों में 1.17 लाख लोग प्रभावित हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा कि बाढ़ से इन जिलों के 27 राजस्व मंडल के 968 गांव जलमग्न हो गए हैं। उन्होंने बताया कि प्राधिकारियों ने अभी 134 राहत शिविर और 94 राहत वितरण केंद्र स्थापित किए हैं जहां कुल 17,661 लोगों ने शरण ली है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 37 पर पहुंच गयी है जबकि एक व्यक्ति लापता है।

हरियाणा के कार्यकर्ताओं से कहा, कांग्रेस के झूठ और कुशासन का पदार्फाश करें: धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने और कांग्रेस के झूठ और कुशासन को उजागर करने के लिए जनसंपर्क बढ़ाने को कहा। प्रधान को हाल ही में हरियाणा के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है।प्रधान ने रोहतक में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और पार्टी के वरिष्ठ नेता बिप्लब कुमार देब के साथ पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। हरियाणा का चुनाव प्रभारी नियुक्त होने पर प्रधान को स्थानीय इकाई द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा मनोहर लाल और गुर्जर को भी सांसद निर्वाचित होने पर सम्मानित किया गया।प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद हरियाणा में एक बार फिर गरीबों, किसानों, वंचित वर्गों और आम लोगों की सरकार सत्ता में आएगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से तैयारी में जुटने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी मुकाबले या मुश्किल काम की सफलता में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सैनी या किसी अन्य की तरह कार्यकर्ताओं का पार्टी पर पूरा अधिकार है।प्रधान ने कहा कि भाजपा हरियाणा को नयी ऊंचाइयों पर ले जा सकती है और राज्य की प्रगति के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यहमहम पूरी ईमानदारी से लोगों की सेवा करते आ रहे हैं। हरियाणा में 19,812 बूथ, 7,200 गांव और 22 जिले हैं ह्यप्रधान ने कहा कि चुनाव में अब करीब 100 दिन बचे हैं और इस ह्यमिशन 100 दिन में पार्टी कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान व्याप्त झूठ और कुशासन को उजागर करना चाहिए।

ब्रीफ न्यूज

दुबई जाने वाले विमान में बम की अफवाह का मामल, नाबालिग ने मजाक में भेजा था ईमेल

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली हवाई अड्डे को ईमेल भेजकर, दुबई जाने वाले विमान में बम रखे होने की झूठी सूचना देने के आरोप में 13 वर्षीय एक लड़के को पकड़ा गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई हवाई अड्डा) ऊषा रंगनानी ने बताया कि लड़के ने कुछ दिन पहले बम की झूठी सूचना देते हुए फोन करने वाले एक अन्य किशोर से जुड़ी खबरों से प्रभावित होकर महज मजाक में ईमेल भेजा था।रंगनानी ने बताया कि यह घटना सोमवार को हुई थी, जब 18 जून को दुबई जाने वाले विमान में बम रखे होने की धमकी के संबंध में एक शिकायत दर्ज की गयी। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर एक प्राथमिकी दर्ज की गयी और जांच शुरू की गयी। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी दिशा निर्देश, प्रोटोकॉल और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे को हाई अलर्ट पर रखा गया और आपात स्थिति की घोषणा की गयी।रंगनानी ने बताया कि हालांकि, जांच के दौरान सूचना झूठी साबित हुई।

आईएमए ने नीट-यूजी में अनियमितताओं की सीबीआई जांच का स्वागत किया

एजेंसी

नई दिल्ली।भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपने के सरकार के फैसले का रविवार को स्वागत किया। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) ने परीक्षा से संबंधित विवादों से जुड़ी चिंताओं पर त्वरित प्रतिक्रिया देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य प्रमुख मंत्रियों के प्रति आभार व्यक्त किया।आईएमए ने एक बयान में कहा,हम राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में अनियमितताओं की गहन जांच के लिए मामले को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)को सौंपने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। सीबीआई ने मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के आयोजन में कथित अनियमितताओं के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की है। आईएमए ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक को हटाने के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त करता है।

राजनीति से गायब हो चुका है वफादारी का युग: वसुंधरा राजे

एजेंसी

राजस्थान: राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रविवार को कहा कि भाजपा नेता सुंदर सिंह भंडारी वफादारी के युग से थे और वह युग अब राजनीति से दूर हो चुका है। उन्होंने कहा कि नेता अब अपने उन वरिष्ठों की उपेक्षा कर रहे हैं जिनसे उन्होंने सीखा है।

राजे उदयपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारक भंडारी की पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने बिहार और गुजरात के पूर्व राज्यपाल भंडारी के बारे में कहा, आप सभी जानते हैं कि भंडारी ने अनेक कार्यकर्ताओं की मदद की और उन्हें शीर्ष पर पहुंचाया।उन्होंने अनेक कार्यकर्ताओं की उंगलियां पकड़कर उन्हें उनके राजनीतिक करियर में आगे बढ़ने में मदद की। राजे ने कहा, वफादारी का वह दौर अलग था।

जमानत पर दिल्ली हाई कोर्ट की रोक के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली: राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में जमानत दे दी थी, जिसपर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी। अब दिल्ली हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ दिल्ली के सीएम ने रविवार को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सामने आई जानकारी के अनुसार, अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उनकी जमानत पर लगाई गई रोक के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अरविंद केजरीवाल के वकीलों ने कल सुबह सुनवाई की अपील की है। आम आदमी पार्टी ने ये जानकारी दी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी थी। जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए कहा, 'जब तक हाई कोर्ट मामले की सुनवाई नहीं करता, तब तक रुकें। दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा मामले की सुनवाई किए जाने तक ट्रायल कोर्ट (राउज एवेन्यू) में कोई कार्यवाही शुरू नहीं होगी।'ईडी ने अदालत में दलील देते हुए कहा कि धारा 45 की कठोरता पर कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। उसने आगे कहा कि, "जमानत रद्द करने के लिए इससे बेहतर कोई कारण नहीं हो सकता।" सुनवाई दोबारा शुरू होने पर प्रवर्तन निदेशालय का प्रतिनिधित्व कर रहे ।

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है : मनोज सिन्हा

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर: रियासी। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है और हालिया आतंकवादी घटनाएं दुश्मन की हताशा का संकेत हैं। रियासी जिले के तलवाड़ा में सहायक पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में जम्मू-कश्मीर पुलिस के 16वें बुनियादी भर्ती प्रशिक्षण पाठ्यक्रम बैच की पासिंग आउट परेड में सिन्हा ने कहा, हमें आतंकवादियों और उन्हें आश्रय देने वाले उनके सहयोगियों का पता लगाना चाहिए। कुल 860 कांस्टेबल ने प्रशिक्षण पूरा होने पर परेड में भाग लिया। उन्हें अपने कर्तव्यों का निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई। उपराज्यपाल ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा, आतंकवाद अंतिम सांस ले रहा है और इसने हमारे पड़ोसी (आतंक के नियंतक को) हताश कर दिया है।

मोदी सरकार में एकमात्र ईसाई मंत्री बने जॉर्ज कुरियन, अल्पसंख्यक और पशुपालन विभाग का मिला दायित्व

एजेंसी

दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शपथ लेने वाले मंत्रियों में एक बीजेपी के महासचिव और केरल के नेता जॉर्ज कुरियन का नाम भी शामिल है। उन्हें बीजेपी के संगठन में एक मजबूत नाम के तौर पर देखा जाता है और पार्टी के लिए केरल जैसे राज्य में कुरियन ने काफी काम किया है। 1980 के दशक में जब समाजवादियों का एक ग्रुप जनता दल छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहा था तो उन लोगों में एक 19 साल का नौजवान भी शामिल था। यह नौजवान कोट्टायम के एक छोटे से गांव कनककारी के जॉर्ज कुरियन ही थे।

एक ईसाई परिवार से आने वाले कुरियन ने जब यह फैसला लिया तो काफी आलोचना का सामना भी करना पड़ा था। जॉर्ज कुरियन चार दशकों से बीजेपी के संगठन को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। वह पार्टी में कई पदों पर रहे हैं। जिसमें राष्ट्रीय कार्यकारी समिति में सदस्यता, युवामोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में काम करना और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष होना शामिल है। मोदी के नेतृत्व वाली कैबिनेट में शामिल होने के समय कुरियन कोर कमेटी के सदस्य और भाजपा की राज्य इकाई के उपाध्यक्ष हैं।

हमारी पार्टी की मांग है कि जातिगत जनगणना के लिए कोई रास्ता निकाला जाए : आठवले

एजेंसी

इंदौर (मध्यप्रदेश)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने रविवार को कहा कि उनका दल हारिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडियाह्व (आठवले) देश में जातिगत जनगणना कराए जाने के पक्ष में है और इसके लिए कोई न कोई रास्ता निकाला जाना चाहिए। आठवले ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा कि चूंकि संविधान के अनुच्छेद 17 में जातिवाद के उन्मूलन का प्रावधान है, इसलिए सभी सरकारों के सामने हमेशा से अड़चन रही है कि जाति के आधार पर जनगणना कैसे कराई जाए? आठवले ने कहा, ह्यहमारी पार्टी की तरफ से मांग है कि कोई न कोई मार्ग निकाला जाना चाहिए क्योंकि एक बार जाति के आधार पर जनगणना हो जाएगी तो हमें आबादी में हर जाति का प्रतिशत पता चल जाएगा।उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में हर जाति को आबादी में उसकी हिस्सेदारी के आधार पर आरक्षण का लाभ देने का फैसला किया जाता है तो उनकी पार्टी इसका विरोध नहीं करेगी क्योंकि हर जाति में गरीब लोग होते हैं। आठवले ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ह्यहमैं गांधी से पूछना चाहता हूं कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई गई?केंद्रीय मंत्री ने एक सवाल पर कहा कि नीट में गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए और शिक्षा मंत्रालय इस प्रवेश परीक्षा में आईंदा गड़बड़ियां रोकने के लिए हरसंभव कदम उठा रहा है। आठवले ने दावा किया कि महाराष्ट्र में अक्टूबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 288 सीट में से 170 से 180 सीट मिलेंगी। उन्होंने कहा, ह्यहमहाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संविधान का मुद्दा काम नहीं आएगा। इस चुनाव में राज्य के विकास का मुद्दा मुख्य रहेगा। हमसे (लोकसभा चुनाव में) जो गलतियां हुई हैं।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों ने ट्रक को आईईडी से उड़ाया, कोबरा के दो जवान शहीद

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में रविवार को नक्सलियों ने एक ट्रक को ह्यापरिष्कृत विस्फोटक यंत्रह्व (आईईडी) से उड़ा दिया, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की विशेष इकाई ह्याकोबराह्व के दो जवान शहीद हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट राज्य की राजधानी रायपुर से 400 किलोमीटर दूर सुरक्षा बलों के सिलगेर और टेकलगुडेम शिविरों के बीच टिम्मापुरम गांव के पास अपराह्न करीब तीन बजे किया गया। उन्होंने बताया कि ह्याकमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शनह्व (कोबरा) की 201वीं इकाई के एक अग्रिम दल ने टेकलगुडेम की ओर सड़क सुरक्षा ड्यूटी के तहत जगरगुंडा पुलिस थाने की सीमा के अंतर्गत सिलगेर शिविर से गश्त शुरू की थी। उन्होंने बताया कि सुरक्षाकर्मी मोटरसाइकिल पर सवार थे जबकि उनका सामान और राशन ट्रक में ले जाया जा रहा था। अधिकारी ने कहा, ह्यहनक्सलियों ने ट्रक को निशाना बनाकर आईईडी धमाका किया, जिसमें उत्तर प्रदेश निवासी कांस्टेबल शैलेंद्र (29) और केरल निवासी चालक विष्णु आर (35) की मौत हो गई। ट्रक में और कोई सवार नहीं था ह्यह्व अधिकारी ने बताया कि धमाके की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं तथा शवों को जंगल से बाहर निकाला जा रहा है, जबकि तलाश अभियान जारी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख प्रकट करते हुए सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर एक संदेश में कहा कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा, ह्याह्यसुकमा जिले में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी धमाके में ह्याकोबराह्व के दो जवानों के मारे जाने का समाचार बेहद दुखद है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं ह्यह्व साय ने कहा, ह्याह्यवस्तर क्षेत्र में जारी नक्सल विरोधी अभियान से नक्सली हताश हैं और इस तरह की कायराना हरकतें कर रहे हैं। जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी। जब तक नक्सलवाद का खात्मा नहीं हो जाता, ।

हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

E-mail:newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 24 जून 2024 | वर्ष : 02 | अंक : 42 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

भाजपा नेता मौलाना तुफैल खान कादरी ने वैशाली में मिलाद शरीफ के जरिए पसमांदा मुसलमानो से किया संवाद,

विशेष संवाददाता

वैशाली:भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नूर आलम हवारी के चाचा मोहतर्रम के घर भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तुफैल खान कादरी, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के बिहार प्रदेश संयोजक डॉक्टर सरवर जमाल शादी के मौके से पहुंचकर मिलाद शरीफ में भाग लिए,मौलाना तुफैल खान कादरी ने मिलाद शरीफ से यह पैगाम दिया कि निकाह से बुराइयां दूर होती हैं अल्लाह के रसूल ने फरमाया कि जब उम्र शादी करने का हो जाए तब बहुत ही आसानी से निकाह कर लो और अल्लाह के बताए हुए रास्ते पर चलो, मौलाना तुफैल खान कादरी ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अल्पसंख्यक पसमांदा समाज के लिए विशेष शादी पर तोहफा भी दिया है जो भारत के मुसलमान इसका फायदा भी उठा रहे हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पसमांदा मुसलमान के लिए स्पेशल प्रोग्राम चला कर सभी जाति पंथ को एक ही पंक्ति में रखने का काम किया है उन्होंने बताया कि श्री नूर आलम हवारी जी एक मजबूत सच्चे कर्मठ भाजपा के सिपाही हैं आज उनके घर शादी के मौके से पहुंचकर मुझे इस मिलाद शरीफ से इस गांव के लोगों को कुछ बताने का मौका मिला इसके लिए मैं यहां के अल्पसंख्यक समाज का सदा आभारी रहूंगा मैं दुआ करता हूं की अल्लाह तबारक व ताला लड़के और लड़कि को शादी के बाद मोहब्बत अता फरमाए और सच्चे रास्ते पर चलने का तौफीक अता फरमाए,

आस्था की यात्रा पर आगे बढ़ना, आध्यात्मिकता में विश्वास खोजना

लेखक:
डॉक्टर सरवर जमाल
मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, बिहार प्रदेश
9472871824.

संवाददाता

- विकर्षणों और चुनौतियों से भरी दुनिया में, हममें से कई लोग उद्देश्य और दिशा की खोज में खोए हुए महसूस करते हैं। हमारी यात्रा अक्सर लक्ष्यहीन लगती है, और हम एक ऐसी मंजिल खोजने के लिए संघर्ष करते हैं जो हमारी गहरी मान्यताओं और मूल्यों के अनुरूप हो। मुसलमानों के लिए, पवित्र कुरान और हदीस एक स्पष्ट मार्ग प्रदान करते हैं, जो हमें अच्छाई और पूर्णता के जीवन के लिए मार्गदर्शन करते हैं। हालाँकि, हमारी आध्यात्मिक यात्रा में बाधा डालने वाली बाधाएँ कभी-कभी दुर्गम लग सकती हैं।
- स्पष्ट मार्ग का महत्व
- सर्वशक्तिमान अल्लाह ने अपनी अनंत बुद्धि से हमें कुरान और हदीस की शिक्षाओं के माध्यम से एक रोड मैप प्रदान किया है। ये पवित्र ग्रंथ केवल धार्मिक मान्यताएं नहीं हैं, बल्कि ऐसा जीवन जीने के लिए व्यापक दिशानिर्देश हैं जो अल्लाह को प्रसन्न करने वाला और मानवता के लिए फायदेमंद हो। कुरान, अल्लाह के वचन के रूप में, और हदीस, पैगंबर (अल्लाह की शांति और आशीर्वाद उस पर हो) की बातें और कार्य, व्यक्तिगत आचरण से लेकर सामाजिक न्याय तक, जीवन के हर पहलू को शामिल करते हैं।
- फिर भी, इस दिव्य मार्गदर्शन की तलाश में, हमें अक्सर ऐसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है जो हमारी प्रगति में बाधा डालती हैं। ये बाधाएँ आंतरिक हो सकती हैं, जैसे संदेह और इच्छाएँ, या बाहरी, जैसे सामाजिक दबाव और व्याकुलताएँ।
- आंतरिक बाधाओं को दूर करें
- आंतरिक बाधाओं को दूर करना अक्सर सबसे कठिन होता है क्योंकि वे हमारे दिल और दिमाग में रहते हैं। हमारे विश्वास के बारे में संदेह पैदा हो सकता है, अनिश्चितता के बीज बोए जा सकते हैं। इच्छाएँ और प्रलोभन हमें भटका सकते हैं, जिससे सही रास्ते पर बने रहना मुश्किल हो जाता है।
- इन आंतरिक चुनौतियों का सामना करने के लिए यह आवश्यक है:

1. हमारे विश्वास को मजबूत करें: कुरान का नियमित पाठ और ध्यान अल्लाह की बुद्धि और दया में हमारे विश्वास को मजबूत कर सकता है। धिक्कार (अल्लाह की याद) और दुआ (प्रार्थना) में संलग्न होने से भी हमारे विश्वास को मजबूत करने में मदद मिलती है।
2. ज्ञान की खोज: इस्लाम की शिक्षाओं की गहरी समझ संदेह को दूर कर सकती है। इस्लामी व्याख्यानों में भाग लेना, विद्वानों के कार्यों को पढ़ना और जानकार लोगों के साथ बातचीत करना स्पष्टता और आत्मविश्वास प्रदान कर सकता है।
3. आत्म-अनुशासन का अभ्यास करें: अपनी इच्छाओं को नियंत्रित करने के लिए आत्म-नियंत्रण की आवश्यकता होती है। उपवास, प्रार्थना और पूजा के अन्य कार्य केवल दायित्व नहीं हैं बल्कि भौतिक इच्छाओं पर आध्यात्मिक को प्राथमिकता देने के लिए हमारी आत्मा को प्रशिक्षित करने के उपकरण हैं।

- बाहरी बाधाओं का निवारण
- बाहरी बाधाएँ अक्सर सामाजिक प्रभावों और विकर्षणों के रूप में आती हैं जो हमें हमारे आध्यात्मिक लक्ष्यों से विचलित कर देती हैं। आधुनिक दुनिया अपनी सूचनाओं और भौतिकवाद की निरंतर बौछार से हमें आसानी से अल्लाह के रास्ते से दूर ले जा सकती है।
- इन बाहरी चुनौतियों से निपटने के लिए, हमें यह करना होगा:

1. एक सहायक वातावरण बनाएं: अपने आप को समान विचारधारा वाले लोगों के साथ घेरना जो इस्लामी सिद्धांतों का अभ्यास करने की कोशिश कर रहे हैं, मदद और प्रोत्साहन दे सकते हैं। इस्लामी समुदायों में शामिल होने और समूह गतिविधियों में भाग लेने से अपनेपन और सामान्य उद्देश्य की भावना को बढ़ावा मिल सकता है।
2. सीमित व्यवधान: सोशल मीडिया और निरंतर संचार के युग में, सीमाएँ निर्धारित करना महत्वपूर्ण है। डिजिटल उपकरणों से ध्यान भटकाए बिना चिंतन, प्रार्थना और परिवार के लिए विशिष्ट समय निर्धारित करने से जो वास्तव में महत्वपूर्ण है उस पर ध्यान केंद्रित रखने में मदद मिल सकती है।
3. सेवा में संलग्न रहें: दूसरों की सेवा करना कुरान और हदीस की शिक्षाओं का अभ्यास करने का एक शक्तिशाली तरीका है। चाहे दान, स्वयंसेवा, या दयालुता के सरल कार्यों के माध्यम से, दूसरों की भलाई में योगदान करना हमारे कार्यों को हमारे विश्वास के साथ संरेखित करता है।

- परिणाम
- कुरान और हदीस की शिक्षाओं के अनुरूप जीवन जीने की यात्रा निस्संदेह चुनौतियों से भरी है। हालाँकि, हमारे रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए सक्रिय रूप से काम करके, हम स्पष्टता और उद्देश्य पा सकते हैं। अल्लाह सर्वशक्तिमान ने उन लोगों को मार्गदर्शन का वादा किया है जो ईमानदारी से उसकी तलाश करते हैं। जब हम आंतरिक और बाहरी बाधाओं को दूर करने का प्रयास करते हैं, तो हम एक ऐसी मंजिल तक पहुंचते हैं जो लक्ष्यहीन नहीं बल्कि दैवीय रूप से प्रेरित होती है।
- हम सभी को अपने रास्ते साफ करने और अटूट विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अल्लाह के मार्गदर्शन का पालन करने की शक्ति और ज्ञान मिले।

लेखक:
डॉक्टर सरवर जमाल
मुस्लिम राष्ट्रीय मंच, बिहार प्रदेश
9472871824.

गंगा महाआरती में अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक को चिरांद रत्न से सम्मानित किया

मुख्य अतिथि माननीय श्री पुनीत कुमार गर्ग जिला सत्र न्यायाधीश छपरा

संवाददाता
,शकील हैदर,

सारण जिला डोरीगंज प्रखंड के चिरांद गांव में 17वां गंगा महाआरती के शुभ अवसर पर चिरांद रत्न से अरुण पुरोहित धर्म प्रचारक जिला प्रमुख विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री पुनीत कुमार गर्ग जिला सत्र न्यायाधीश छपरा ने मोमेंटो अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। मंच संचालन करते हुए शिक्षाविद रामदयाल शर्मा ने अरुण पुरोहित के द्वारा धर्म जागरण पर्यावरण स्वच्छता एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए "चिरांद रत्न" की घोषणा की और बताया सम्मान देने का उद्देश्य यह है कि आप सभी भी अरुण पुरोहित के तरह ही सनातन हिंदू जागरण का कार्य करें ताकि आपको भी सामाजिक संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया जाए । इस अवसर पर अरुण पुरोहित ने कहा सारण की जनता का प्रेम एवं स्नेह से हमें कार्य करने की ऊर्जा प्राप्त होती है हमारे समस्त सहयोगियों का यह सम्मान है । आप हम सब मिलकर मां गंगा की स्वच्छता का संकल्प ले ना हम मां गंगा में गंदगी डालेंगे और दूसरे को भी गंगा स्वच्छ रखने का संकल्प कराएंगे। मानसून शुरू होते ही बड़े पैमाने पर पौधा रोपण का कार्यक्रम किया जाएगा। आप सभी भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संतुलित करें

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष श्री कृष्ण कान्त ओझा, सचिव श्री राम तिवारी, मुख्य अतिथि श्री पुनीत कुमार गर्ग जिला सत्र न्यायाधीश छपरा, श्री परमेंद्र कुमार बाजपेई कुलपति जयप्रकाश विश्वविद्यालय, मुख्य संरक्षक 1008 महंत मैथिली शरण महाराज लक्ष्मण किलाधीश अयोध्या, महंत राम जानकी मठ पातेपुर वैशाली विशिष्ट अतिथि लक्ष्मी नारायण गुप्ता महापौर नगर निगम छपरा शाहिद हजारों हजार की संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चों ने भाग लिया। काशी से आए 11 बटुकों के द्वारा गंगा महाआरती का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया गया पूरा वातावरण भक्ति में हो गया। जय मां गंगे हर हर गंगे के उद्घोष से गूंजायमान रहा बंगाली बाबा का घाट।

शौचालय की टंकी मे दम घुटने से मजदुर की मौत

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल भगवानपुर हाट 23 जून रविवार। भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के नगवां गांव मे निर्माणधीन शौचालय की टंकी का सेंटरिंग खोलने के दौरान टंकी के अंदर दम घुटने से एक मजदुर की मौत हो गई। वही एक मजदुर बेहोश हो गया। बता दे दी शौचालय का टंकी का सेंटरिंग खोलने के लिए एक साथ तीन मजदुर अंदर घुसे थे। जहा ऑक्सिजन की कमी होने के कारण मजदुरो को सांस लेने मे तकलीफ होने लगी जिसमें एक मजदुर की मौत हो गई। मृतक की पहचान बसंतपुर थाना क्षेत्र के मूसेपुर गांव निवासी अवधकिशोर प्रसाद 30 वर्ष है। जब की दूसरा खोरीपाकर निवासी कृष्णा प्रसाद 32 वर्ष व सोनू कुमार 40 वर्ष बेहोशी की हालत मे है। वही बेहोश मजदुरो का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुर हाट मे जारी है। मृतक के परिवार मे मातम छाया हुआ है। परिजन रोते रोते बेहोश हो जा रहे है।

OBC SC ST के आरक्षण खत्म करने पर हमला बंद हो :जयशंकर पंडित संवाददाता

संवाददाता
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज अनुमंडल दुरौंधा 23 जुन रविवार ।इंकलाबी नौजवान सभा के द्वारा दरौदा में एससी एसटी ओबीसी आरक्षण पर हमला बंद करो, जनसंख्या के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था करो, दलित विरोधी भाजपा सरकार मुदाबाद ने नारो के साथ दरौदा में विरोध मार्च निकाला गया इस मार्च को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य व सिवान जिला सचिव जयशंकर पंडित ने कहा की बिहार में महागठबंधन की सरकार ने भाजपा के लाख विरोध के बावजूद बिहार जातिगत, सामाजिक और आर्थिक गड़ना कर के आबादी के अनुरूप आरक्षण को 65% बढ़ाया गया था लेकिन बिहार में भाजपा की सरकार बनते ही 65 % आरक्षण को खत्म करा दिया गया है। कोर्ट द्वारा कहा गया की 49.5 % से ज्यादा आरक्षण को नही बढ़ाया जा सकता है जबकि इसको तो कोर्ट ने ही सवर्ण को 10 % दे करके तोड़ा है तामिनाडू में 69 % आरक्षण लागू है। तो बिहार में 65% क्यों नहीं हो सकता है।

तेजस्वी जी ने महीनों के अल्प कार्यकाल में लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी, इंद्रजीत राय , चंद्रशेखर झा सुमन

संवाददाता
अबु बकर

राष्ट्रीय जनता दल मधुबनी के जिला प्रवक्ता इंद्रजीत राय , चंद्रशेखर झा सुमन एवं राजद नगर अध्यक्ष पप्पू यादव ने जिला कार्यालय मधुबनी में संयुक्त रूप से कहा की पूर्व उपमुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने सरकारी नौकरी रोजगार की जिस सकारात्मक राजनीति की शुरूआत की आज उसका लाभ बिहार के लाखों युवा उठा पा रहे हैं। तेजस्वी जी ने ???? महीनों के अल्प कार्यकाल में ?? लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी, इसी दौरान ?? लाख से अधिक सरकारी नौकरियां प्रक्रियाधीन करवाई जो आचार संहिता के चलते कुछ महीनों से रुकी थी। चूंकि अब लोकसभा चुनाव पूर्ण हो चुके है। पहले से प्रक्रियाधीन ?? लाख से अधिक

नौकरियों के अलावा नीतीश सरकार अब महागठबंधन सरकार के निर्णय अनुसार सभी विभागों की शेष रिक्तियों पर यथाशीघ्र बहाली प्रक्रिया शुरू करने का मांग किया। तेजस्वी प्रसाद यादव के लोकप्रियता और नौकरी रोजगार की उनकी सकारात्मक राजनीति का ही दबाव है कि अब माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी नौकरी रोजगार की बात करने लगे हैं। गौरतलब है कि यही माननीय नीतीश कुमार जी और भाजपा के लोग 10 लाख नौकरी की तेजस्वी यादव जी की बात को असंभव बता रहे थे। 10 लाख नौकरियों का बजट नहीं होने की बात करते थे। आज जिन विभागों में नौकरी की बात नीतीश कुमार और भाजपा के नेता कर रहे हैं उसका सारा रोडमैप तेजस्वी यादव ने ही बनाया था। तेजस्वी यादव ने वैज्ञानिक तरीके से मुख्यमंत्री सहित वरीय अधिकारियों जो इनके कार्यकाल में हमेशा संविदा और आउटसोर्सिंग के पक्षधर रहे को बताया और समझाया कि कैसे बिहार में ???? लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा सकती है। इससे पूर्व ???? साल तक सत्ता में रहने के बावजूद यह मानने तैयार नहीं थे कि बिहार में लाखों पद खाली भी है। स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए श्री तेजस्वी यादव जी ने 1 लाख 60 हजार नौकरियों का मार्ग प्रशस्त कर दिया था। जिन लाखों नौकरियों को बहाली को उन्होंने प्रक्रियाबद्ध किया था, जिसकी तेजस्वी यादव जी ने घोषणा भी की थी पर सरकार गिरा दिए जाने के कारण इसमें व्यवधान पड़ गया था। लेकिन हम लगातार लड़ाई लड़कर बिहार के युवाओं को ये नौकरियां दिला कर रहेंगे। तेजस्वी यादव जी के 10 लाख नौकरी के वादे और जनता के उनपर जताए विश्वास का इतना दबाव है।

हर्ष राज के परिजनों से मिले उप मुख्यमन्त्री विजय सिन्हा, अपराधियों पर कार्रवाई का दिया भरोसा

हर्ष राज के हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा, स्पीडी ट्रायल कर दिलाई जाएगी सजा : विजय सिन्हा

संवाददाता

पटना, 23 जून। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा वैशाली के मझौली पंचायत निवासी अजित कुमार के पैतृक घर पहुंच कर शोकसंतप्त परिजनों से मिलकर सांत्वना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि सरकार अपराधियों पर स्पीडी ट्रायल कर सजा दिलाएगी। वैशाली जिला का रहने वाला अजित कुमार के पुत्र हर्ष राज की पटना में पिछले दिनों निर्मम हत्या कर दी गयी थी। श्री सिन्हा उसके पैतृक घर ग्राम मझौली पहुँचकर शोकाकुल परिजनों से मिले तथा इस केस के स्पीडी ट्रायल हेतु आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उप मुख्यमंत्री श्री सिन्हा पुलिस अधिकारियों से इस मामले की जांच की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से इस मामले की जांच कर अविलंब करवाई करने की निर्देश दिया। ग्रामीणों ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि हर्ष होनहार युवक था। उसकी हत्या से गांव के लोग मर्माहत हैं। उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर से कहा कि सरकार अपराधियों, माफियाओं पर लगाम लगाने के लिए दृढ़संकल्पित है। कोई भी अपराधी कितना भी बड़ा हो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

भाकपा-माले मधुबनी जिला कमिटी की बैठक

संवाददाता
अबु बकर

पटना-भाकपा-माले मधुबनी जिला कमिटी की बैठक लहेरियागंज माले नगर में जिला सचिव कामरेड ध्रुव नारायण कर्ण के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मधुबनी एवं झंझारपुर लोकसभा चुनाव परिणाम पर चर्चा के अलावे अन्य विषयों पर पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में मुख्य तौर पर भाकपा-माले के केंद्रीय पोलिटब्यूरो सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी का0 धीरेन्द्र झा के अलावे जिला सचिव ध्रुव नारायण कर्ण जिला स्थाई कमिटी सदस्य मधुबनी भूषण सिंह लक्ष्मण राय श्याम पंडित मदनचंद्र झा जिला कमिटी सदस्य उत्तिम पासवान योगनाथ मंडल विजय दास विशंभर कामत महाकांत यादव योगेन्द्र यादव कामेश्वर राम शांति सहनी भाग लिए।*

सभी रक्तदाता है सही मायने में समाज के नायक:जीनत मसीह

संवाददाता
शकील हैदर,

- अडानी ग्रुप के सीएमडी गौतम अडानी के जन्मदिन के अवसर पे रेड क्रास के बैनर तले अडानी ग्रुप के सदस्यों ने किया रक्तदान

छपरा:-रोजनामा इंडो गल्फ, संवाददाता, रक्तदाता ही सही मायने में समाज के नायक हैं जो वैसे लोगों की जान बचाते हैं जिन्हें खून की आवश्यकता होती है। उक्त बातें रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के सचिव जीनत मसीह ने सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में रेड क्रॉस सोसाइटी के बैनर तले अडानी ग्रुप द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में रविवार को कही। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कई आयाम है लेकिन रक्तदान न केवल समाज सेवा है बल्कि सबसे बड़ा दान है। रेड क्रॉस सोसायटी के सदस्य डॉ० शहजाद आलम ने कहा की रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से अस्पताल में पर्याप्त ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित करने में काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसमें रेड क्रॉस सोसाइटी के युवा इकाई का अहम योगदान है। वहीं अडानी ग्रुप के प्राजेक्ट हेड आनंद झा ने कहा कि रक्तदान करने से न केवल हम लोगों की जान बचाने में अपना योगदान करते है बल्कि उस व्यक्ति के साथ खून का रिश्ता जोड़ लेते है। रक्तदान करने वाले में अडानी ग्रुप के सर्कल हेड पंकज सिंह, डिवीजन हेड छपरा कौशल कुमार सिंह, अडानी ग्रुप छपरा के सदस्य अमित कुमार मिश्रा, आशीष, कौशल, रविकांत, सुजीत, शंकर कुमार, प्रियारंजन, हर्षित अन्य ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में रेड क्रॉस सोसायटी की सदस्य संजीव चौधरी, अमन राज का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मधुपुर स्थित टीएससी बैद एकेडमी खेलकूद से लेकर पढ़ाई में कर रहा बेहतरीन प्रदर्शन

संवाददाता

- तीन माह के अंतराल में पढ़ाई व खेल के गुर सीख कर बच्चों में खेल की उभर रही प्रतिभा
- शिक्षक व स्कूल प्रबंधन के पदाधिकारी लगातार कर रहे है मेहनत, बताया हमारा उद्देश्य मधुपुर समेत आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई के साथ बेहतर एथलेटिक तैयार करना है।
- मधुपुर टीएससी वैद एकेडमी में बच्चों को पीटी करवाते खेल शिक्षक मोहम्मद जहांगीर व अन्य।

जिला देवघर के मधुपुर क्षेत्र में टीएससी बैद एकेडमी लगातार लोगों के नजरों में चमकता जा रहा है, इसका मुख्य कारण आधुनिक शिक्षा पद्धति के साथ बच्चों को पढ़ाई और बेहतरीन खेल, पीटी गुर को सिखाया जाना शामिल है। बीते लगातार तीन महीनो से टीएससी बैद एकेडमी मधुपुर के बच्चों में खेल के साथ साथ पढ़ाई, सीखने के गुण लगातार डेवलप हो रहा है इससे बच्चों की प्रतिभा निखर रही है, साथ ही उसके साथ-साथ पढ़ने सीखने की क्षमता में भी वृद्धि देखी जा रही है, स्कूल के शिक्षक स्पोर्ट्स टीचर मोहम्मद जहांगीर, स्कूल प्रबंधन के अध्यक्ष तारा बैद, ट्रस्टी कुमार विक्रम, परमानंद ठाकुर, विजय राय प्रधानाचार्य अनमोल कुमार समेत दर्जनों शिक्षक स्कूल को आगे बढ़ाने के प्रति नई सोच के साथ हमेशा मेहनत कर रहे है, इसका नतीजा यह है कि मधुपुर के आस-पास गांव महुआटांड़, मेरखो, कल्याणपुर, तेतरिया, राखाबानी, पत्थरड्डा सहित दर्जनों क्षेत्र के बच्चे स्कूल में पढ़ाई लिखाई खेलकूद के प्रति जुड़ाव को स्कूल में आकर जान रहे है। आशा व्यक्त की जा रही कि आगामी दिनों में तक टीएससी बैद एकेडमी मधुपुर पूरे क्षेत्र व जिले में अपना एक नया कीर्तिमान स्थापित कर शिक्षण संस्था की दुनिया में बेहतर से बेहतरीन की ओर हमेशा अग्रसर रहेगा। स्कूल परिवार में अध्यक्ष तारा बैद, ट्रस्टी कुमार विक्रम, परमानंद ठाकुर, विजय राय, प्रधानाचार्य अनमोल कुमार, वीरेंद्र साही, सुमित सौरभ, सोमनाथ पाल, चंदन चंचल, अनुभव गोस्वामी, भीष्म चौधरी,।

विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर 5 ए साइड हाकी मैच का हुआ आयोजन

संवाददाता

****

मैरवा। विश्व ओलंपिक दिवस के अवसर पर हॉकी सिवान द्वारा रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान में 5 ए साइट हॉकी मैच का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सिवान एकादश एवं मैरवा एकादश के बिच खेला गया जिसमें सिवान एकादश की टीम 5-3 से विजेता बनी। सिवान एकादश की ओर से विकास कुमार 2 गोल आशीष राज शांडिल्य ने 2 गोल तथा प्रितम पांडेय ने एक गोल किया वहीं मैरवा एकादश की ओर से करण कुमार ने 2 गोल तथा सूरज कुमार ने एक गोल किया। इस अवसर पर हॉकी सिवान के सचिव संजय पाठक ने बताया कि ओलंपिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय खेल हॉकी को मजबूत करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन करने से ग्रामीण प्रतिभाओं को हॉकी खेल में आकर्षण बढ़ेगा और प्रतिभाएं निखर कर सामने आएगी। संजय पाठक ने बताया कि आज 8 साल पूर्व सिवान में हॉकी खेल को कोई नहीं जानता था लेकिन सिवान में हॉकी संघ का गठन कर धीरे-धीरे जब इस पर कार्य करना शुरू किया गया तो हॉकी सिवान द्वारा रघुनाथपुर प्रखंड के पंजवार गांव में बालिकाओं के लिए हॉकी अकादमी की स्थापना की गई। वहीं मैरवा में पुरुष और महिला टीम का गठन हुआ। मैरवा एवं पंजवार से डेढ़ दर्जन से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बिहार के लिए खेल चुके हैं। अभी तक एक दर्जन से अधिक बालिका सिवान जिला से राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं, जबकि बालक वर्ग में एक खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुका है। हॉकी इंडिया द्वारा आयुष्मान राज शांडिल्य को अंपायरिंग के क्षेत्र में प्रमाणित किया गया है जो राज्य स्तर पर मैचों को खेलाने में भूमिका अदा करते हैं इस अवसर पर हॉकी प्रतियोगिता देखने के लिए ग्रामीण दर्शक काफी संख्या में उपस्थित थे।

मधुबनी सम्हरणालय के सामने कांग्रेस पार्टी के द्वारा आठ सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

संवाददाता
अबु बकर

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय के सभागार में भाजपा नगर अध्यक्ष सुबोध कुमार चौधरी की अध्यक्षता एवं जिला महामंत्री देवेंद्र कुमार यादव के संचालन में प्रखर राष्ट्रवादी महान शिक्षाविद जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस सर्वप्रथम उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर मनाया गया कार्यक्रम की शुरूआत में वंदे मातरम से आज के कार्यक्रम की शुरूआत की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं खजौली के विधायक अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सबों के प्रेरणा स्रोत रहे उनके बताए हुए सिद्धांत और आदर्श पर चलना है असली पुण्यतिथि होगी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जन संघ के संस्थापक अध्यक्ष भी रहे उनका 23 जून 1953 ई. को जम्मू कश्मीर के जेल के अंदर उनकी हत्या की गई आज भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। मौके पर जिला महामंत्री प्रमोद कुमार सिंह कार्यक्रम प्रभारी सरोज कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा संजय पांडि राधा देवी जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना संजय गुप्ता पूर्व नगर अध्यक्ष मनोज तिवारी विश्वजीत कुमार नगर महामंत्री अशोक राम राम प्रकाश ठाकुर मनीष करण रवि कुमार महेश कुमार कन्हैया चंद्र झा रामनरेश राय गगन भगत स्वर्णिम गुप्ता संजीव झा रामदेव सिंह कुलभूषण राय सहित कई कार्यकर्ता इस श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित थे

ब्रीफ न्यूज

पिता लालू के नक्शेकदम पर चल रहे, 1990 का दौर वापस लाएंगे? नीतीश के मंत्री विजय सिन्हा का तेजस्वी पर आरोप

संवाददाता

पटनाः नीतीश सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि आजकल तेजस्वी यादव धमकी भरे बयान दे रहे हैं। अधिकारियों और प्रशासन से जुड़े लोगों को धमकाना उनकी सोच और संस्कार को दिखाता है। असंतुलित बयानबाजी से पहले उन्हें सोचना चाहिए कि वे विधानसभा में विरोधी दल के नेता हैं। गैर जिम्मेदाराना बयान से बाज आएं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव पिता के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर कई गंभीर आरोप लगाए। पटना में पत्रकारों से उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनता ने देखा है कि जब जब ये लोग सरकार में रहे हैं तब सत्तापोषित अराजक तत्वों ने शासन के दुरुपयोग से लेकर अपराध, अपहरण और आतंक का कैसा खुला प्रदर्शन किया है। जब ये लोग सत्ता से बाहर रहते हैं तब भी अपराधियों और जालसाजों के ढाल बनकर उन्हें प्रोत्साहित करते हैं। तेजस्वी यादव को अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 1990 के दशक की तर्ज पर लोगों को वा अधिकारियों को डराने-धमकाने से बाज आना चाहिए। ये 2024 का बिहार है जो विकसित होने का संकल्प लेकर आगे बढ़ चुका है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेजस्वी को यदि अपनी राजनीतिक जमीन बचानी है तो रचनात्मक राजनीति के रास्ते पर चलने का प्रयास करना चाहिए। अन्यथा आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी और उनकी पार्टी की हालत बीते लोकसभा चुनाव से भी बुरी हो जाएगी इधर भाजपा विधायक व यूपी के सह प्रभारी डॉ. संजीव चौरसिया ने कहा कि नीट मामले की सीबीआई जांच से परीक्षा माफिया और सॉल्वर गिरोह का देशव्यापी नेटवर्क ध्वस्त होगा। पर्चा लीक करने वाले असली गुनहगार जल्द ही सलाखों के पीछे दिखेंगे। रविवार को जारी बयान में भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र और बिहार सरकार न किसी निर्दोष को फंसाएगी और न ही किसी दोषी को बचाएगी। लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि भविष्य में वे ऐसी हरकत करने की जुर्रत न कर सकें। शिक्षा मंत्रालय आगे की परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने व पारदर्शिता लाने में जुट गया है। लोक परीक्षा कानून को 21 जून से ही लागू करना केंद्र की इसी कवायद की एक कड़ी है।

बिहार में शराबबंदी का सच, माफिया ने पुलिस टीम पर किया हमला; दारोगा का फोड़ा सिर

संवाददाता

पटना:बिहार में शराब बंद है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर लागू पूर्ण श ?ाबबंदी कानून के तहत शराब का उत्पादन, भंडारण, परिवहन, बेचना और पीना सब गैरकानूनी है। फिर भी पूरे बिहार में शराब का धंधा चल रहा है और इसमें नए नए माफिया सामने आ रहे हैं। लेकिन शराब तस्करों के मनसूबे बुलंद हैं। वे पुलिस पर हमला करने से भी पीछे नहीं हटते। ताजा मामला मुजफ्फरपुर का है। जिले के बंदरा पंचायत के वार्ड पांच में रविवार शाम शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई पियर थाने की पुलिस टीम पर शराब तस्करों ने हमला कर दिया, जिसमें दारोगा अभिनंदन कुमार का सिर फूट गया। पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दारोगा को मेडिकल रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि शराब की सूचना पर पीएसआई (दारोगा) अभिनंदन कुमार के साथ पुलिस बल छापेमारी करने बंदरा गई थी। 10 लीटर देसी और करीब ढाई लीटर विदेशी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया था। उसे छुड़ाने के लिए कुछ महिला और पुरुष ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जिसमें दारोगा का सिर फूट गया। मामले में तीन पुरुषों और दो महिलाओं को हिरासत में लिया गया है, जिसे थाने पर लाकर पूछताछ की जा रही है। लोगों ने गश्ती वाहन के शीशा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है इधर, पीएचसी में तैनात डॉ आदित्य कृष्णा ने बताया कि पियर थाने के दारोगा अभिनंदन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल रेफर कर दिया गया है। सिर पर किसी ठोस वस्तु से प्रहार किया गया था। टांका लगाने के बाद बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया जहां उनका इलाज चल रहा है इस हमले को लेकर मुजफ्फरपुर पुलिस गंभीर है। जिन लोगों ने पुलिस टीम पर हमला किया उनकी पहचान की जा रही है। वरीय अधिकारी नेकहा है कि जल्द ही उन्हें दबोच लिया जाएगा।

मिट्टी में दफन बच्चे का शव लेकर अस्पताल पहुंचे परिजन, महिला तांत्रिक ने कहा-अभी जिंदा कर दूंगी इसे

संवाददाता

पटना:आस्था और अंधविश्वास के बीच हल्की सी लाइन होती है। अक्सर लोग अंधविश्वास में उलझकर अजीबोगरीब हरकतें करने लगते हैं। ऐसी ही एक चौकाने वाली हरकत बिहार के भागलपुर से सामने आई है। भागलपुर के नवगछिया में एक पिता, तांत्रिक के झाड़-फूंक के चलते अपनी मरे हुए बच्चे के शव को जमीन से खोदकर अस्पताल लेकर पहुंच गया। अस्पताल में जाकर डॉक्टर से कहा कि मेरा बच्चा जिंदा है इसको ऑक्सीजन लगाओ। अस्पताल में उसके साथ एक महिला तांत्रिक भी आई थी। उसने वहीं पर झाड़ फूंक करना शुरू कर दिया। वह दावा कर रही थी कि वो बच्चे को जिंदा कर देगी। इस हरकत से अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी सन्न रह गए। डॉक्टरों ने इसका विरोध किया, क्योंकि इसी अस्पताल में बीते 24 घंटे पहले बच्चे की मौत हो चुकी थी। विरोध के बावजूद घरवालों ने अस्पताल की एक न सुनी। इसके बजाय उन्होंने वहां उत्पात मचाना शुरू कर दिया। नोनिया पट्टी निवासी महतो की 10 महीने के बच्चे का इलाज बीते 2 दिन से नवगछिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा था। वहां उसकी तबियत अधिक खराब हुई तो वो भागलपुर के अस्पताल ले गए। वहां बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद घरवालों ने वापस आकर बच्चे की लाश को दफन कर दिया। इसी बीच गांव में झाड़-फूंक करने वाली महिला सोनी देवी ने दावा ठोक दिया कि उसको बेटा जिंदा है। मेरे ऊपर भगवती आती हैं। बच्चे को अस्पताल लेकर चलो मैं उसे जिंदा कर दूंगी और फिर यहां से शुरू हुआ अंधविश्वास का खेल। घरवाले दफन बच्चे को खोदकर ले आए और सैकड़ों की संख्या में गांववालों को लेकर अस्पताल पहुंच गए। वहां जाकर शुरू हुआ झाड़-फूंक और टोना-टोटका का खेल। डॉक्टरों के द्वारा आपत्ति जताए जाने पर गांव वालों ने अस्पताल में ही कोहराम मचाना शुरू कर दिया। मामले को तूल पकड़ता देख अस्पताल के मेनेजमेंट ने आनन-फानन में पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया।

मुख्यमंत्री नीतीश ने किया महोत्सव का

शुभारंभ बच्चे चखेंगे आमों की वैरायटी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के ज्ञान भवन में आयोजित आम महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान उनके साथ कृषि मंत्री मंगल पांडेय भी थे। कृषि विभाग ने आम की ब्रांडिंग को लेकर महोत्सव आयोजित किया है। अगले दो दिनों तक बिहार के तमाम आम की वैराइटी यहां देखने को मिलेगी। हालांकि इस दौरान मंगल पांडेय ने नीट मामले पर रिएक्शन देते हुए कहा कि पेपर लीक मामले की जांच चल रही है। जो भी दोषी होंगे, उस पर कार्रवाई होगी। कृषि विभाग की ओर से आयोजित आम महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। महोत्सव 23 जून तक रहेगा।

इस दौरान किसानों को आम की नई प्रजातियां लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। ज्ञान भवन में राज्यस्तरीय आम महोत्सव, 2024 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव को आकर्षक, ज्ञानवर्द्धक एवं मनोरंजक बनाने का हरसंभव प्रयास किया गया है। आम महोत्सव में स्टॉल लगाए

आम उत्पादकों ने कहा कि सरकार के ऐसे इनिशिएटिव से उन्हें बड़ा मार्केट मिलता है। साहस मिलता है। सहारा भी मिलता है। स्कूल और कॉलेज के बच्चे राज्य में उत्पादित आम के विभिन्न किस्मों से रूबरू हो सकेंगे। आम खाओ प्रतियोगिता में आम का स्वाद भी चखेंगे। कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि राज्य में 1.63 लाख हेक्टेयर में आम की बागवानी है एवं 15.76 लाख टन का उत्पादन होता है। आम की तुड़ाई की अवधि 4-5 महीने होती है।

कम अवधि में अधिक उत्पादन होने के कारण बड़ी मात्रा में उत्पाद सड़ जाते हैं। उत्पादकों को राजस्व की क्षति होती है।

राज्य सरकार के महोत्सव में कई बड़े निर्यातकों, प्रसंस्करणकर्ता, उद्यमियों को बुलाया गया है, जो सीधे उत्पादक किसान,किसान समूह से संवाद करेंगे एवं बिहार के आम को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने और प्रसंस्करण व्यवस्था की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

पिलर के धंसते ही ढह गया 30 फीट लंबा पुल 5 दिन पहले अररिया में टूटा था ब्रिज

बिहार। में 5 दिनों में दूसरा पुल ढह गया। शनिवार सुबह सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और सरौली गांव के बीच गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया। एक पिलर के धंसते ही पुल भर-भराकर नहर में समा गया। हादसे का लाइव वीडियो भी सामने आया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि पिलर अपनी जगह से खिसकता है, धीरे-धीरे पुल धराशायी हो जाता है। पुल के टूटने से दो गांव के बीच का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग ने नहर की सफाई कराई थी। नहर की मिट्टी काटकर बांध पर फेंकी गई थी। इस वजह से पुल का पिलर काफी कमजोर हो गया था, जिसके कारण टूट गया। इससे 5 दिन पहले अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले मंगलवार को नदी में समा गया था। पुल 31 करोड़ रुपए की लागत से बना था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि नहर की सफाई के दौरान विभाग ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया, जिससे पुल के पिलर पर अतिरिक्त भार पड़ गया और यह हादसा हो गया। इस पुल की चौड़ाई लगभग 30 फीट थी। लगभग 30 साल पहले इस पुल का निर्माण कराया गया था। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन पुल के टूटने से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों का स्कूल जाना, किसानों का खेतों तक पहुंचना और मरीजों का अस्पताल जाना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय बलराम साह ने बताया कि यह पुल गांव के ही लोगों ने 1990 में बनवाया था। चंदा जमा करके नींव और 3 खंभे बनाए गए थे। बाद में तब के विधायक उमाशंकर सिंह ने लोगों की मांग पर पुल की ढलाई का काम कराया था। हाल में गंडक विभाग के लोगों ने नहर की सफाई करने के दौरान पिलर के पास की मिट्टी निकाल दी। आज पानी आया और कमजोर हो गया पिलर टूट गया। ग्रामीणों का कहना है कि घटना के बाद से अभी तक कोई भी सरकारी अधिकारी स्थिति का जायजा लेने नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रशासन की इस अनदेखी के कारण उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल के टूटने से संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन किसी से संपर्क नहीं हो पाया। इस घटना से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। उनका कहना है कि प्रशासन को तुरंत इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए और पुल की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द शुरू करना चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि इस घटना की जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद महाराजगंज के भूमि सुधार उप समाहर्ता (DCLR) श्रीराम रंजन सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि आवागमन बाधित नहीं हुआ है। यहां से एक किलोमीटर दूर दूसरा पुल है, उससे लोग आवाजाही कर रहे हैं। पुल गिरने के कारणों पर उन्होंने कहा कि इसके बारे में स्थानीय लोग ही बता सकेंगे। उन्हीं के सहयोग से 1991 में पुल बना था। बिहार में अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर बना पुल मंगलवार को नदी में समा गया। इस पुल को उद्घाटन का इंतजार था। पिछले 13 साल में यह पुल तीसरी बार बन रहा था। इस मामले में दो इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया गया है।

पटना वालों का इंतजार होगा खत्म इस दिन होगी झमाझम बारिश

बिहार। में मानसून का प्रवेश 20 जून को हो गया है। उत्तर बिहार के जिले किशनगंज, पूर्णिया, अररिया और कटिहार में झमाझम बारिश हो रही है। पटना के लोगों को अभी भी मानसून की बारिश का इंतजार है। शहर के कुछ जगहों प्री मानसून की बारिश हुई थी, लेकिन उमस अभी भी बरकरार है। जानिए कि आखिर पटना में बारिश कब होगी और यह इंतजार कब खत्म होगा। पटना मौसम विभाग केंद्र की मानें तो फिलहाल दक्षिण-पश्चिम मानसून अभी झारखंड के साहिबगंज और बिहार के रक्सौल होते हुए गुजर रही है। बिहार के बाकी जिलों में भी आने को लेकर इसकी परिस्थितियां अनुकूल है। ऐसे में देखा जाए तो अगले दो से तीन दिनों में राजधानी में झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग से जारी अपडेट के अनुसार 24 को पटना में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। 25 जून को झमाझम बारिश होगी। इसके अलावा इस दिन गया, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, नवादा, बेगूसराय और लखीसराय में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद जताई गई है। पिछले तीन दिनों की बात करें तो मंगलवार को पटना का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के करीब था। शुक्रवार को पटना का अधिकतम तापमान 37 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच आ गया है। तीन दिनों में 6 डिग्री तक तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस पूरे हफ्ते पटना का न्यूनतम तापमान 25 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

व्यवसायी की पत्नी ने चौथे मंजिल से कूदकर दी जान

गया। में हार्डवेयर व्यवसायी की पत्नी ऋचा सेठ ने अपार्टमेंट की चौथी मंजिला से कूदकर जान दे दी है। सिर के बल गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। जिस समय ऋचा ने किचन की खिड़की से छलांग लगाई, उस समय उसका पति राजन सेठ वॉशरूम में था। घटना की सूचना मिलने के बाद रामपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपार्टमेंट के चौथी मंजिल के 403 नम्बर फ्लैट में राजन सेठ अपनी पत्नी के साथ रहते थे। पुलिस फ्लैट में पहुंची तो वहां किचन में ब्लड के धब्बे मिले। घटना सुबह 10 बजे की बताई जा रही है। पिछले कुछ दिनों से राजन सेठ बिजनेस टूर पर दिल्ली गए थे। शुक्रवार की रात ही लौटे थे। फ्लैट में रहने वाले लोगों के बीच चर्चा है कि रात में क्या हुआ कि ऋचा सेठ सुबह आत्महत्या कर ली। इस सवाल को पुलिस भी तलाश रही है। लोगों का यह भी कहना है कि राजन सेठ का हार्डवेयर का अच्छा कारोबार है। उसका अपना पैतृक घर रेलवे सिनेमा घर के पास है, लेकिन यहां पिछले कुछ सालों से रह रहे थे। पिता से उसकी किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी। अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने बताया कि ऋचा को शुक्रवार को अपने बच्चे के साथ कैंपस में मस्ती करते देखा था। उस समय तो सब कुछ ठीक लग रहा था। शनिवार सुबह को भी राजन सेठ अपने 4 साल के बच्चे के साथ खेलते देखे थे। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि ऋचा डिप्रेशन में थी। उसे पिछले एक साल से कोई बीमारी थी, जो ठीक नहीं हो रही थी। इधर रामपुर थाने के इंस्पेक्टर का कहना है कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अब तक इस मामले में महिला के पक्ष से किसी का आवेदन नहीं आया है। पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है। लोगों से पूछताछ कर रही है। कोई ठोस जानकारी मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में टीचर्स की सक्षमता परीक्षा 2.0 स्थगित

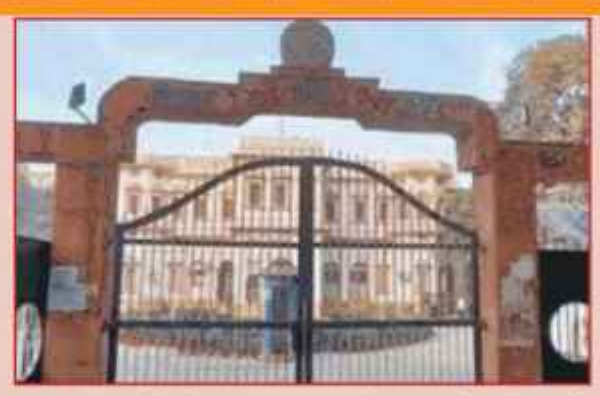

बिहार। विद्यालय परीक्षा समिति ने सक्षमता परीक्षा-2.0 को स्थगित कर दिया है। इस संबंध में बोर्ड की ओर से नोटिस जारी किया गया है। 26 से 28 जून तक परीक्षा का आयोजन होना था। जारी नोटिस में कहा गया है कि प्रिंसिपल पद के लिए 28 जून को परीक्षा का आयोजन होना है। ऐसे में सक्षमता परीक्षा के दूसरे चरण की तारीख को आगे बढ़ाया जा रहा है। अब आगे परीक्षा कब होगी, इसको लेकर बोर्ड की ओर से नई तारीख जल्द ही जारी की जाएगी। सक्षमता परीक्षा-2.0 के लिए कुल 85 हजार नियोजित शिक्षकों ने आवेदन किया था। बता दें, कि सेकेंडरी स्कूल के प्रधान शिक्षक की परीक्षा 28 जून और प्राइमरी स्कूल के प्रधान शिक्षक की परीक्षा 29 जून को होगी। इन दोनों परीक्षा के जरिए 40 हजार पदों पर बहाली होगी। इसमें उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रिंसिपल के 6 हजार 61 और प्राइमरी स्कूल में प्रिंसिपल के 34 हजार 86 पद शामिल हैं। सक्षमता परीक्षा 2.0 में भी अलग-अलग कक्षाओं के लिए सात श्रेणी में कुल 59 विषयों की परीक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की जाएगी। इसमें कोई नेगेटिव मार्किंग नहीं है। पहली से पांचवीं में एक विषय की परीक्षा होगी। छठी से आठवीं में 8 विषय, माध्यमिक (नवमीं से दसवीं) में 19 और उच्च माध्यमिक (11वीं से 12वीं) में 31 विषयों की परीक्षा ली जाएगी। प्रारंभिक, हाईस्कूल और इंटर स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले कोर्स से सवाल पूछे जाएंगे। सक्षमता परीक्षा में कुल 150 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिसमें कक्षा 1 से 5 के लिए के लिए भाषा से 30, सामान्य अध्ययन से 40 और सामान्य विषय से 80 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसी तरह के अंक प्रश्न छठी से आठवीं, नौवीं व दसवीं और 11वीं व 12वीं के नियोजित शिक्षकों से पूछे जाएंगे।

बिहार में बीच पुल पर बंद हुई हो गई थी पैसेंजर ट्रेन

बिहार। के बगहा में पैसेंजर ट्रेन बीच पुल पर रुक गई। ट्रेन के लोको पायलट और को-लोको पायलट जान जोखिम में डालकर इंजन की गड़बड़ी ठीक की। लोको पायलट ट्रेन और ट्रैक के बीच रेंगते हुए फॉल्ट वाली जगह तक पहुंचे। वहीं उनके साथी ने पुल से लटककर तार खींचा, जिससे ट्रेन फिर से स्टार्ट हो सकी। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आया है। गोरखपुर से नरकटियागंज तक जाने वाली 05497 सवारी गाड़ी के इंजन में एयर लीकेज हो जाने के कारण ट्रेन वाल्मीकि नगर और पनियहवा के बीच पुल पर रुक गई। जैसे ही ट्रेन वाल्मीकि नगर रोड स्टेशन से आगे बढ़ी वॉल्व से लीकेज होने लगा और ट्रेन KM-298/20 पुल संख्या 382 पर खड़ी हो गई। बीच पुल ट्रेन रुक जाने से पैसेंजर्स में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वॉल्व पुल के बीचो-बीच लीक हुआ था। ऐसे में लीकेज को बंद करना एक चुनौती थी। इस इमरजेंसी की स्थिति में ट्रेन के लोको पायलट अजय यादव और सहायक लोको पायलट रंजीत कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना पुल पर होते हुए ट्रेन के नीचे पहुंचे। और वॉल्व को ठीक किया। जिसके बाद ट्रेन फिर स्टार्ट हो गई और सुरक्षित आगे बढ़ सकी। करीब 5 मिनट के वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक लोको पायलट रेलवे ब्रिज की पतली सी रेलिंग के सहारे धीरे-धीरे फॉल्ट वाली जगह तक पहुंचता है। वहीं दूसरा ट्रेन और ट्रैक के बीच की संकरी जगह में रेंगते हुए वॉल्व तक आता है। दोनों काफी मशक्कत से वॉल्व को दुरुस्त कर लीकेज को बंद करते हैं। दोनों लोको पायलट्स की इस बहादुरी की तारीफ हो रही है। यात्री और रेलवे स्टाफ सभी उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने दोनों पायलटों को धन्यवाद देते हुए अवार्ड देने का ऐलान किया है। जब इंजन में एयर लीकेज की समस्या आई और ट्रेन रुक गई, तो यात्री परेशान होने लगे। लेकिन लोको पायलट अजय यादव और रंजीत कुमार ने साहस दिखाते हुए तुरंत समस्या का समाधान निकाला। डीआर एम विनय श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पायलट्स को रेलवे 10 हजार रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित करेगा।

19 सीटों पर क्यों और किनकी वजह से हारे 2 दिन चले मंथन में ढूंढा गया

पटना। लोकसभा चुनाव में 23 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली राजद केवल 4 सीटें जीत पाई। 19 पर हार का मुंह देखना पड़ा। हालांकि, 2019 के मुकाबले इस बार के परिणाम को अच्छा ही कहेंगे, क्योंकि तब राजद शून्य पर थी और अब 4 सीटों के साथ उसका लोकसभा में खाता खुल गया है। इधर, वोटों पर गौर करें तो राजद को 22.14 फीसदी वोट मिले। जबकि, 2019 में 15.7 फीसदी वोट मिले थे। इस बार तेजस्वी ने तोड़तोड़ ढाई सौ से ज्यादा रैलों-सभा करके एनडीए के सामने मुश्किल खड़ी की, लेकिन उसके मुताबिक सफलता नहीं मिली। राजद को ज्यादातर जगहों पर वोट तो अच्छे मिले, लेकिन कुछ रणनीति से जुड़ी गलतियां हो गईं। कई जगहों पर यादवों और मुसलमानों का वोट भी गड़बड़ाता दिखा। चूंकि, अब सामने विधानसभा चुनाव है, जिस पर राजद का हाई फोकस है। इसका कारण है- तेजस्वी यादव को हर हाल में सीएम बनवाना। वही अरमान लालू यादव के भी हैं, लेकिन अब आगे बढ़ने से पहले राजद सब कुछ फूल प्रूफ कर लेना चाह रही है। जेडीयू से राजद में आईं जेडीयू की रुपौली विधायक बीमा भारती को पूर्णिया से टिकट दे दिया। कांग्रेस मुंह ताकती रह गई, कुछ कर नहीं सकी।

तेजस्वी यादव लूट रहे थे सरकार का खजाना:नीरज बबलू

सहरसा। के नयाबाजार स्थित अपने निजी आवास पर पीएचडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने बयान दिया है। यहां उन्होंने कहा है कि बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जब सत्ता में थे, तो सरकार का खजाना लूट रहे थे। सत्ता से हटे, तो NDA सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। पीएचडी मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि विपक्ष के लोग खासकर के राजद के युवराज तेजस्वी यादव सरकार को लगातार बदनाम करने की कोशिश करने में लगे हुए है। जब यह सत्ता में थे, तो सरकार के खजाना को लूट रहे थे, जब सत्ता से बाहर हो गए है, तो ठऊअ सरकार को कुछ न कुछ बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। वह लगातार कुछ न कुछ षडयंत्र करते हैं। वह चुप हो गए है और कुछ जवाब नहीं दे रहे हैं। जिस तरह से उनका पीए का सीधे नाम आ रहा है। यह लोग सरकार को बदनाम करने का का षडयंत्र कर रहे हैं। NDA की सरकार मजबूती से चल रही है। इसलिए, षडयंत्र कर रहे हैं।

सीवान के मैरवा प्रखंड में नहर का बांध टूटा

सीवान। के मैरवा प्रखंड क्षेत्र के नवादा गांव में शुक्रवार की रात नहर का बांध टूट जाने से खेतों में पानी भर गया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ है। लगभग 5 एकड़ से अधिक खेतों में पानी फैल गया है। किसानों का कहना है कि उन्होंने खेतों में धान का बिचड़ा डाला था, जो पानी में डूबने के कारण खराब हो गया है। 50 से अधिक किसानों का धान की फसल बर्बाद हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही गंडक विभाग के जूनियर इंजीनियर मदन मोहन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि नहर में आउट लेट के लिए छोड़ी गई जगह पर चूहे ने होल कर दिया था, जिससे पानी का रिसाव होने लगा और बांध टूट गया है। उन्होंने यह भी बताया कि बांध को फिर से बांधने की प्रक्रिया जारी है, ताकि पानी का बहाव नियंत्रित किया जा सके और और अधिक नुकसान से बचा जा सके। किसानों का कहना है कि नहर की स्थिति पर नियमित निगरानी नहीं रखी जाती है, जिसके कारण इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। मात्र 2 साल पहले ही इस नहर का निर्माण कराया गया था। सीमेंट से ढलाई किया गया नहर है। उसके बावजूद भी नहर का एक किनारा टूट गया आई। उन्होंने मांग की है कि प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान निकाले और नहरों की नियमित देखरेख सुनिश्चित करे। उगाने के लिए आवश्यक संसाधन जुटा सकें। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित किसानों को मदद का आश्वासन दिया है।

मुजफ्फरपुर में पति साली संग भागा मां समधी संग फरार

मुजफ्फरपुर। 27 जून 2021 को मेरी छोटू के साथ शादी हुई। हमारी एक साल की एक बच्ची भी है। पर मेरी छोटी बहन के साथ ही पति दिल्ली भाग निकला। वहीं, मेरी मां पति और छोटी बहन को ढूंढने के नाम पर उसके ससुराल पहुंची पर वो भी ससुर के साथ फरार हो गई। अब मैं अकेले अपने बच्चे के साथ न्याय के लिए दर-दर की ठोकर खा रही हूं। यह कहना है मुजफ्फरपुर स्थित सकरा थाना क्षेत्र निवासी सुधा कुमारी का। सुधा ने इस संबंध में सकरा थाना की पुलिस को लिखित आवेदन देकर न्याय करने की बात कही है। पति ने छोटी बहन से शादी भी कर ली है। इसकी जानकारी सुधा को सोशल मीडिया के माध्यम से मिली है। वहीं, मां और ससुर भी दिल्ली में कहीं रह रहे हैं। फरीदपुर गांव निवासी सुधा बताती हैं कि उसकी शादी बोचहां थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी बिराजी भगत के 22 वर्षीय बेटे छोटू कुमार के साथ हुई थी। शादी के बाद से मैं और छोटू खुशी से रह रहे थे। हमारी एक साल की बेटी मिस्टी भी है। इसी बीच मेरी 12 साल की छोटी बहन से छोटू की फोन पर बातचीत शुरू हो गई। यह बातचीत कब प्यार में बदला, पता नहीं। मेरे साथ पति का व्यवहार बदल गया। मुझ पर तरह-तरह का आरोप लगाने लगे और मुझसे दूर रहने का हर संभव प्रयास करने लगे। 3 जून को छोटू और मेरी छोटी बहन घर से भाग गए। इन दोनों ने मुजफ्फरपुर स्टेशन पर शादी कर ली और दिल्ली चले गए। सुधा के अनुसार, वो इसके बाद मायके आ गई और पूरी घटना मां फूल कुमारी (45) को बताई। 5 जून को फूल कुमारी बोली- मैं तुम्हारे ससुराल जाकर दोनों के बारे में पता करती हूं। सुधा ने कहा, मैं भी चलती हूं। पर मां ने इनकार कर दिया। इसके बाद मां अकेले ही उसके ससुराल पहुंची और फिर वापस नहीं आई। कुछ दिनों बाद पता चला कि मां, ससुर बिराजी भगत के साथ गांव से फरार हो गई। वे दोनों भी दिल्ली में रह रहे हैं। इस घटना के बाद से सुधा के पिता उससे बात नहीं करते हैं। वहीं, बाद में पता चला कि छोटू और छोटी बहन की शादी कराने में मां का ही हाथ है। उसने छोटू को 2 हजार रुपए देकर उसकी मदद भी की है। अब मां से बात नहीं हो पाती है। उसने अपना सिम कार्ड तोड़कर फेंक दिया है। सुधा ने इसकी सूचना 9 जून को लिखित आवेदन से पुलिस को दी। लेकिन, पुलिस इस मामले में अब तक कुछ नहीं कर पाई। इधर, सकरा थाना इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि महिला ने आवेदन दिया गया है। इसके आधार पर जांच की जा रही है। वहीं, सुधा के पति छोटू कुमार ने बताया कि मेरी सास फूल कुमारी ही साली से शादी करने के लिए बार बार कह रही थी। इसके लिए मेरी सास ने मुझे पैसा और गाड़ी देने का वादा भी किया था। इस लालच में मैंने भी शादी कर ली। फिर घर से दूर एक मंदिर में आकर मेरी सास ने छोटी बेटी के साथ शादी करवा दी। अब मैं अपनी दोनों पत्नी को साथ रखना चाहता हूं।

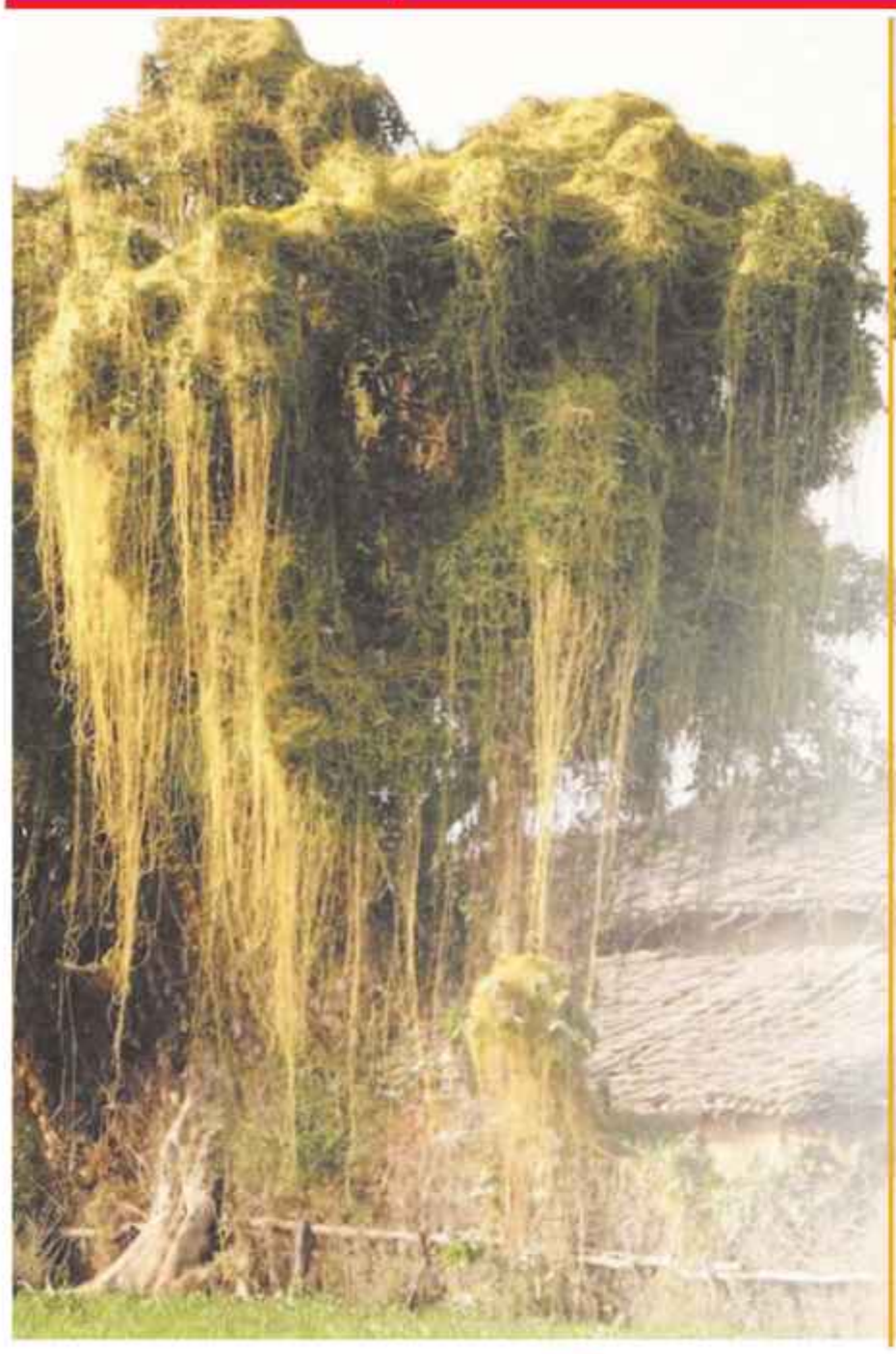

मोटे अनाजों में प्रमुख

बाजरा

भूमि का चुनाव

बाजरे की असिंचित फसल उन मिट्टियों में अच्छी उपज देती है, जिनकी जलधारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक होती है। रेतीली मटियार दोमट और मटियार दोमट भूमि में बाजरा की भरपूर पैदावार होती है।

भूमि की तैयारी

बाजरा वर्षा आधारित फसल है। ऐसी फसल के लिए गर्मियों की जुताई अच्छी पाई गई है। इससे खरपतवारों पर नियंत्रण करने में मदद मिलती है। वर्षा के शुरू होने पर हल या बखर चलाकर खेत को भुरभुरा बनायें तथा खरपतवार रहित करें।

उन्नत किस्में

अ. संकर किस्में - आईसीएमएच-356, जवाहर बाजरा हायब्रिड-1, जवाहर बाजरा हायब्रिड-2, हरित बटल रोग निरोधक

ब. परागित किस्में - जवाहर बाजरा किस्म-2, जवाहर बाजरा किस्म-3, जवाहर बाजरा किस्म-4, राज-171

बुआई

बाजरा की बुआई के लिए जुलाई का पहला पखवाड़ा ही उत्तम है। इस समय पर लगाए गए बाजरा पर रोगों का प्रकोप कम होता है तथा फूल आते समय सामान्य वर्षा होने पर प्रायः भूमि

में नमी का अभाव नहीं होता है।

बीज की मात्रा और पौधों का घनत्व

बाजरा की संकर किस्मों की कतारों के बीच 45 सेमी की दूरी रखना जरूरी है, जिसमें पौधों से पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेमी होना चाहिए। बीज 1 से 2.5 सेमी की गहराई पर बोना चाहिए। इस प्रकार प्रति हेक्टेयर 1.8 लाख से 2 लाख तक उचित पौध संख्या के लिए 5 से 6 किलोग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त रहती है। बुआई के पूर्व बीजोपचार जरूरी है बीज का उपचार एप्रान-35 एसडी की 6 ग्राम मात्रा को प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें, जिससे डाउनी मिल्ड्यू रोग के प्रारंभिक प्रकोप से बचा जा सके।

उर्वरक की मात्रा एवं देने का तरीका

बुआई के पूर्व 87 किलोग्राम यूरिया, 300 किलोग्राम और 33 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

पौधों की छटाई

बाजरा के पौधे के पूर्ण विकास के लिए उपयुक्त स्थान मिलना आवश्यक है। अतः घने पौधों की छटाई करके पौधों की आपसी दूरी उपयुक्त कर देनी चाहिए।

जल प्रबंध

बाजरा का केवल 3.3 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। अतः जल का समुचित प्रबंध करना सफल खेती और उत्पादन स्थिरता की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। वर्षा का केवल 5-15 प्रतिशत जल पौधों की बढ़वार के लिए उपलब्ध हो पाता है। इस प्रकार बाजरा उगाने वाले क्षेत्रों में जल का वैज्ञानिक प्रबंधन ही उनकी सफल खेती में सहायक हो सकता है। भूमि तल को समतल बना देने पर भूमि पर गिरने वाली वर्षा का समान वितरण होता है। तथा पानी भूमि में लम्बे समय तक भरे रहने के कारण इसका उत्तम संरक्षण करना संभव होता है। मेड़ बांधने की क्रिया जल संरक्षण में काफी सहायक पायी गयी है। वर्षा जल खेत में लम्बे समय तक खड़े रहने के कारण बहाव के माध्यम से बह जाने वाले जल की अधिक से अधिक मात्रा भूमि द्वारा ग्रहण कर ली जाती है तथा यह मात्रा भूगत होने के कारण सुरक्षित रहती है। यह विश्वास किया जाता है कि भूमि की ऊपरी सतह को संहत करने पर बाजरा के पौधे की जड़े अधिक गहराई तक जाती है जिसके कारण उपलब्ध भूमि जल का अच्छा उपयोग होता है तथा जड़ों का जल ग्रहण क्षेत्र भी बढ़ जाता है। इस क्रिया को शायद इसी कारण से मूल प्रशिक्षण (रुट ट्रेनिंग) भी कहा जाता है। क्योंकि जड़ों के नीचे की ओर बढ़ने का प्रशिक्षण दिया जाता है, यानि कि ऐसी स्थिति बनायी जाती है कि इसकी बढ़वार नीचे की ओर अधिक हो।

जल निकास

बाजरे की फसल यदि काफी देर तक पानी खड़ा रहे, तो इससे फसल को काफी नुकसान पहुंचता है। इसलिए बुवाई से पूर्व खेत को समतल कर लेना चाहिए

अमरबेल का नियंत्रण

प्रसारण

- परजीवी के बीज एवं तने के भाग सिंचाई करने से जल द्वारा एक खेत से दूसरे खेत में चले जाते हैं।
- खाद द्वारा भी बीज खेत में आ जाते हैं।
- तने के टुकड़ों का स्थानांतरण मनुष्यों एवं जंतुओं द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर कर दिया जाता है।
- इसके बीज बरसीम, रिजका के बीजों के साथ जुड़े रह सकते हैं।

हानि

अमरबेल के संक्रमण से मात्रात्मक व गुणात्मक दोनों प्रकार से हानि होती है-

- नींबू में 30-35 प्रतिशत
- मूंग में 70-90 प्रतिशत
- उड़द में 30-40 प्रतिशत
- रिजका, बरसीम में 60-70 प्रतिशत तक उपज में हानि होती है।

नियंत्रण

इस परजीवी पादप के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंध करना अति आवश्यक है-

नियंत्रण के उपाय

- नमक के 10 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 100 ग्राम) घोल में बीजोपचार करके फसल के बीजों की बुवाई करें।
- अमरबेल के बीज रहित फसल के बीज ही बुवाई के काम लें।
- कृषि यंत्रों व पशुओं को अमरबेल से संक्रमित खेतों से स्वच्छ खेतों में न आने दें।
- अमरबेल से ग्रसित फार्म से कम्पोस्ट खाद तैयार न करें।

शस्य नियंत्रण

संक्रमित पौधों को परजीवी में बीज बनने से पहले उखाड़ कर जला दें।

- कम से कम पांच वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- पाश फसलें जैसे ग्वार आदि उगाना चाहिए इसकी बढ़वार कम होगी।
- फसलों की सहनशील किस्में जैसे रिजके की एलएलसी 6 व एलएलसी 7, मूंग की एम-4 व उदड़ की टी-9 किस्में बोनी चाहिए।

जैविक नियंत्रण

मैलेनाग्रोमाइजा करुक्यूटा व कालेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरीयोडीस के द्वारा भी इसका नियंत्रण कर सकते हैं।

- ल्यूबाओ-2 जो कि कोलेटोट्राइकम ग्लोइयोस्पोरियोडिस करुक्यूटी रोगजनक का उत्पाद है, से भी जैविक नियंत्रण कर सकते हैं।

रासायनिक नियंत्रण

- क्लोरोफॉम 6-7 किग्रा (सक्रिय तत्व) या डाइक्लोनेनोल 2 किग्रा (सक्रिय तत्व) प्रति हेक्टेयर मिट्टी में प्रयुक्त करें।
- खड़ी फसल (रिजका व बरसीम) में कटाई के 5-10 दिन बाद डाइकण्ट 6-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर आवश्यकतानुसार पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- पेड़ों तथा बहुवर्षीय बेलों पर पेराक्वाट के 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें। तथा उपचारित परपोषी पौधों की जल्दी सिंचाई करें।
- यदि अमरबेल पर छिड़काव के बाद कोई अवशेष बच जाये तो पुनः बताये शाकनाशियों का छिड़काव करें।

इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया। इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

धान की मेडागास्कर खेती

भारत में हरित क्रांति आने के बाद से लेकर अब तक विभिन्न आदानों की इकाई लागत में काफी वृद्धि हुई है इस वृद्धि के फलस्वरुप शुद्ध लाभ भी कम प्राप्त हो रहा है, इस हेतु यह आवश्यक हो गया है कि इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त किया जाये। इकाई क्षेत्र में कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन हेतु वर्ष 1983 में फादर हेनरी द्वारा सिस्टम ऑफ राइस इंटेसीफिकेशन का उद्भव मेडागास्कर में किया गया इस पद्धति से 7-15 टन धान प्रति हेक्टेयर उत्पादन किया जा सकता है।

मेडागास्कर विधि की कृषि कार्यमाला

खेत का चुनाव-मेडागास्कर विधि से धान की खेती करने हेतु उचित जल निकास वाली भूमि का चुनाव करना चाहिए तथा सिंचाई की भी व्यवस्था खेत पर होना चाहिए। बीज की मात्रा-इस विधि से धान की रोपाई करने के लिए 10-12 किलोग्राम बीज की आवश्यकता प्रति हेक्टेयर पड़ती है।

धान की उन्नत किस्में

कम अवधि में पकने वाली किस्में-तृप्ति, पूर्वा, जेआर 75
मध्यम समय में पकने वाली किस्में-जेआर 201,दीप्ति, जेआर 353
सामान्य अवधि में पकने वाली किस्में-आई.आर. 36, आई.आर. 64, माधुरी,पूसा सुगंधा
देर से पकने वाली किस्में :-स्वर्णा, श्यामला, महासुरी
संकर किस्में-एपीएचआर-1, एपीएचआर-2, एमजीआर-1, सीएनआर एच-1, पंत संकर धान

नर्सरी हेतु खेत की तैयारी एवं बीज की बुवाई

खेत की अच्छी तरह आड़ी-तिरछी जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी कर लेना चाहिए तत्पश्चात एक मीटर चौड़ी 10 मीटर लम्बी 15 सेमी ऊंचाई की क्यारी बना लें, क्यारी के दोनों ओर सिंचाई नाली बनाये क्यारी तैयार कर 50-60 किलोग्राम नाडेप कम्पोस्ट मिलाकर समतल कर दें तैयार क्यारी में उपचारित बीज को

रोपाई हेतु खेत की तैयारी

रोपाई किये जाने वाले खेत की अच्छी तरह जुताई कर भुरभुरा कर लें तथा खेत में पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लेना चाहिए। तथा खेत में 8-10 टन नाडेप कम्पोस्ट/गोबर की पकी हुई खाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिला देना चाहिए। इस प्रकार रोपणी के लिए खेत तैयार हो जायेगा। सामान्यतः 10-15 दिन की पौध इस पद्धति में रोपाई हेतु उपयुक्त होती है। इन पौधों को जड़ सहित सावधानीपूर्वक उखाड़ कर 20 से 30 मिनट के अंदर खेत में रोप देना चाहिए। रोपाई एक से दो सेमी गहराई पर करें तथा पौध को खेत में सीधा रोपना चाहिए। रोपाई के समय खेत में पानी भरा नहीं होना चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधे की रोपाई करें तथा पौध से पौध की दूरी 25 सेमी एवं कतार से कतार की दूरी 23 सेमी रखना चाहिए, जिससे कंसे अधिक संख्या में निकलते है।

खाद उर्वरक की मात्रा

खेत की मिट्टी का परीक्षण कराकर तत्वों की उपलब्धता जानने के बाद ही खाद की मात्रा निश्चित की जानी चाहिए, इस विधि में कार्बनिक खादों एवं रासायनिक खादों का उपयोग करना अनिवार्य है चयनित खेत में हरी खाद के लिए सनई/ढैंचा की बोनी कर 20-25 दिन बाद मचाई कर मिट्टी में मिला दें तथा 3-4 दिन के लिए छोड़ दें तत्पश्चात रोपाई करें। रासायनिक खाद में 80 किलोग्राम 50 किलोग्राम फास्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश की आवश्यकता प्रति हेक्टर होती है। फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा का उपयोग आधार खाद के रुप में किया जाना चाहिए व नत्रजन का उपयोग तीन किश्तों में 20 प्रतिशत के एक सप्ताह बाद 50 प्रतिशत कंसे फूटने के समय एवं शेष 30 प्रतिशत गभोट के प्रारंभ काल में किया जाना चाहिए। वानस्पतिक वृद्धि अधिक होने पर नत्रजन की मात्रा कम की जा सकती है।

बिखेर दें तथा ऊपर से कम्पोस्ट खाद की पतली परत बिछाकर बीजों को ढ़क दें बीज का उपचार कर ही क्यारी डालना चाहिए। बीज उपचार हेतु स्युडोमोनास फ्लोरोसेंस 3 ग्राम प्रतिकिलो बीज की दर से उपयोग करना आवश्यक होता है। प्रति क्यारी 120 ग्राम बीज की मात्रा या 12 ग्राम प्रति वर्ग मीटर बीज की रोपणी डालने की आवश्यकता होती है। रोपणी की बोनी उपरांत प्रथम सिंचाई हजारे से की जाना चाहिए, शेष सिंचाई रोपणी के दोनों तरफ उपलब्ध सिंचाई नाली से करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पन्नू की हत्या की साजिश में गिरफ्तार निखिल गुप्ता ने अमेरिका में अब तक नहीं मांगा काउंसलर एक्सेस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने एक बयान जारी कर कहा है कि पन्नू हत्याकांड के आरोपी ने अभी तक अमेरिका में काउंसलर एक्सेस नहीं मांगा है। चेक रिपब्लिक से अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने के बाद निखिल गुप्ता की ओर से भारतीय अधिकारियों को अभी तक काउंसलर एक्सेस के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है। निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ हत्या की साजिश रचने का आरोप है। उन्हें पिछले साल चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार किए जाने के बाद बीते 14 जून को वहां से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, हमें अभी तक गुप्ता से काउंसलर एक्सेस के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है, लेकिन उनके परिवार ने हमसे संपर्क किया है। काउंसलर एक्सेस का मतलब होता है कि विदेश में कैद कोई भी व्यक्ति अपने देश के अधिकारी या डिप्लोमैट से मिलने की इजाजत मांग सकता है। गिरफ्तार शख्स खुद काउंसलर एक्सेस मांग सकता है। निखिल गुप्ता जब तक चेक रिपब्लिक में हिरासत में थे भारतीय अधिकारियों को उन तक काउंसलर की पहुंच मिली हुई थी। अमेरिकी के सरकारी वकीलों का आरोप लगाया है कि निखिल गुप्ता ने पिछले साल न्यूयॉर्क में गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के लिए एक भारतीय अधिकारी के साथ साजिश रची थी। अमेरिका और कनाडा का ड्यूल सिटीजन पन्नू आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांटेड है। गुप्ता को काउंसलर एक्सेस मिलेगा या नहीं यह वियना कन्वेंशन पर निर्भर करता है। कन्वेंशन के अनुच्छेद 36 में कहा गया है कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति काउंसलर एक्सेस के लिए अनुरोध करने का अधिकार है।अमेरिका में प्रत्यर्पण के बाद, निखिल गुप्ता को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया है। उस पर 'मर्डर फॉर हायर' की साजिश रचने के आरोप हैं जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। कोर्ट ने गुप्ता को 28 जून को अगली पेशी होने तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

खत्म हुईं इंतजार की घड़ियां, 15 अगस्त से इस रूट पर कमाल करेगी वंदे भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन वंदे भारत के चाहने वालों के लिए खुशखबरी है। जी हां, वंदे भारत ट्रेन को लेकर जिसका इंतजार किया जा रहा था, वह अब पूरा होने वाला है। वंदे भारत ट्रेन को लॉन्च करने के दौरान यह बात रेलवे की तरफ से बताई गई थी कि सेमी हाई स्पीड ट्रेन की टॉप स्पीड 160 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। रेलवे के मौजूदा ट्रैक पर वंदे भारत की स्पीड 130 किलोमीटर प्रति घंटे ही पहुंच पाती है, मगर अब मुंबई और अहमदाबाद रूट पर यह ट्रेन 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेगी। टीओई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन 15 अगस्त से 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। रेलवे बोर्ड ने मुंबई और वडोदरा डिवीजनों को 30 जून तक जरूरी काम पूरा करने और कंफर्मेटरी ओसिलोग्राफ कार चलाने का निर्देश दिया है। भारतीय रेलवे की इस परियोजना का उद्देश्य व्यस्त मार्गों पर ट्रेनों की गति बढ़ाना है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच ट्रेन से दूरी 491 किमी है और वर्तमान में वंदे भारत एक्सप्रेस से 5 घंटे 15 मिनट लगते हैं। गति में वृद्धि से यात्रा के समय में 30 मिनट तक की बचत होगी। इस रूट पर मौजूदा वक्त में दो वंदे भारत ट्रेनें चलती हैं। एक ट्रेन रविवार को तो वहीं दूसरी वंदे भारत बुधवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती है। मुंबई-अहमदाबाद रूट पर ट्रेन संख्या 22962 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस अहमदाबाद से 06:10 बजे रवाना होती है और 11:35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचती है। यही ट्रेन सुबह 11.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचने से पहले वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली जैसे कुछ स्टेशनों पर रुकती है। वापसी में ट्रेन नंबर 22961 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस मुंबई सेंट्रल से 15:55 बजे रवाना होती है और 21:25 बजे अहमदाबाद पहुंचती है। वापसी यात्रा में ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकती है।

आग बुझाने की मशीन बनाने वाली फैक्ट्री ही जली

2 लोगों की मौत, 6 घायल; धमाकों से हिला गुरुग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के दौलताबाद औद्योगिक क्षेत्र में आग बुझाने के यंत्र बनाने वाली फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात जोरदार ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में 2 श्रमिकों की जलकर मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग की 10 से ज्यादा गाड़ियां रात से ही मौके पर मौजूद हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात 2 बजे फैक्ट्री में आग लगी। आग इतनी भयानक थी कि 3 किलोमीटर दूर तक लपटें दिखाई दे रही थीं। आग की लपटें और धमाका इतनी तेज था कि कुछ लोग घटनास्थल से 100 मीटर से ज्यादा दूर पास की फैक्ट्रियों में पड़े मिले हैं। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें अभी भी अंदर फंसे लोगों को रेस्क्यू करने में जुटी हैं। इस हादसे में आसपास की 10 से ज्यादा फैक्ट्रियों में लोहे के भारी गाटर, एंगल और लोहे की भारी चादरें तक गिर गईं। इसमें भी भारी नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सुबह मौके पर पहुंचे डीसीपी करन गोयल ने इस हादसे में 2 लोगों के मरने और छह लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सच साबित हुआ उद्यमियों डर

बता दें कि, हिन्दुस्तान अखबार ने 15 जून को ही फायर एनसीओ नहीं मिलने से उद्यमियों को गर्मी में आग की चिंता से जुड़ी खबर प्रकाशित की थी। दरअसल, गुरुग्राम औद्योगिक क्षेत्र समेत शहर के कई उद्योगों को फायर एनओसी नहीं होने से गर्मी में आग की चिंता सता रही है। नगर निगम के दोहरे मापदंड को लेकर उद्यमी लंबे समय से परेशानी झेल रहे हैं।

निगम अवैध क्षेत्र बताकर सुविधा नहीं देता

पुराने उद्योग औद्योगिक सुरक्षा और नगर निगम के फायर सुरक्षा के तय मापदंडों का पालन कर रहे हैं। उसमें इस तरह की बाध्यताएं नहीं हैं। ऐसे में यदि पुराने उद्योग फायर सुरक्षा निगम के तय मापदंडों को पूरा करते हैं तो उन्हें 5 से 30 लाख रुपये तक का खर्च आता है। दौलताबाद वर्ष 2012 के मास्टर प्लान में शामिल किया। वर्ष 2017 तक उद्योगों का नक्शा पास करने, फैक्ट्री लाइसेंस, फायर एनओसी मिलते थे। वर्ष 2018 से अवैध क्षेत्र बताकर सब देना बंद कर दिया था। इसी तरह बसई, कादीपुर और बहरामपुर क्षेत्र है।

भवन पूर्णता प्रमाण के कारण एनओसी नहीं देते

नगर निगम की ओर से चारों औद्योगिक क्षेत्रों को अवैध एरिया बताकर एनओसी नहीं देता है। इससे इन क्षेत्रों के इमारत बनाने के लिए नक्शा पास नहीं किए जाते है। फैक्ट्री लाइसेंस से लेकर फायर एनओसी तक नहीं मिलती है। उद्यमियों का आरोप है कि नगर निगम कॉमर्शियल संपत्ति कर लेता है, लेकिन एनओसी नहीं देता।

गांधी जी का आशीर्वाद ले आतिशी ने जल के लिए अन्न त्यागा

पानी सत्याग्रह में हरियाणा सरकार पर आरोप लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लिए पानी की मांग को लेकर जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को जंगपुरा के भोगल में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया है। अनशन शुरू करने से पहले आतिशी ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ सुनीता केजरीवाल, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज समेत कई पार्टी के नेता मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पर दिल्लीवालों से दुश्मनी निभा रही है। पत्नी सुनीता केजरीवाल के हाथ भेजे पत्र में सीएम ने लिखा कि दिल्ली के लोगों की प्यास पड़ोसी राज्यों से मिलने वाले पानी से बुझती है। गर्मी में पानी की ज्यादा जरूरत पड़ती है, इसलिए दिल्ली को उम्मीद थी कि इस मुश्किल के वक्त पड़ोसी राज्यों का और ज्यादा सहयोग मिलेगा।

मुश्किल की इस घड़ी में साथ देने की बजाय हरियाणा सरकार ने दिल्ली को रोजाना मिलने वाला पानी भी कम कर दिया। इससे दिल्ली के लोग प्यासे मर रहे हैं। माना कि दिल्ली और हरियाणा में अलग-अलग पार्टियों की सरकार है, मगर क्या यह वक्त राजनीति करने का है। अगर किसी राज्य में भूकंप और बाढ़ आती है तो हम यह नहीं देखते कि किस पार्टी की सरकार है। पूरा देश पीड़ितों को राहत देने में लग जाता है। लेकिन हरियाणा सरकार के लिए यह कोई मायने नहीं रखता है। ऐसे मौके पर एक इंसान को दूसरे की मदद करनी चाहिए। इससे हम समस्या को कम कर सकते हैं।

झूठे आरोप लगाए जा रहे : सांसद संजय सिंह ने कहा कि बीते दिनों भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी की ओर से किए गए विरोध प्रदर्शन पर कहा कि भाजपा ने अपने लोगों को कह दिया कि दिल्ली के लोगों का पानी रोको, पाइप लाइन तोड़ दो, जल बोर्ड के कार्यालयों को तोड़ दो, यह भाजपा का फरमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के पूर्व सांसद गले में पटका, हाथ में मटका लेकर कर्मचारियों को मार रहे हैं, जलबोर्ड का दफ्तर तोड़ रहे हैं। दिल्ली में जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप आए तो उनकी पत्नी ने दिल्ली के स्कूल को जाकर देखा। भाजपा ने झूठे आरोप लगाकर पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जेल में डाल दिया।

5 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, सोते समय भी वीडियो कॉल से नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य गैरकानूनी सामान होने का डर दिखाकर साइबर ठगों ने नोएडा की एक 73 वर्षीय बुजुर्ग महिला से एक करोड़ 30 लाख रुपये ठग लिए। इस दौरान ठगों ने महिला को स्काइप कॉल पर वीडियो कॉल कर 5 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और दस अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर करा ली। अब पीड़ित महिला की शिकायत पर नोएडा पुलिस अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धारा में केस दर्ज कर जांच कर रही है। सेक्टर-49 निवासी रिटायर्ड अधिकारी की पत्नी शुचि अग्रवाल ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 13 जून को उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने बताया कि वह फेडिक्स कंपनी की अंधेरी शाखा से बात कर रही है। उसने कहा कि उनके नाम से भेजा जा रहा पार्सल पकड़ा गया है, जिसमें एलसीडी, एक्सपायर्ड पासपोर्ट और अन्य सामान हैं। पूछताछ के लिए या तो उन्हें मुंबई आना पड़ेगा या फिर ऑनलाइन ही मुंबई पुलिस के नारकोटिक्स विभाग के अधिकारियों से जुड़ना होगा। इसके बाद महिला को स्काइप कॉल पर जोड़ा गया।

वॉट्सऐप डीपी में मुंबई पुलिस के लोगो का इस्तेमाल

शुचि अग्रवाल ने बताया कि 13 जून को जिस नंबर से कॉल आई थी, उस नंबर की वॉट्सऐप डीपी में मुंबई पुलिस का लोगो था। जब महिला को स्काइप कॉल पर जोड़ा गया तो उसमें सामने वीडियो में जितने लोग दिख रहे थे, सभी ने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और उनके पीछे दीवार पर मुंबई नारकोटिक्स विभाग का लोगो बना हुआ था। वीडियो में दिख रहे ठगों ने अपना पुलिस का फर्जी आईकार्ड भी महिला को दिखाया ताकि उसे विश्वास में लिया जा सके। इसके बाद आरोपियों ने महिला को डर-धमकाकर रुपये हड़प लिए। डराकर रकम ट्रांसफर कराई। इसी दौरान स्काइप कॉल से जुड़े कथित नारकोटिक्स अधिकारियों ने महिला से कहा कि उनके आधार कार्ड पर कुल छह अकाउंट चल रहे हैं। सभी खातों में मनी लॉन्ड्रिंग का काम हो रहा है। डरी-सहमी महिला को जालसाजों ने पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट देने के नाम पर रुपये ट्रांसफर करने को कहा।

डेटिंग एप पर प्यार, घर आकर करता लूटपाट; दिल्ली पुलिस ने 28 साल के शातिर चोर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 28 साल के एक लड़के और उसके साथी को गिरफ्तार किया है जो डेटिंग एप पर महिलाओं से बात करके उन्हें मिलने के लिए बुलाता था। महिलाओं के आने पर वह और उसका दोस्त उनके साथ लूटपाट करते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजधानी में हुई चार डकैतियों में शामिल थे। जिनमें से एक रोहिणी में हुई थी, जहां एक ज्वैलरी दुकान के मालिक को बंदूक की नोक पर लूटा गया था। डीसीपी (द्वारका) अंकित सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान विपिन कमल कुमार और उसके सहयोगी राहुल सिंह के रूप में हुई है, दोनों मोहन गार्डन के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि 31 मई को 28 साल की एक लड़की ने आई और बताया कि दो दिन पहले डेटिंग ऐप पर उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को जतिन बताया और दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। उसने कहा कि जब वह अकेली होगी तो वह उससे मिलने घर आएगा। 30 मई को लड़की ने उसे अपने घर बुलाया, लेकिन वह अपने दोस्त के साथ पहुंचा। एक अधिकारी ने बताया, आरोपी पीड़िता को उसके कमरे में ले गया, जहां उसने और उसके दोस्त ने उसके हाथ-पैर बांध दिए और उसके मुंह पर टेप लगा दिया। आरोपियों ने उसकी पिटाई की और उसके सोने के गहने, फोन और 5,000 रुपये कैश लूटकर ले गए। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और इंस्पेक्टर कमलेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने इसकी जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता के घर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि दोनों संदिग्ध एक सफेद क्रेटा कार में आए थे। संदिग्ध के फोन नंबर के कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी प्राप्त किए गए और उनका एनालिसिस किया गया। जिससे पता चला कि उसने रोहिणी में रहने वाली एक अन्य महिला से भी बात की थी। अधिकारी ने बताया कि आगे की जांच में पुलिस को पता चला कि संदिग्ध ने इसी तरीके से दूसरी महिला को भी लूटा था। रोहिणी में रहने वाली 46 साल की महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपने पति से अलग हो चुकी है। वह अपने दो स्कूल जाने वाले बच्चों के साथ रहती है।

भूमिगत जल को विषैला बना रही रेन वाटर हार्वेस्टिंग, एनजीटी को सौंपी गई 176 सोसाइटियों की सर्वे रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों में लगे वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) उपकरण बारिश का पानी बचा तो रहे हैं, लेकिन इससे भूजल दूषित हो रहा है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को सौंपी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। डीपीसीसी ने कहा है कि वर्षा जल बचाने के लिए बनाए गए गड्ढे का डिजाइन दोषपूर्ण होने से इसमें सीवेज का पानी मिल रहा है, इससे भूजल दूषित हो रहा है। डीपीसीसी ने द्वारका में 176 ग्रुप हाउसिंग सोसाइटियों में लगे वर्षा जल संचयन उपकरणों के सर्वे के आधार पर रिपोर्ट तैयार की है। एनजीटी प्रमुख जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की अगुवाई वाली बेंच को डीपीसीसी ने रिपोर्ट सौंपी है। डीपीसीसी ने महेश चंद्र सक्सेना की याचिका पर रिपोर्ट दी है। कोलीफार्म बैक्टीरिया मिला : डीपीसीसी ने कहा कि 176 में से 103 सोसाइटियों के वर्षा जल संचयन पिट से पानी के नमूने लिए गए। जांच में इन गड्ढों में जमा पानी एवं मिट्टी में कोलीफार्म बैक्टीरिया और अमोनिकल नाइट्रोजन मिला। अमोनिकल नाइट्रोजन की मौजूदगी के लिए मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों के अपघटन और पशु अपशिष्ट या सीवेज को जिम्मेदार है। संयुक्त टीम (दिल्ली जल बोर्ड भी शामिल) द्वारा एकत्र किए गए अधिकांश नमूने गैर-बरसात के मौसम में लिए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया कि आरडब्ल्यूएच गड्ढों में भरा पानी वर्षा जल नहीं हो सकता है, इसमें मानवीय गतिविधियों से निकलने वाला अपशिष्ट सोसायटियों के जल निकासी के माध्यम से आपस में मिल जाता है। डीपीसीसी ने दिल्ली जल बोर्ड की एक पुरानी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि भूजल के दूषित होने का मुख्य कारण रिचार्ज बोरवेल पाइपों का मौजूदा भूजल स्तर तक पहुंच जाना है।

देरी से ऑफिस आने वालों की अब खैर नहीं, सरकार ने सेट किया समय

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑफिस देरी से पहुंचने वालों की चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार ने साफ-साफ कहा है कि 15 मिनट से अधिक की देरी से दफ्तर आने वालों को माफ नहीं किया जाएगा। उन्हें कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था।

केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते है तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा।

सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा।

केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम 7 बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं।

2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने की मांग की थी। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं।

भाजपा तेलुगु देशम पार्टी को दे सकती है डिप्टी स्पीकर

नई दिल्ली, एजेंसी। 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष पद भाजपा अपने पास रखेगी। इस मुद्दे पर राजग में सहमति बन गई है। इस बार उपाध्यक्ष पद पर भी नियुक्ति किए जाने की संभावना है। यह पद भाजपा अपने सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दे सकती है। जदयू के पास पहले से ही राज्यसभा में उपसभापति का पद है। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर पद पर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति कर साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आएगी।

इस बार लोकसभा में भाजपा और राजग की ताकत कम होने और विपक्षी दलों की ताकत बढ़ने के बाद भी सत्ता पक्ष के तेवर में कोई कमी नहीं आई है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पद सत्ता पक्ष के पास ही रहेंगे। सत्ता पक्ष में सबसे बड़ा दल होने के नाते भाजपा अध्यक्ष पद अपने पास रख सकती है, जबकि उपाध्यक्ष पर सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दिए जाने की संभावना है। हालांकि विपक्ष परंपरानुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है और ऐसा न होने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर निर्विरोध निर्वाचन में अड़ंगा डाल सकती है।

प्रोटेम स्पीकर को लेकर हुई टकराव की शुरुआत : सत्ता और विपक्ष में टकराव की शुरुआत प्रोटेम स्पीकर को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के सुरेश का नाम आगे बढ़ाया गया था। आठ बार के सांसद सुरेश का वरिष्ठता के लिहाज से दावा भी बनता था, लेकिन सरकार ने सात बार के सांसद भाजपा के भर्तृहरि महताब को इसके लिए चुना क्योंकि वह सात बार लगातार जीते हैं, जबकि सुरेश बीच में दो बार हारे थे।

सरकार ने इसे नियमों के अनुसार उचित ठहराया है, लेकिन राजनीतिक रूप से माना जा रहा है कि सत्ता पक्ष खासकर भाजपा ने 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के सामने किसी तरह का समझौतावादी रुख नहीं अपनाएगा। भले ही उसकी ताकत कुछ कम हुई हो, लेकिन पिछली दो सरकारों की तरह वह इस बार भी उन्हीं तेवरों और सक्रियता के साथ काम करेगी।

विपक्ष के तेवर भी कम नहीं : इस बार विपक्ष के तेवर भी कम नहीं है। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी हुई है। सरकार द्वारा उसे उपाध्यक्ष न दिए जाने की स्थिति में विपक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उम्मीदवार उतार सकता है। ऐसे में नई लोकसभा की शुरुआत से ही सरकार और विपक्ष सर्वानुमति की जगह टकराव और बहुमत की ताकत की तरफ बढ़ेंगे। इससे सदन में कई मुद्दों पर टकराव बढ़ने की आशंका है। खासकर संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर जहां दो तिहाई सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। ऐसे में कई मुद्दों पर सरकार को विपक्ष के सहयोग के बिना अपना कामकाज निपटाना मुश्किल हो सकता है और कई बार पीछे भी हटाना पड़ सकता है।

पॉलीथिन जब्त करने पहुंची निगम टीम की आंखों में डाली मिर्च, फेंके पत्थर

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के पुराना बस अड्डा स्थित सब्जी मंडी में शुक्रवार दोपहर पॉलीथिन जब्त करने पहुंची नगर निगम की टीम पर कुछ दुकानदारों ने आंखों में मिर्च डालकर पथराव कर दिया। इस दौरान प्रवर्तन दल के एक कर्मचारी का सिर फूट गया। दुकानदारों ने टीम का घेराव कर हंगामा किया। प्रवर्तन दल ने दुकानदारों पर लाठियां चलाईं। इसमें कई दुकानदार चोटिल हो गए। पुलिस पार्षद समेत दो लोगों को थाने ले आई। काफी देर तक थाने पर भी भीड़ जमा रही। शासन के आदेश पर नगर निगम पॉलीथिन का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अभियान चला रहा है। प्रवर्तन दल और सिटी जोन की टीम शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सब्जी मंडी में पॉलीथिन जब्त करने पहुंची। टीम ने एक दुकान में जाकर पॉलीथिन जांच की। इसका दुकानदार ने विरोध किया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदार भी एकत्रित हो गए। सभी मिलकर हंगामा करने लगे। इस बीच प्रवर्तन दल के कर्मचारी नीरज कुमार और सुधीर की आंखों में मिर्च पाउडर डालकर हंगामा शुरू कर दिया। इस पर प्रवर्तन दल ने हंगामा कर रहे दुकानदारों पर लाठियां चला दीं। इसमें उमेश, मिंटू, नीटू और जावेद को चोट आई। इसी दौरान पार्षद प्रवीण कुमार अपने एक साथी के साथ मंडी पहुंच गए।

जून में फ्लैश कंपोजिट का पीएमआई 60.9 पर पहुंचा

- 18 सालों में सबसे ज्यादा मिली नौकरियां

नई दिल्ली ।

ग्लोलबल बैंक एचएसबीसी ने जून महीने का मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस को मिलाकर फ्लैश कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा रिलीज कर दिया। सर्वेक्षण के अनुसार जून में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों में बढ़ोतरी देखने को मिली। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि पिछले 18 सालों में सबसे ज्यादा रोजगार` मिले। एक सर्वे के अनुसार हेडलाइन फ्लैश कंपोजिट पीएमआई डेटा जून में बढ़कर 60.9 हो गया, जो मई में 60.5 था। बता दें कि मई के डेटा को रिवाइज किया गया और आंकड़े में थोड़ी गिरावट आई। भारत के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के कंबाइंड आउटपुट में मासिक आधार पर बदलाव को मापने वाला यह इंडेक्स लगातार 35वें महीने ग्रोथ दायरे में रहा। फरवरी से ही उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी सेवा प्रोवाइडर्स के मुकाबले मजबूत रही है। एचएसबीसी की एक ग्लोबल इकनॉमिस्ट ने कहा कि ओवरआल फ्लैश पीएमआई जून में बढ़ गया, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों की बढ़ोतरी की वजह से हुआ क्योंकि इसमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने तेज वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा` कि दोनों सेक्टर्स के लिए नए ऑर्डर में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें मैन्युफैक्चरर्स के बीच तेजी से उछाल आया। हालांकि जून में नए निर्यात ऑर्डरों की ग्रोथ रेट थोड़ी धीमी हो गई, लेकिन यह सीरीज की शुरुआत के बाद दूसरी सबसे तेज थी। इसकी वजह से जून में कैपासिटी प्रेशर स्पष्ट हो गए, जिससे कंपनियों ने पिछले 18 सालों में सबसे अधिक अपने स्टाफिंग लेवल को बढ़ाया। निर्यात के मोर्चे पर, नए निर्यात ऑर्डर जून में लगातार 22वें महीने बढ़े और मजबूत बने रहे, हालांकि पिछले महीने की रिकॉर्ड वृद्धि के बाद गति थोड़ी धीमी हो गई। मजबूत मांग ने कंपनियों को अधिक लोगों को नियुक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिससे कुल मिलाकर रोजगार सृजन अप्रैल 2006 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सर्विस सेक्टर के मुकाबले ज्यादा था।

संबंधित पक्षों में 2.68 ट्रिलियन के लेनदेन पर अगले हफ्ते होगा निर्णय!

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते अदाणी एंटरप्राइजेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरधारक चालू वित्त वर्ष और आगे के लिए संबंधित पक्षों के साथ कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावित लेनदेन पर निर्णय करेंगे। कैपिटालाइन के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में बीएसई 500 कंपनियों में संबंधित पक्ष के साथ लेनेदन का कुल मूल्य बढ़कर 6 साल के उच्च स्तर 42.1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। 42.1 लाख करोड़ रुपये मूल्य में बैलेंस शीट और लाभ-हानि दोनों के स्तर पर संबंधित पक्षों के लेनदेन शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स प्रमुख गैर-बैंकिंग कंपनियां हैं जिसका बीते समय में संबंधित पक्ष के लेनदेन ज्यादा रहा है। वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज सोमवार को प्रस्तावित सालाना आम बैठक के प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से संबंधित पक्ष के साथ 1.04 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन की मंजूरी मांग रही है। इसी तरह टाटा मोटर्स ने संबंधित पक्ष के साथ 89,000 करोड़ रुपये मूल्य के लेनदेन का प्रस्ताव किया है जिसे पर सोमवार को होने वाली बैठक में शेयरधारकों से मंजूरी मांगी जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष संग 74,800 करोड़ रुपये मूल्य के लिए लेनदेन हेतु शेयरधारकों से डाक मतपत्र के जरिये गुरुवार को मंजूरी मांगेगी, जिसके नतीजे अगले हफ्ते आ सकते हैं। चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष के साथ जिन प्रमुख लेनदेन शेयरधारक वोट करेंगे, उनमें वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक इकाई और जियो फाइनैंशियल सर्विसेज के बीच 36,000 करोड़ रुपये के लेनदेन शामिल हैं।

मास्टरकार्ड समर्थित फिनटेक फर्म पाइन लैब्स लाएगी आईपीओ!

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में आई तेजी को देखते हुए स्टार्टअप से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय इकाइयां पूंजी बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही हैं। मास्टरकार्ड और पीक-15 के निवेश वाली डिजिटल भुगतान कंपनी पाइन लैब्स भारत में करीब 1 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर विचार कर रही है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार पाइन लैब्स आईपीओ में 6 अरब डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन की उम्मीद कर रही है।

आईपीओ में पाइन लैब्स नए शेयर के साथ ही सेकंडरी शेयर भी जारी कर सकती है। दो लोगों ने बताया कि कंपनी आईपीओ लाने से पहले और पूंजी जुटा सकती है। इस खबर को पहले ब्लूमबर्ग ने प्रकाशित किया था। इस बारे में पाइन लैब्स ने कोई जानकारी नहीं दी है। अगर पाइन लैब्स का 1 अरब डॉलर का आईपीओ आता है तो यह पेटीएम की प्रवर्तक वन97 कम्युनिकेशंस के बाद किसी भी भारतीय फिनटेक कंपनी का सबसे बड़ा निर्गम होगा। वन97 कम्युनिकेशंस ने 2021 में आईपीओ के जरिये करीब 2.5 अरब डॉलर जुटाए थे। भारत में कंपनियां इस साल अभी तक आईपीओ के जरिये करीब 7 अरब डॉलर जुटा चुकी हैं, जो 2023 की समान अवधि की तुलना तीन गुना से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि पाइन लैब्स के आईपीओ पर अभी प्रारंभिक स्तर पर बातचीत चल रही है और इस बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। बाजार में तेजी का फायदा उठाने के लिए कई कंपनियां आईपीओ लाने की होड़ में हैं। ह्युंडै मोटर ने अपनी भारतीय इकाई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बनाई है, वहीं सॉफ्टबैंक और टेमासेक समर्थित ओला इलेक्ट्रिक के 5,500 करोड़ रुपये के आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट करती हैं। इनकी की कीमतों पर सीधा असर वैश्विक स्तर के क्रूड ऑयल की कीमतों के कारण पड़ता है। हर शहर में पेट्रोल और डीजल की अलग अलग होती है, क्योंकि इन पर टैक्स और वैट लगाया जाता है। शे निवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर है। चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर है। बेंगलुरु में पेट्रोल 102.84 रुपये और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर है। हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

एसबीआई ने सरकार को दिया 6959 करोड़ का लाभांश

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक एसबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को करीब 6959 करोड़ रुपए का लाभांश और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 857 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। अहम बात यह है कि एसबीआई द्वारा दिया गया लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में करीब 23 फीसदी ज्यादा है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6959.29 करोड़ रुपए का लाभांश चेक निर्मला सीतारमण को सौंपा। एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 13.70 रुपए प्रति शेयर का लाभांश दिया। यह पिछले वर्ष में दिए गए 11.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर लाभांश से अधिक है। बैंक का मुनाफा 2023-24 में रिकॉर्ड 67,085 करोड़ रुपए रहा जो उसके एक साल पहले 55,648 करोड़ रुपए था। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 857 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा। बीओएम के प्रबंध निदेशक निथु सक्सेना और कार्यकारी निदेशक आशीष पांडे ने वित्त मंत्री को चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। बीओएम ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.40 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (14 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया है। पुणे स्थित बैंक में भारत सरकार की 86.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि यह लाभांश भुगतान वित्त वर्ष के दौरान बैंक के प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन को बताता है।

जमाखोरी को रोकने दाल और चने पर स्टॉक सीमा लगी

- तय सीमा से ज्यादा स्टॉक नहीं कर पाएंगे व्यापारी

नई दिल्ली । जमाखोरी को रोकने और उपभोक्ताओं के लिए दालों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने काबुली चना समेत अरहर और चना जैसी दालों पर 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक सीमा लगा दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों पर लागू है। आदेश के अनुसार थोक विक्रेताओं के लिए लागू स्टॉक सीमा 200 मीट्रिक टन, खुदरा विक्रेताओं के लिए पांच मीट्रिक टन, खुदरा दुकानों पर पांच मीट्रिक टन और बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 मीट्रिक टन है। शुक्रवार को प्याज की कीमतों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों से खरीफ प्याज के पैदावार को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। पिछले एक साल में प्याज की औसत खुदरा कीमत में 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

जबलपुर में हो रही है स्टीविया की खेती

- शक्कर से 200 गुना ज्यादा मीठी स्टीविया की पत्तियां

जबलपुर धार । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने डायबिटीज और बीपी के मरीजों के लिए स्टीविया पत्तों उत्पादन के लिए हर्बल प्लांट तैयार किए हैं। इन पत्तियों की मिठास शक्कर से 200 गुना ज्यादा है। डायबिटीज और बीपी के मरीजों को इसको खाने से नुकसान नहीं होता है। इस हर्बल पौधे के माध्यम से तैयार पत्तियों की डिमांड मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के साथ-साथ रूस में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऑर्गेनिक फार्मिंग से तैयार एक क्विंटल स्टीविया पत्तियों की कीमत 20 से 25000 रुपये के बीच मिलती है। वही बिना ऑर्गेनिक फार्मिंग के पौधों की पत्तियों की कीमत प्रति क्विंटल 8 से 10000 रुपये मिलती है। इन पत्तियों से जो पाउडर तैयार होता है। वह 400 से 450 रुपए प्रति किलो में आसानी से बिक रहा है।1 किलो पत्ती में 20 किलो शक्कर की मिठास होती है।स्टीविया पत्तियों में कैलोरी की मात्रा शून्य होती है। जिसके कारण डायबिटीज और बीपी के मरीज इसे आसानी से उपयोग में ला सकते है। रूस की एक कंपनी ने 60 टन पत्तियों की डिमांड भेजी है। जिसे जनवरी माह तक भेजा जाना है। इसके लिए 25 एकड़ से अधिक जमीन पर इसकी खेती की जा रही है।शक्कर के सबसे बेहतर विकल्प के रूप में स्टीविया की खेती बड़े पैमाने पर शुरू हो इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

पीएफआरडीए पेंशन व्यवस्था आकर्षक बनाने लाएगा नया लाइफ साइकिल फंड

- इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी

नई दिल्ली । पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए युवाओं के बीच नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) को आकर्षक बनाने के लिए न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लाने की योजना बना रहा है। इससे सेवानिवृत्ति तक अंशधारक को एक अच्छा-खासा कोष बनाने में मदद मिलेगी। पीएफआरडीए की इस प्रस्तावित योजना के तहत इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी। इस योजना के अंतर्गत अंशधारक के 45 साल का होने पर इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से यह कटौती शुरू हो जाती है। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा` कि हम अधिक लंबे समय तक इक्विटी शेयर फंड में निवेश आवंटित करने को लेकर जुलाई-सितंबर में न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लेकर आएंगे। उन्होंने अटल पेंशन योजना से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा कि एनपीएस की गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई जाने वाली इस नई योजना के अंतर्गत 45 साल के उम्र से इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से ही यह कटौती शुरू हो जाती है। ऐसा होने पर एनपीएस का विकल्प चुनने वाले लोग लंबे समय तक इक्विटी कोष में अधिक राशि का निवेश कर सकेंगे। इससे दीर्घकाल में पेंशन कोष बढ़ेगा जबकि जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन भी स्थापित होगा। वर्तमान में अभी तीन लाइफ साइकिल (एलसी) कोष हैं। इन्हें एलसी 75, एलसी 50 और एलसी 25 के नाम से जाना जाता है। ये कोष ग्राहकों को निवेश का एक विकल्प प्रदान करते हैं। इसके तहत निवेशक इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की जाने वाली राशि के आवंटन का विकल्प चुनते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी रही

- सेंसक्स 269 अंकों की गिरावट के साथ 77,209 पर बंद
- निफ्टी 65.91 अंक टूटकर 23,501 अंकों पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में नरमी के रुख के बीच स्थानीय बाजार में तेल एवं गैस, पूंजीगत उत्पाद और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली होने से लगातार छह सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला शुक्रवार को थम गया। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में भारी मुनाफावसूली दिखाई दी। हफ्ते भर में बाजार ने जो रिकॉर्ड बनाए थे, उससे बाजार काफी नीचे आ गए। जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सोमवार को ईद के अवसर पर शेयर बाजार रहने से बीता कारोबारी सप्ताह छोटा रहा। बीते कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 226.62 अंकों की बढ़त के साथ 77,244.17 पर खुला और 308 अंक बढ़कर 77,301 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.91 अंकों की बढ़त के साथ 23,544.50 पर खुला और 92 अंक बढ़कर 23,558 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 173.32 अंकों की बढ़त के साथ 77,457.33 पर खुला और 36.45 अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.35 अंक मजबूत होकर 23,579.25 पर खुला और 41.91 अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 97.69 अंक टूटकर 77,254.01 पर खुला और 141.34 अंकों की बढ़त के साथ 77,478.93 के नए हाई पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की गिरावट के साथ 23,483.55 के लेवल पर खुला और 51.00 अंक चढ़कर पहली बार 23,567.00 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बढ़त के बाद ऊपरी स्तरों से बिकवाली दिखी। बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों के टूटने से प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कमजोर पड़ गए। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसल गया।

वहीं निफ्टी 23500 के नीचे आ गया। इससे पहले आईटी शेयरों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजार में बढ़त का सिलसिला बरकरार रहा। शुक्रवार को सेंसक्स 2.25 अंकों की गिरावट के साथ 77,476.68 पर खुला और 269.03 अंकों की गिरावट के साथ 77,209.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी बढ़त गंवाकर महज 31.16 अंकों की तेजी के साथ 23,598.15 पर खुला और 65.91 अंक टूटकर 23,501.10 अंकों पर बंद हुआ।

एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल ने आईपीओ के दस्तावेज किए जमा

नई दिल्ली । एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ बाजार में प्रवेश करने वाला है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 2,500 करोड़ रुपये तक की ऑफर फॉर सेल भी है। ऑफर फॉर सेल के तहत ऑलिव लाइन इन्वेस्टमेंट, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन और केदारा कैपिटल ग्रोथ फंड-3 शेयर बेचेंगे। कंपनी छात्रों को एजुकेशन लोन देने से लेकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन तक को एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर लोन उपलब्ध कराती है। मार्च 2024 तक एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज भारत में एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के मामले में दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी है। कंपनी का एयूएम 31 मार्च, 2022 तक 48,35.6 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 31 मार्च, 2023 तक 8646 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 31 मार्च, 2024 तक 13,303 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का 10वां दौर शुरू

हैदराबाद । केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत कर दी है। नीलामी के इस चरण में 67 कोयला खानों को शामिल किया गया है। ये खदानें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में स्थित हैं। इनमें पूरी तरह और आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के साथ तीन कोकिंग कोल खदानें भी शामिल हैं। नीलामी की शुरुआत के मौके पर रेड्डी ने कोयला आयात घटाने और इसका उत्पादन बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने बिजली उत्पादन में कोयले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे काला सोना बताया। कोयला मंत्री ने कहा कि जीवंत और सुधार-उन्मुख कोयला क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अहम है। इस बीच रेड्डी के गृह-राज्य तेलंगाना के गोदावरी क्षेत्र में स्थित कोयला खदानों को बोली के बगैर ही आवंटित किए जाने की मांग उठी है। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आरक्षण कोटा के तहत गोदावरी क्षेत्र की खदानें सरकारी कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज को नीलामी के बगैर ही आवंटित करने की मांग रखी है। इस पर किशन रेड्डी ने कहा कि वह विक्रमार्क की तरफ से उठाए गए मुद्दे पर गौर करेंगे।

बीमा कंपनियां विज्ञापनों में यूलिप को निवेश की तरह दिखाना बंद करें: इरडा

- नियामक ने गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने को कहा

नई दिल्ली ।

बीमा नियामक इरडा ने यूनिट लिंक्ड पॉलिसीज (यूलिप) को लेकर सख्त रवैया अपनाया है, नियामक ने बीमा कंपे नियों से कहा है की वह यू लिप को` निवेश की तरह दिखाना बंद करें। इसे लेकर बीमा नियामक ने हाल ही में एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यूलिप के विज्ञापनों को लेकर 19 जून को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में इरडा ने विज्ञापनों में यूनिट लिंक्ड या इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट को इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट की तरह दिखाने पर रोक लगा दी है। नियामक ने इसे लेकर विस्तार से गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने के लिए कहा है। नियामक ने बीमा कंपनियों को इसके साथ ही विज्ञापनों में कई चीजों से बचने के लिए कहा है। जैसे कंपनिया ऐसी किसी भी सर्विस का विज्ञापन नहीं कर सकती है, जो बीमा से नहीं जुड़ा है। किसी जनरल इंश्योरेंस प्रोडक्ट के मामले में बीमा कंपनियां पुरानी दरों से रेट या डिस्काउंट को कंपेयर नहीं कर सकती है। स्पष्ट तरीके से जोखिमों की जानकारी दिए बिना बीमा कंपनियां इंश्योरेंस प्रोडक्ट के संभावित फायदों को हाईलाइट नहीं कर सकती है। इसी तरह बीमा कंपनियों को कहा गया है कि वे आंशिक रूप से फायदों के बारे में बताते समय उससे जुड़ी सीमाओं, शर्तों आदि की भी जानकारी दें। बिना ऐसा किए वे सिर्फ आंशिक फायदों के बारे में नहीं बता सकती हैं। बीमा कंपनियां किसी भी इंश्योरेंस प्रोडक्ट के फायदे को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत नहीं कर सकती हैं। कंपनियां किसी प्रतिस्पर्धी की छवि के बारे में अनुचित बातें नहीं कह सकती हैं। इरडा के गाइडलाइंस के बाद बीमा कंपनियां को अब किसी भी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट, इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट या एन्युटी प्रोडक्ट के विज्ञापन में वैरिएबल एन्युटी पे-आउट ऑप्शन के बारे में आसान भाषा में पूरी जानकारी देनी होगी। विज्ञापनों में उन्हें इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न में हो सकने वाले उतार-चढ़ाव की भी जानकारी देनी होगी।

कल्कि 2898 एडी' का ट्रेलर हुआ रिलीज, साल की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म बनी

मुंबई : शुरूआती टीजर को मिली भारी प्रतिक्रिया के बाद, आगामी साइंस-फिक्शन महाकाव्य 'कल्कि 2898 एडी' का बहुप्रतीक्षित रिलीज ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है। जहाँ पहली झलक ने दर्शकों को भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित असाधारण 'कल्कि 2898 एडी' सिनेमाई ब्रह्मांड से परिचित कराया। ट्रेलर में कई नायकों को शानदार अवतारों में दिखाया गया है- मेगास्टार अमिताभ बच्चन 'अश्वत्थामा' के रूप में साहसी स्टंट करते दिखाए गए हैं, उलगनायगन कमल हासन 'खाश्किन' के रूप में एक अपरिचित लेकिन घातक अवतार में और उनके साथ प्रभास 'भैरव' के रूप में दिखाई दे रहे हैं। दीपिका पादुकोण ने इसमें 'सुमति' का किरदार निभाया है, जो गर्भवती होने के दौरान तीव्र चुनौतियों का सामना करती हैं और दिशा पटानी इसमें 'रॉक्सी' के रूप में एक शक्तिशाली उपस्थिति दे रही हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित, यह बहुभाषी, पौराणिक कथाओं से प्रेरित विज्ञान-फाई तमाशा भविष्य पर आधारित है और 27 जून, 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

पेपर लीक से छात्रों में भारी नाराजगी

संजय गोस्वामी

एनटीए और केंद्र को नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कहा कि 0.001 प्रतिशत की लापरवाही से भी पूरी तरह निपटा जाना चाहिए यानी कोई सहनशीलता नहीं।, नीट भारत की मेडिकल और संबद्ध शिक्षा क्षेत्रों के लिए मुख्य प्रवेश परीक्षा है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी हर साल परीक्षा आयोजित करती है। इस संबंध में अगर इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं किया गया तो भविष्य में किसी भी परीक्षा पर भरोसा नहीं रहेगा।

पिछले 15दिनों से देशभर में लाखों युवा उबल रहे हैं। इसके चलते एनटीए (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी में बड़े पैमाने पर धांधली और अनियमितता की आशंकाएं जताई जा रही हैं। भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए हर साल नीट (नीट)-यूजीसी परीक्षा आयोजित की जाती है। सबसे प्रतिष्ठित एनआईटी और एनईई प्रवेश परीक्षा भी एनडीआरएफ द्वारा आयोजित की जाती है। 2019 में एनटीए (एनटीए) के गठन से पहले यह परीक्षा सीबीएसई द्वारा ऐआईपीएमटी के नाम से आयोजित की जाती थी। सीएमई ईटी और पीएमडीएम परीक्षाएं भी अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती थीं। पूरे देश में एक समान परीक्षा आयोजित करने और छात्रों को अलग-अलग परीक्षाओं के लिए आवेदन न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने 2017 में एनटीए (एनटीए) का गठन किया, जिसने 2019 की परीक्षाओं से काम करना शुरू कर दिया सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश शुल्क लगभग 1 लाख रुपये है।, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों में यह प्रवेश शुल्क लगभग 25 -50 लाख रुपये है। इसलिए मध्यम वर्ग के परिवार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एनटीए(एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी से सीधे अध्ययन कर सकते हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 23.81 लाख छात्र उपस्थित हुए थे। यह भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 9 मार्च, 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 16 मार्च, 2024 कर दिया गया। दुख की बात है कि इसे लगभग 15 महीने के लिए बढ़ा दिया गया और आवेदन पत्र भी 9-10 मार्च को लिया गया। इस तरह के अध्ययन किए गए लेकिन इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। परीक्षा में आवेदकों की संख्या लगभग 24000 थी। क्या यह अध्ययन किसी विशेष वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था? यह उम्मीद की जाती है कि कुछ उम्मीदवारों को अनुचित तरीकों से उसी परीक्षा में अनुचित लाभ दिया गया था। परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी और उसी दिन पडाना से पेपर लीक होने की खबर आई। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून 2024 को घोषित होना था, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में इसे 4 जून 2024 को घोषित किया गया। यह महज संयोग नहीं है कि 4 जून को ही भारत लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने थे और उसी दिन परिणाम घोषित किए गए। पूरे मीडिया का इस पर ध्यान केंद्रित होना स्वाभाविक था। शायद ऐसा इसलिए किया गया था ताकि उस दिन परिणाम घोषित होने से जो भी गड़बड़ हो, उस पर कोई ध्यान न दे। जब परिणाम घोषित हुआ, तो देखा गया कि 67 छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की। पिछले वर्षों में, दो या तीन छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की है। इन 67 छात्रों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए। घोषित परिणामों के अनुसार, 718 और 719 अंक भी छात्रों ने प्राप्त किए, जो परीक्षा की

योजना के अनुसार असंभव था। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं और गलत उत्तर के लिए भी एक अंक जब्त कर लिया जाता है यदि कोई व्यक्ति सभी 180 प्रश्नों के सही उत्तर देता है तो उसे 720 अंक मिलते हैं और यदि उनमें से एक भी गलत है तो उसे 715 अंक मिलते हैं। यदि कोई व्यक्ति एक भी प्रश्न का गलत उत्तर देता है तो उसे 716 अंक मिलते हैं। किसी भी स्थिति में 718 और 719 उपलब्ध नहीं थे। जब इस संबंध में काफी हो-हल्ला मचा तो एनडीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऐसे छात्रों को सॉलिड मार्जिन दिया गया था। बाद में बताया गया कि केवल 1563 छात्रों को परीक्षा में समय पर अंक दिलाने के लिए सॉलिड मार्जिन दिया गया था। गौरतलब है कि स्लीपर परीक्षा में सॉलिड मार्जिन देने का कोई प्रावधान नहीं है। सॉलिड अंक देने का उल्टा असर क्यों हुआ, इसे समझने के लिए एक उदाहरण देना उचित होगा। 720 में से 720 अंक पाने वाले 67 छात्रों में से सॉलिड मार्क्स जोड़ने के बाद यह 720 अंक हो गए और फाइनल रिजल्ट आ गया। मजे की बात यह है कि छात्र ने सभी सवालों के जवाब दिए थे, जिससे यह साफ है कि सुनवाई के समय उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उस दिन छात्र अपनी बात पर अड़ा रहा लेकिन कोर्ट में सुनवाई के दौरान उसने खुद कहा कि उसे सॉलिड मार्क्स दिए जाएंगे। इन 1563 छात्रों के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा होगी, जिसमें बैठने और बैठने का निर्धारण होगा। 30 जून को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। इसके बाद दोबारा रैंकिंग घोषित की जाएगी। जो परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते, उनके मूल अंक माने जाएंगे। यह समाधान सिर्फ 1563 छात्रों को दिया गया, जबकि हकीकत में देश में कई ऐसे संस्थान थे, जहां समय पर पढ़ाई होती थी, लेकिन वहां पर भी काफी देर बाद परीक्षाएं होती थीं, जो सही भी था। इससे ज्यादातर लोग असंतुष्ट हैं और इसीलिए उनका आंदोलन और आंदोलन जारी है। यहां दो-तीन अन्य विसंगतियों का जिक्र करना उचित होगा। गुजरात में, गोवा में एक परीक्षा संस्थान था धरा, जलाराम स्कूल। इस स्कूल और हॉल में 30 छात्र बैठे थे। यहां से परीक्षा देने वाले छात्र झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा आदि से थे। इन छात्रों से एजेंटों ने 10-10 लाख रुपये वसूले और अधिक उत्तर दिलाने का वादा किया गया था। यहां परीक्षा सीसीडीवी की देखरेख में हुई लेकिन परीक्षा के बाद शिक्षकों की मदद से यह किया जाना था कि सभी ओएमआर शीट अलग से ली जाएं और पढ़ने से पहले उनमें सभी सही उत्तर भरे जाएं। यह उम्मीदवारों के साथ किया गया और उन्हें अपनी ओएमआर शीट खाली छोड़नी थी। अगर वह अपने प्रयास में सफल हो जाते तो तमाम प्रयासों के साथ यह केंद्र नष्ट हो सकता था। यह जिला प्रशासन की सतर्कता और तत्परता थी कि उन्होंने समय रहते इस पर कार्रवाई की और स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। वहां से और शिक्षकों से 7.60 लाख रुपये बरामद परीक्षा से एक रात पहले 20-20 लाख रुपये देने वाले छात्रों को प्रश्न पत्र बता दिए गए और उनके उत्तर भी रद्द कर दिए गए ताकि वे अगले दिन परीक्षा में सभी प्रश्नों के सही उत्तर दे सकें। यही कारण है कि वे टॉपर बन गए। अनियमितताओं, मिलीभगत, पेपर लीक आदि के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरी परीक्षा को ढोंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कहावत है कि दाल में काला होता है, लेकिन नीट की इस परीक्षा में तो ऐसा लगता है कि पूरी दाल ही काला है। जब पूरी दाल ही काला हो तो उसे पैसे देना ही एकमात्र उपाय है। यही बात नीट की इस परीक्षा में भी लागू होती है। अध्यक्ष महोदय, खासकर प्रधानमंत्री को इस महत्वपूर्ण मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। पूरी नीट की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए और दोबारा नीट की परीक्षा करानी चाहिए। और सभी यूनिवर्सिटी प्रोफेसरों को बर्खास्त कर उनकी जांच सीबीआई से करानी चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए। विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले की जांच बिहार की आर्थिक अपराध इकाई कर रही है. मामले में पटना से चार अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं पूछताछ के लिए 9 अभ्यर्थियों को 18 और 19 जून को बुलाया गया है. इनमें 7 लड़कियां भी शामिल हैं. नीट यूजी परीक्षा का आयोजन 5 मई को किया गया था. रिजल्ट 4 जून को घोषित किया गया था. तब से नीट यूजी परीक्षा को लेकर बवाल चल रहा है. बिहार आर्थिक अपराध इकाई को जांच में अब तक पेपर लीक के कई सुबत मिले हैं. इकाई के अनुसार नीट यूजी परीक्षा से एक दिन पहले 4 मई को अभ्यर्थियों को पटना एयरपोर्ट के सामने स्थित ठलअ गेस्ट हाउस में कई अभ्यर्थियों को पेपर मिल गए थे. मामले में गिरफ्तार अभ्यर्थी अनुसार भी इसी गेस्ट हाउस में रुका था.जांच में यह भी सामने आया कि अभ्यर्थियों को गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 404 में 4 मई को रोका गया था. इकाई ने करीब 35 अभ्यर्थियों को एग्जाम से पहले पेपर मिले की आशंका जताई है. वहीं पेपर के बदले 30-30 लाख रुपए देने की बात भी सामने आई है.जांच के दौरान पटना में एक किराए के मकान से विभिन्न बैंको के दर्जन भर एडीएम कार्ड और पासबुक भी जब्त किए गए हैं. अब तक बिहार से 13 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है.जिन अभ्यर्थियों को पटना से गिरफ्तार किया गया है. उनमें अनुराग यादव को 185 नंबर, आयुष राज को 300 नंबर, अभिषेक को 581 नंबर और शिवनंदन कुमार 483 नीट यूजी परीक्षा में मिले हैं. वहीं रिजल्ट जारी होने के बाद परीक्षा में अभ्यर्थियों ने कहा था कि एग्जाम में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है.9 अभ्यर्थियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है. वे सभी कैंडिडेट यूपी, बिहार और महाराष्ट्र के हैं. सन्नी, नागवाड़े, प्रिंस, अलीशा, प्रवीण, अमित कुमार को पेपर लीक मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है.वह भी एक बड़ा सवाल है कि इस मामले के कारण सभी परीक्षाओं और स्कूलों की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है। लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में है। अगर पैसे देकर कोई डॉक्टर बन जाएगा और प्रतिभाशाली छात्र प्रवेश से वंचित रह जाएंगे तो उस देश का भविष्य क्या होगा? वे प्रतिभाशाली छात्र, उनके गरीब माता-पिता, किसी तरह अपना खेत और जमीन गिरवी रखकर, अपनी मां के गहने बेचकर, अपने बच्चों और अपने परिवार का पालन-पोषण करके किसी तरह गुजारा करते हैं और इस प्रक्रिया में वे अपनी बेटी के लिए दो लाख रुपये जुटा पाते हैं। जब वे कई वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद इस उम्मीद से इस परीक्षा में बैठते हैं कि वे अधिक अंक लाएंगे और चिकित्सा विज्ञान में प्रवेश पा लेंगे, तो भारतीय तत्वों और पूरी व्यवस्था के प्रयासों के कारण वे निवेश से वंचित रह जाते हैं और अन्य लोग केवल पैसे के आधार पर चिकित्सा विज्ञान में प्रवेश पा लेते हैं, तो यह सबसे बड़ी विडंबना है।

संपादकीय

तार्किक हो कोटा

पटना हाई कोर्ट ने 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए गए राज्य सरकार के आरक्षण को रद्द कर दिया है। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार को तगड़ा झटका माना जा रहा है। यह दलितों, पिछड़े वर्गों व आदिवासियों को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में दिया जा रहा था। बिहार की तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा बीते साल नवम्बर में जाति गणना के आधार पर इन वर्गों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने का कानून बनाया गया था। अदालत ने विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के बाद इस बढ़ी आरक्षण सीमा को संविधान के अनुच्छेद 14, 16 व 20 का उल्लंघन बताया। जैसा कि शीर्ष अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि कोई भी राज्य सरकार 50 प्रतिशत की तय सीमा से अधिक कोटा नहीं लागू कर सकती है, जबकि बिहार में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए 10 फीसद मिलाकर यह आरक्षण 75 प्रतिशत पहुंच गया था। अदालत का मानना है कि बिहार में कुल जनसंख्या के केवल 1.57 प्रतिशत लोग ही सरकारी नौकरियों में हैं। जनसंख्या के अनुपात में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व भी पर्याप्त बताया जा रहा है। हालांकि राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। दरअसल, जैसा नजर आता है कि आरक्षण अब राजनीतिक पार्टियों के लिए जनता को फुसलाने का साधन मात्र रह गया है। उनका ध्येय समाज में व्याप्त गैर-बराबरी को मिटाना नहीं रहा। वे मतदाताओं को बड़ी तादाद में प्रभावित करने के उद्देश्य से व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करते नजर आते हैं। तमाम अगड़ी जातियां मानती हैं कि आरक्षण के चलते नौकरियों क लाले पड़ रहे हैं। वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के प्रभावित होने का रोना भी रोती रहती हैं, परंतु यह भी गलत नहीं है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था में विभिन्न जातियों/समुदायों को जबरदस्त अन्याय सहना पड़ा है। उनके लिए कोटा तय कर, उन्हें सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक तौर पर बराबरी पर लाने के प्रयासों पर अड़चनें लाने उचित नहीं है। वुं तो अन्य राज्यों में भी सत्ताधारी दल लाभ के लोभ में कोटा बढ़ाते रहने को उतावले हो सकते हैं। इसलिए, बिना देरी किए, इस पर लगाम लगाना लाजमी है।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो

चीन के खिलाफ आक्रामक विदेश नीति जरूरी

'शठे शाठ्यं समाचरेत्' अर्थात दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार करना चाहिए। यह नीति भारत को अपने पड़ोसी व साम्राज्यवादी देश चीन के बारे में अपनानी चाहिए। चीन कभी भारत का विश्वसनीय पड़ोसी नहीं रहा है। नेहरू काल के दौरान चीन 'हिंदी चीनी भाई भाई' का नारा देकर 1962 में भारत के साथ विश्वासघात भला कौन भूल सकता है। भारत की सीमा पर घुसपैठ अथवा जमीन पर कब्जा करना चीन की फितरत में रहा है। भारत को लगातार चेतावनी के बावजूद वह एलएसी का न केवल उल्लंघन करता रहा है बल्कि अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता रहा है। इसके लिए उसने साम, दाम, दंड, भेद की नीति का पालन किया। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में हाल ही में रियासी में श्रद्धालुओं की बस पर हमला किया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में लगातार हमले बढ़े हैं। इसके पीछे भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इन हमलों में पाकिस्तान और चीन की संयुक्त साजिश नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 4 से 8 जून के बीच कई दौर की लंबी-लंबी बैठकें की थीं। इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने कश्मीर पर चर्चा की। दोनों की मुलाकात के बाद ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले भी बढ़े हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को इसमें पाकिस्तान और चीन की साजिश दिख रही है।

भारत ने लगभग 60 हजार राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को इस्टर्न लद्दाख में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया है। एलएसी पर भारतीय सेना की भारी संख्या में तैनाती से चीन बौखलाया जरूर है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सेना का ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी वारदात बढ़ाई जा रही है। हालांकि भारत के कड़े रुख के चलते चीन अपनी मंशा में सफल नहीं हो पाया, लेकिन इसी वर्ष जिस तरीके से उसने अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए इस राज्य में एलएसी के पास 30 स्थानों के नाम बदल दिए, वह अत्यंत चिंताजनक है। भारत ने भी उस पर जवाबी कार्यवाही करते हुए तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलने की तैयारी कर ली है। भारत इन नामों कभी भी सूची जारी कर सकता है।

भारत का मानना है कि ऐसा करने से चीन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सकेगा। सवाल यह है कि क्या ऐसा करने से चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार जताना बंद कर देगा? क्या जो वह भारतीय सीमा पर लगातार घुसपैठ करता है, उसे बंद कर देगा? शायद चीन को इससे बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ेगा। अगर चीन को सही मायने में जवाब देना है तो तिब्बत के महज नाम बदलने से बात नहीं बनेगी। उसको अधिक आक्रामक तरीके से जवाब देना पड़ेगा। चीन इससे पहले भी ऐसे ही नाम बदलने का काम वर्ष 2017, 2021 और 2023 में कर चुका है । भारत ने पहले भी इसका विरोध किया और यह कहता रहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इसके लिए भारत को और अधिक सख्त कदम उठाना चाहिए। अब केंद्र में एक बार फिर मोदी के नेतृत्व में सरकार है और अरुणाचल प्रदेश में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बन चुकी है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति को अधिक आक्रामक बनाने की आवश्यकता है।

वास्तविकता यह है कि तिब्बत को चीन अपने देश का हिस्सा मानता है। चीन अपने मैप में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहता है। यह बात सही है कि अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण करने के मामले में अपना रुख बदलने को तैयार है। लेकिन अब भारत सरकार को आगे बढ़ते हुए चीन को ठीक तरह से जवाब देना चाहिए। जिस तरह से चीन अरुणाचल को अपने देश का हिस्सा मानता है, भारत को तिब्बत को एक आटोनॉमस देश का दर्जा देना चाहिए। चीन अरुणाचल के निवासियों को स्पेशल वीजा स्टैपिल्ड के नाम से देता है, भारत को भी तिब्बत के निवासियों के लिए कुछ विशेष वीजा जारी करना चाहिए। इसके अलावा भारत को चीन की इमेज को हर अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर आक्रमणकारी और साम्राज्यवादी देश के तौर पर रेखांकित करना चाहिए। चीन के लिए ह्यशठे शाठ्यं समाचरेद्ध की नीति ही उपयुक्त नीति है।

-डॉ. अनिल कुमार निगम, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

भारतीय रेलः मंत्री जी कृपया ध्यान दें

रजनीश कपूर

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी ना कभी रेल यात्रा न की हो। रेलवे स्टेशन पर सुनाई देने वाली घोषणा की शुरू आत 'यात्रीगण कृपया ध्यान दें' से ही होती है। इसका उद्देश्य सभी मौजूद यात्रियों का ध्यान आकर्षित करना होता है। यह तो हुई एक साधारण बात। परंतु बीते कुछ वर्षों में हो रहे रेल हादसों के बाद से अब इस घोषणा का सीधा संबंध भारतीय रेल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े मंत्रियों और अफसरों से है। बढ़ते हुए रेल हादसों के चलते अब भी अगर संबंधित मंत्री और अधिकारी नहीं जागेंगे तो कब जागेंगे?

देश की जीवन रेखा माने जाने वाली भारतीय रेल हर खास-ओ-आम आदमी के लिए देश के किसी भी कोने से दूसरे कोने तक यात्रा करने का सस्ता और भरोसेमंद साधन है। हर यात्री को इस बात का भरोसा होता था कि देर-सेवर वो अपने गंतव्य तक पहुंच ही जाएगा। ज्यों-ज्यों देश की आबादी बढ़ी सरकार ने रेल यात्रा में उचित सुधार भी किए। आज भारत में रेलवे की कुल लंबाई 1,15,000 किलोमीटर है। भारतीय रेल रोजाना करीब 2 करोड़ 31 लाख यात्रियों और 33 लाख टन माल को ढोती है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों

के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। भारतीय रेल के कार्यचालन केविभिन्न पहलुओं की देखभाल करने के लिए इसने 11 सरकारी क्षेत्र के उपक्रम भी स्थापित किए। भारत जैसे देश के लिए इतने बड़े स्तर पर यात्रा का साधन मुहैया कराने वाली भारतीय रेल पर देश को गर्व है, परंतु हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। बीते कुछ वर्षों में रेल मंत्रालय द्वारा कई ट्रेनों में जो बदलाव किए गए हैं। वह एक ओर जहां यात्रियों द्वारा बधाई प्राप्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पूरे सिस्टम में फैली अव्यवस्था को लेकर भारी विरोध भी झेल रहे हैं। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से रेल मंत्रालय ने अनेकों आधुनिक गाड़ियां भी चलाइ। जैसे-जैसे रेल यात्रा में सुविधा बढ़ी वैसे-वैसे किराये में भी वृद्धि हुई। उल्लेखनीय है कि जिस कदर रेल के किरायों में वृद्धि हुई है उसमें यात्रा केवल वही लोग कर पा रहे हैं जो उस बढ़े हुए किराए का वहन कर सकते हैं। आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिए कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ़ने पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाड़ियों में भी बढ़ोतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा हुआ कि आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि ट्रेन में सफर करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं। इससे आरक्षित टिकट प्राप्त कर यात्रा करने वालों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्या रेल मंत्रालय के अधिकारियों इस बात की जानकारी नहीं थी कि देश में बढ़ती हुई आबादी के चलते आवागमन में भी वृद्धि होगी? क्या जिन यात्रियों की टिकट कन्फर्म नहीं हुई और उन्हें उनके किराए की राशि वापिस की गई, इसकी संख्या में होती वृद्धि पर किसी का ध्यान नहीं गया? क्या जिन साधारण श्रेणी के डिब्बों को उच्च श्रेणी में तब्दील किया जाना उचित था? क्या उच्च श्रेणी की आधुनिक ट्रेनों को चलाने के लिए साधारण श्रेणी की ट्रेनों को रद्द करना उचित था? यदि समय रहते सही निर्णय लिया गया होता तो रेल में भीड़ के चिंताजनक दृश्य सामने नहीं आते।

एक ओर जहां किसी नई और आधुनिक रेल के उद्घाटन के समय जिस कदर मंत्री और अफसर ब्रेय लेने के लिए आगे आते हैं, वह रेल में हो रही लापरवाहियों का जिम्मा लेने से बचते नजर आते हैं। आंकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं। इनमें सैकड़ों लोगों की जानें गई, हजारों की तादाद में लोग घायल हुए और करोड़ों की संपत्ति का भी नुकसान हुआ, परंतु इन हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया। यहां एक तथ्य का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि सीएजी की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में 20 हजार करोड़ रु पये आने थे, जिसमें 15 हजार करोड़ केंद्र सरकार द्वारा दिये जाते और 5 हजार करोड़ रेल मंत्रालय देता, परंतु चार साल बाद मात्र 4225 करोड़ ही आए और इन्हें भी गैर जरूरी मदों पर खर्च किया गया रेलवे सुरक्षा पर नहीं। सोचने वाली बात यह है कि अधिकतर दुर्घटनाओं में मानवीय त्रुटि बताई जाती है। रेल मंत्री द्वारा संसद में दिए गए उत्तर के मुताबिक रेलवे में 3.12 लाख रिक्त पद पड़े हैं। गौरतलब है कि ट्रेन चलाने वाले लोको पायलट के 70093 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 21 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इसी के चलते मौजूदा लोकोपायलटों को लंबे समय तक ड्यूटी पर रहना पड़ता है। थकान और नींद के चलते ऐसे हादसे होना स्वाभाविक है, परंतु क्या देश में बढ़ती बेरोजगारी के चलते सरकार को इस ओर ध्यान नहीं देना चाहिए था?

मालिक , प्रकाशक और मुद्रक, सरवर जमाल ने आर० डी० प्रिंटस एण्ड पब्लीशर प्रा०लि० प्लाट नं०- 16-17 पाटलिपुत्रा इन्डस्टीयल एरिया रोड नं०-9 पटना - 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी ब्लाक रंजित रेसीडेन्सीज, साकेत पुरी, मछली गली, राजा बजार पटना पिन- 800014 से प्रकाशित किया। सम्पादकः शबाना प्रविन * पी.आर.बी.एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेवार। PRGI NO - BIHHIN/2023/86924,E-mail:newsindogulf 730@gmail.com Mob--9472871824/8544031786 मैनेजिंग एडिटर : डा0 राजिव कुमार, सब एडिटर : डा0 नुतन कुमारी

मैं कभी सही-गलत के दबाव में नहीं रही

छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरुआत करने वाली मोना सिंह आज करियर के बीस साल बाद अपने मनचाहे किरदारों के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी में भी खुश हैं।

चालीस के पार आज आप दमदार भूमिकाओं में नजर आ रही हैं। 39 साल में आप शादी के बंधन में बंधीं। अपनी जिंदगी को अपने हिसाब से जीने पर आपको गर्व जरूर होता होगा?

सच तो ये है कि मैंने कभी भी सोसायटी का प्रेशर नहीं लिया। मेरे साथ मेरे पैरेंट्स हमेशा सपोर्टिव रहे। जब मेरी शादी नहीं हुई थी, तब लोग लगातार पूछा करते थे, कब शादी कर रही हो? मगर मैं कभी इस दबाव में नहीं आई की क्या सही है और क्या गलत? मैं अपनी जिंदगी जीती गई। मैंने अपनी गलतियों से खुद सीखा। मेरी चुनौतियां, रिस्क सभी कुछ मेरा अपना था। किसी ने मुझे गाइड नहीं किया। मेरे करियर की बात करूं तो आज ओटीटी ही नहीं बल्कि फिल्मों में भी एक ऐसा दौर आ गया है, जहां औरतों को सिर्फ फिलर्स के लिए कास्ट नहीं किया जा रहा कि यहां पर डांस घुसा दो या यहां पर इसे ग्लैमर ऐड करने के लिए रख दो। अब महिलाओं को अनगिनत रंग मिल रहे हैं निभाने के लिए। वो सिर्फ पॉजिटिव या नेगेटिव नहीं है।

आप तो एक बेहद मजबूत महिला हैं, मगर आम तौर पर आपको औरतों से जुड़ी किन बातों पर आपत्ति होती है?

मुझे सबसे ज्यादा आपत्ति इस बात पर होती है कि औरतों को हमेशा कहा जाता है कि क्या करो, क्या न करो। कहां जाओ, किससे शादी करो, कहां काम करो, सबकुछ बोलते जाता है। ये समझना बहुत जरूरी है कि ये हमारी जिंदगी है, हमें जीने दो। हमें अपनी गलतियां करने दो। हमारे पंख मत काटो। हमें उड़ने दो। अब आप ही देखिए, हम एयरक्राफ्ट्स भी उड़ा पा रही हैं। हम औरतें हर तरह से सक्षम हैं।

टीवी से शुरुआत करके आप फिल्मों और ओटीटी पर भी लगातार सक्रिय हैं। आपको सबसे ज्यादा मजा कहां आता है?

मुझे सबसे ज्यादा अभिनय पसंद है, अब वो माध्यम जो भी हो। एक एक्टर का ड्रीम होता है अलग-अलग रोल करना और मैं अपना वो ड्रीम जी रही हूं। मैं सालों पहले मुंबई आई ही इसलिए थी कि रोजाना एक्शन, कट सुन पाऊं। मेरे लिए माध्यम कभी ऐसा रहा ही नहीं कि मैं सिर्फ टीवी या ओटीटी अथवा फिल्म ही करूंगी। मेरी शुरुआत छोटे पर्दे से हुई थी। उसके बाद मैंने ब्रेक ले लिया था, क्योंकि मैं टीवी पर सब कुछ कर चुकी थी। मैंने रंगमंच में भी काम किया। फिर ओटीटी आ गया। मैं ओटीटी की शुक्रगुजार हूं कि मुझे इस प्लैटफॉर्म में इतने दमदार किरदार निभा पा रही हूं। मूवीज मिल रही हैं। मुझे 20 साल हो गए हैं इंडस्ट्री में, तो अब मैं एक्सपेरिमेंट कर रही हूं।

आपकी फिल्म मुंज्या सुपर नेचुरल पर आधारित है। क्या आप भूत-प्रेत में यकीन करती हैं?

मुझे लगता,है जो हॉरर या डर होता है, वो आपके दिमाग में होता है। हालांकि मैं हॉरर फिल्मों से बहुत ज्यादा डरती हूं। मुझे याद है, हम जब छोटे थे और बचपन खेलने जाते थे, तो सात बजे तक हमारी सीढ़ियों की लाइट नहीं जलाई जाती थी। खेलकूद कर मुझे जब सीढ़ियों से अपने घर जाना होता था, तब हमेशा यही लगता था कि कोई मेरे पीछे आ रहा है। उस वक्त मैं डर को भगाने के लिए वाहे गुरु वाहे गुरु का नाम जप कर सीढ़ियां भागते हुए चढ़ा करती थी। अभी भी मैं हॉरर फिल्मों से बहुत डरती हूं। हमेशा इमेजिन करना शुरू कर देती हूं कि बेड के नीचे कोई है। परदे के पीछे कोई है। फिल्म की शूटिंग में तो हमने बहुत मजे किए। हम अपने सीजीआई (कंप्यूटर से बनाए गए) एक्टर को हर जगह इमेजिन कर रहे थे। मुझ जैसे दर्शक के लिए ये फिल्म इसलिए भी सही है कि इसमें हॉरर और कॉमिडी का अच्छा मिश्रण है। वरना मुझ जैसे लोग तो सिर्फ हॉरर देखने जाएं ही नहीं।

मेरे खिलाफ नफरत बहुत बढ़ गई है, लेकिन अब ज्यादा फर्क नहीं पड़ता

संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में आलमजेब का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस शर्मिन सहगल को बहुत ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- मुझे केवल इतना पता है कि मैंने आलमजेब के किरदार में बहुत मेहनत की थी। बाकी पसंद करना न करना दर्शकों के ऊपर है। लेकिन मुझे लगता है कि मेरे खिलाफ नफरत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। हालांकि मेरे साथ मेरा सपोर्ट सिस्टम है, जो हमेशा मेरे साथ खड़ा है। इसलिए मुझे किसी चीज से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। मीना कुमारी पर दिए बयान को लेकर शर्मिन का कहना है कि लोगों ने उनकी बात को गलत तरीके से लिया है। उन्होंने कभी अपनी तुलना मीना कुमारी से नहीं की। मेरे शब्दों का गलत मतलब निकाला गया है। मैंने ये बिल्कुल नहीं कहा था कि उनकी एक्टिंग में एक्ट नहीं होते थे।

शर्मिन ने संजीदा को आउटसाइडर बताया था

एक इंटरव्यू के दौरान संजीदा शेख से पूछा गया था कि संजय लीला भंसाली के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा? संजीदा ने कहा वो परफेक्शनिस्ट हैं। वो बहुत ज्यादा क्रिएटिव हैं। वो चाहते हैं कि कोई भी सीन साधारण न दिखे, वो जो भी करते हैं वो एक्सीलेंस से कम नहीं है। उनके शानदार क्रिएटिव दिमाग, आर्ट के लिए शार्प एडवोकेसी और ईमानदारी के लिए दुनिया भर में उनका सम्मान किया जाता है। इस पर शर्मिन ने संजीदा की बात को काटते हुए कहा था कि परफेक्शनिस्ट, भंसाली के बारे में बताने के लिए एक बेहद ही बेसिक सा वर्ड है। ये ऐसा शब्द है जिसका यूज एक आउटसाइडर इंसान ही कर सकता है, जिसने कभी उनके साथ काम नहीं किया या कभी सेट पर उनके डायरेक्शन को नहीं देखा। मुझे लगता है उनका काम इससे बहुत ज्यादा है। शर्मिन का बयान नेटिजन्स को पसंद नहीं आया। उनको एक्ट्रेस का ये रवैया सही नहीं लगा। यूजर्स का दावा है कि शर्मिन ने संजीदा को टोकते हुए उन्हें 'आउटसाइडर' कहा था।

पश्मिना ने बॉलीवुड में देर से डेब्यू करने की बताई वजह

ऋतिक रोशन की बहन पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने एक साक्षात्कार में ऋतिक से मिली सलाह के बारे में साझा किया। अभिनेत्री यह भी बताया कि उन्होंने इतनी देर से फिल्मों में क्यों डेब्यू किया? अभिनेता ऋतिक रोशन की बहन और म्यूजिक डायरेक्टर राजेश रोशन की बेटी पश्मिना रोशन 'इश्क विश्क रिबाउंड' से बॉलीवुड में डेब्यू करने को तैयार है। इस फिल्म में वह फीमेल लीड रोल में नजर आएंगी। उनके साथ अभिनेता रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिका में दिखेंगे। यह रोमांटिक ड्रामा फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस बीच पश्मिना ने एक साक्षात्कार में ऋतिक रोशन से मिली सलाह के बारे में साझा किया।

ऋतिक से मिली ये सलाह

साक्षात्कार के दौरान पश्मिना से जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें उनके भाई ऋतिक और चाचा राकेश रोशन से कोई सलाह मिली है। इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा, बिल्कुल, मुझे एक कलाकार के रूप में कैसे सुधार करना है और जीवन में कैसे खुद को बेहतर बनाना है, इसके लिए मुझे उनसे सलाह मिली है। एक फिल्म या एक फिल्म निर्माता को एक चरित्र की आवश्यकता होती है। इससे कम पर समझौता नहीं किया जा सकता। असली खेल तो अब शुरू हो रहा है। मैं शुक्रवार को 'इश्क विश्क रिबाउंड' से डेब्यू कर रही हूं। इस फिल्म के बाद मुझे एक फॉलोअर की तरह और काम ढूंढना होगा।

इसलिए देर से किया डेब्यू

अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने इतनी देर से क्यों डेब्यू किया, तो उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में होना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। मुझे कैमरे के सामने तैयार रहना पड़ता था। अभिनेत्री ने कहा, 'मैं अपने अभिनय और डांसिंग स्किल पर काम कर रही थी। यह केवल एक महीने का सफर नहीं है, इसमें लंबा समय लगता है। इसे बेहतर बनने में समय लगेगा।'

'इश्क विश्क रिबाउंड' के बारे में

'इश्क विश्क रिबाउंड' की घोषणा के बाद से ही यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है। बता दें कि शाहिद कपूर की 'इश्क विश्क' दो दशक पहले अप्रैल 2003 में रिलीज हुई थी। फिल्म में प्रेम और मित्रता के बीच घटित होने वाली चीजों को उजागर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी शुरुआत पश्मिना के किरदार के जिब्रान को डेट करने से होती है। वहीं, रोहित का किरदार नैला ग्रेवाल के साथ रोमांस करते हुए दिखेगा।

काम करने का तरीका बदल गया है, हमें स्टैंड लेना चाहिए

काई पो चे, सुल्तान और गोल्ड जैसी कई फिल्मों में काम कर चुके एक्टर अमित साध ने बॉलीवुड पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अच्छे रोल करने के बावजूद उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

बॉलीवुड में काम करने का तरीका एकदम बदल गया है। जिसकी वजह से वो काफी दुखी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमित साध ने कहा- बॉलीवुड में जो हो रहा है, वह दुखद है। अच्छे काम करने के बाद भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। हमें एक दूसरे के लिए खड़े होने की जरूरत है। अगर किसी के साथ कुछ गलत हो रहा है तो मुझे लगता है कि स्टैंड लेना चाहिए। लेकिन लोग एक दूसरे की आलोचना करते हैं। अमित साध ने कहा- अगर कोई अच्छा काम नहीं कर रहा है तो उसके काम की आलोचना करना एक सही तरीका होना चाहिए। चाहे वह उसके करियर की डेब्यू फिल्म हो या फिर पांचवी। मैं अपनी एक्टिंग की आलोचना न किए जाने के लिए आभारी हूं। मुझे हमेशा बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्टर ने यूट्यूब पर अपना बाइकिंग और ट्रैवल रिलेटेड शो शुरू किया है। इससे पहले वो पिछले मोटरसाइकिल से भारत भ्रमण पर निकले थे। मुंबई से शुरू हुई उनकी यात्रा लेह लद्दाख पर पहुंचकर पूरी हुई थी। अमित साध कहते हैं कि यात्रा करना उनको बहुत अच्छा लगता है। मोटरसाइकिल उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है। अमित आखिरी बार शिल्पा शेट्टी की फिल्म 'सुखी' में नजर आए थे।

मेघना की अगली फिल्म में करीना के साथ नजर आएंगे आयुष्मान

हिन्दी सिनेमा को तलवार, छपाक, राजी और सैम बहादुर सरीखी फिल्में देने वाली निर्देशिका मेघना गुलजार एक बार फिर से दर्शकों के सामने वास्तविक घटना पर फिल्म देने की तैयारी में हैं। मेघना की यह फिल्म 2019 में पेशे से जानवरों की डॉक्टर की जिन्दगी पर आधारित है, जिसका चार लोगों ने मदद करने के बहाने से गैंग रेप किया और सबूत मिटाने के नाम पर उसे जलाकर मार डाला। उनकी इस फिल्म में पहली बार करीना कपूर और आयुष्मान खुराना एक साथ काम करते नजर आएंगे। मेघना गुलजार की इस फिल्म का नाम दायरा रखा गया है। लंबे समय से मेघना फिल्म की रिसर्च पर काम कर रही थीं। वो इस फिल्म की सही मायनों में पेश करना चाहती हैं जिससे कोई विवाद न हो। इसलिए लंबा समय लेने के बाद अब करीना और आयुष्मान के साथ फिल्म की शूटिंग के लिए तैयार हैं। 2019 हैदराबाद रेप केस ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। मामला 27 नवंबर 2019 का है। एक 26 साल की जानवरों की डॉक्टर से रेप किया गया और फिर निर्मम तरह से उसे मार कर जला दिया गया। अगले दिन पुलिस को युवती का अध जला हुआ शरीर चटनपल्ली पुल के नीचे मिला।

पापा नवाजुद्दीन के नक्शेकदम पर चलने को तैयार शोरा सिद्दीकी

अक्सर स्टारकिड्स अपने माता-पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए फिल्मी दुनिया में पहचान बनाते हैं। तमाम उदाहरण इंडस्ट्री में हैं। अब अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेटी शोरा भी अपने पिता की तरह अभिनय की दुनिया में जादू बिखरने की तैयारी में हैं। स्टारकिड्स जब एक्टिंग की दुनिया में आते हैं तो नेपोटिज्म पर भी बहस होती है। बेटी को लेकर नवाज ने बताया है कि शोरा ने स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी से जुड़ने की पहल की है। इसके अलावा इंडस्ट्री में अपना भविष्य बनाने के लिए शोरा वर्ल्ड सिनेमा को भी एक्सप्लोर कर रही है। यहां तक कि उन्होंने पिता की मदद लेने से साफ इनकार कर दिया है। नवाजुद्दीन ने फिल्म कंपैनियन के साथ बातचीत में कहा कि उनकी बेटी फिलहाल ट्रेनिंग ले रही है। नवाज ने बताया कि उनकी बेटी ने परफॉर्मिंग आर्ट्स फैकल्टी में एडमिशन लिया और अपने टीचर के आगे होथ जोड़कर कहा, मैं एक्टिंग सीखना चाहती हूं। अभिनेता ने शोरा के कोर्स और ट्रेनिंग से जुड़ी जानकारियां भी दीं। साल के आखिर में उनकी योजना एक प्ले में शामिल होने की भी है।

हर तरह से बेटी के पैशर को करते हैं सपोर्ट

नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्होंने कभी शोरा को अभिनय के लिए प्रोत्साहित नहीं किया, लेकिन बेटी के पैशन को उन्होंने हर तरह से सपोर्ट किया है। एक्टर ने कहा कि अब जब उनकी बेटी एक्टिंग में इतनी दिलचस्पी लेती है तो और लोग भी उसे आगे बढ़ाते हैं। नवाज के मुताबिक, शोरा यह काम स्वतंत्र रूप से कर रही हैं। नवाजुद्दीन ने बताया कि उन्हें तो लंबे समय तक बेटी के आर्ट फैकल्टी जाने की जानकारी ही नहीं थी। यह भी नहीं पता था कि कौन-सी वर्कशॉप करती हैं। शोरा खुद सबकुछ सर्च करती हैं, अपनी मां से बताती हैं और फीस के लिए फिर उनसे बात करती हैं।

ऋतिक की एक्स वाइफ सुजैन करने जा रही हैं निकाह!

ऋतिक रोशन की पूर्व पत्नी सुजैन खान इन दिनों चर्चा में बनी हुई हैं। अफवाहों का बाजार गर्म है कि सुजैन खान अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रही हैं। वहीं इन खबरों के बीच कल सुजैन खान अर्सलान गोनी के संग ईद मनाती नजर आईं। सुजैन खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से कई सारी तस्वीरों को एक साथ एक वीडियो के रूप में साझा किया है। सुजैन खान की इन तस्वीरों में अली गोनी, जैस्मिन भसीन और गोनी परिवार के कई सदस्य नजर आ रहे हैं। सुजैन खान की इस फोटो को देखकर एक यूजर ने लिखा है -अब तो निकाह कर ही लीजिए, वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, दोनों की जोड़ी कमाल लगती है।

बाबर आजम के खिलाफ बोलने की अहमद शहजाद को मिलेगी सजा?

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से जमकर बवाल हो रहा है। कभी टीम के खिलाड़ी फैंस से झगड़ा करते हुए पाए जाते हैं तो कभी टीम के पूर्व खिलाड़ी मौजूदा सदस्यों पर निशाना साधते हुए दिखते हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान अहमद शहजाद ने कप्तान बाबर आजम के खिलाफ खूब बयान दिए। उन्होंने तो बाबर को सोशल मीडिया का किंग और नकली किंग कहकर भी बुलाया था।

सिर्फ शहजाद ने ही नहीं, कई अन्य पाकिस्तानी यूट्यूबर्स ने भी बाबर की जमकर आलोचना की थी। अब कप्तान बाबर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इन सभी के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं, जिन्होंने उन पर मौजूदा टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के अभियान के दौरान देश की जनता से धोखेबाजी और जानबूझकर हारने का आरोप लगाया था। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान, बाबर को निशाना बनाने के लिए एक सोशल मीडिया अभियान का इस्तेमाल किया गया था।

इससे वह बेहद निराश हो गए थे। यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित सबूत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्रित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार तड़के निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापसी करने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और सीनियर मैनेजर वहाब रियाज शामिल हैं।

टी-20 वर्ल्डकप : 2024

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को बुरी तरह मसला

बारबाडोस, एजेंसी। अमेरिका और वेस्टइंडीज के बीच आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 में आज सुपर 8 का मुकाबला खेला गया। दोनों होस्ट नेशन के बीच हुई इस टक्कर में वेस्टइंडीज की जीत हुई। विंडीज ने अमेरिका को चारों खाने चित कर 9 विकेट से हरा दिया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। अमेरिका 19.5 ओवर में 128 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। 129 रन का टारगेट वेस्टइंडीज ने 10.5 ओवर में ही चेज कर लिया।

वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने मचाया कोहराम

शानदार बल्लेबाजी करने से पहले वेस्टइंडीज ने गेंदबाजी में भी तहलका मचाया। आंद्रे रसेल और रोस्टन चेज ने 3-3 विकेट लिए। इसके अलावा 2 विकेट अल्जारी जोसेफ को भी मिले। वहीं एक विकेट गुडाकेश मोती ने भी झटका। अमेरिका के लिए एंड्रीज गौस ने शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी की। उन्होंने 16 गेंद में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 29 रन बनाए। इसके अलावा नीतीश कुमार ने भी 20 रन की पारी खेली।

रोचक हुई सेमीफाइनल की रेस

वेस्टइंडीज के अमेरिका को हराने से सेमीफाइनल की रेस और भी ज्यादा रोचक हो गई है। अब सुपर 8 के दूसरे ग्रुप में साउथ अफ्रीका 4 अंक के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद वेस्टइंडीज दूसरे तो इंग्लैंड तीसरे स्थान पर है। दोनों टीमों के 2 मैचों में 2-2 अंक हैं हालांकि बेहतर नेट रन रेट के चलते विंडीज इंग्लैंड से ऊपर है। अमेरिका दो में दो मैच हारकर चौथे स्थान पर है और लगभग वर्ल्ड कप से बाहर हो गया है। अब भी इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका में से कोई दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। सारा मामला अंत में नेट रन रेट पर आकर फंस सकता है।

रसेल का टी20 वर्ल्ड कप में धमाका

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी आंद्रे रसेल ने इतिहास रच दिया है. वह अपनी टीम की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले संयुक्त रूप से पहले गेंदबाज बन गए हैं. यूएसए के खिलाफ (22 जून) उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए कुल 3 सफलता प्राप्त की. इसके साथ ही उनके नाम टी20 वर्ल्ड कप में शिरकत करते हुए 27 विकेट हो दर्ज हो गए हैं.

शे होप के तूफान में उड़ी अमेरिका

129 रन के टारगेट का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज के लिए ओपन करने उतरे शे होप ने मैच विनिंग पारी खेली। उन्होंने अमेरिका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। वह सिर्फ चौके-छक्के में ही डील कर रहे थे। होप ने 210 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 39 गेंद में 82 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने अपनी इनिंग्स में 4 चौके और 8 छक्के भी लगाए। शे होप के अलावा निकोलस पूरन ने भी अपना मसल पावर दिखाया। उन्होंने 225 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 12 गेंद में 27 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 1 चौका और 3 छक्के लगाए। अमेरिका की तरफ से एकमात्र विकेट हरमीत सिंह ने ली।

टूट गया टी20 वर्ल्ड कप में 12 साल पुराना रिकॉर्ड

अफ्रीकी गेंदबाज ने किया बड़ा कमाल

सेंट लूसिया, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच में सुपर 8 के खेले गए मुकाबले में काफी रोमांच देखने को मिला जिसमें अंत में अफ्रीकी टीम ने इस मैच को 7 रनों से अपने नाम करने के साथ सेमीफाइनल में अपने पहुंचने की स्थिति को काफी मजबूत कर लिया है। इस मैच में साउथ अफ्रीका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 163 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद इंग्लैंड की टीम 156 रनों के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सकी। इस मुकाबले में अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया भी एक विकेट लेने में कामयाब रहे जिसमें उन्होंने 2 बड़े रिकॉर्ड टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया का अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है।

ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को नॉर्खिया ने छोड़ा पीछे

इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एनरिक नॉर्खिया ने अपने 4 ओवर्स की गेंदबाजी में 35 रन देने के साथ 1 विकेट हासिल किया, जिसमें उन्होंने हैरी ब्रूक को अहम समय पर पवेलियन भेजा था। इस विकेट को लेने के साथ नॉर्खिया ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में ग्रीम स्वान के 12 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया। नॉर्खिया अब इस टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार 16 पारियों में कम से कम एक विकेट लेने में जरूर कामयाब हुए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड ग्रीम स्वान के नाम पर था जिन्होंने 15 पारियों में लगातार कम से एक विकेट टी20 वर्ल्ड कप में लिया था।

टी20 वर्ल्ड कप में लगातार पारियों में कम से एक विकेट लेने वाले खिलाड़ी

एनरिक नॉर्खिया - 16 पारियां (साल 2021 से 2024*)

ग्रीम स्वान - 15 पारियां (साल 2009 से 2012 तक)

एडम जम्पा - 15 पारियां (साल 2021 से 2024*)

ईश सोढ़ी - 11 पारियां (साल 2016 से 2021 तक)

डेल स्टेन से आगे निकले एनरिक नॉर्खिया

साउथ अफ्रीका टीम के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के साथ डेल स्टेन को भी पीछे छोड़ने का काम किया है, जिसमें वह अब अफ्रीकी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन गए हैं। एनरिक नॉर्खिया के नाम अब कुल 31 विकेट हो गए हैं, वहीं डेल स्टेन ने 30 विकेट इस टूर्नामेंट में हासिल किए थे।

साउथ अफ्रीका के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज

एनरिक नॉर्खिया - 31 विकेट
डेल स्टेन - 30 विकेट
मोर्ने मोर्कल - 24 विकेट
कगिसो रबाडा - 24 विकेट
इमरान ताहिर - 18 विकेट

ओलंपिक से पहले चोटों से मुक्त रहने के लिए प्रतिबद्ध मीराबाई चानू

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू को लगता है कि पेरिस खेलों में उनकी सफलता उनकी चोटों से मुक्त रहने की क्षमता पर निर्भर करेगी क्योंकि वह इस महासमर की स्नैच स्पर्धा में 90 किग्रा का वजन उठाने का प्रयास करेंगी।

चानू 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं। उन्होंने कहा कि सात अगस्त को उनकी स्पर्धा तक उनका ध्यान मासपेशियों को चोटों मुक्त रखने और स्नैच में कम से कम 90 किग्रा का वजन उठाने के लिए तकनीक सुधारने पर लगा है। चानू ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) मीडिया से कहा, 'मेरे लिए चोटों का प्रबंधन और तनाव मुक्त रहना महत्वपूर्ण होगा। मुझे वही चीजें करनी होंगी जिससे मुझे उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'हम खिलाड़ियों के लिए चोटें और दर्द साथी होते हैं। ये कब परेशान करना शुरू कर दें, आपको नहीं पता। हमें इन पर विजय पानी होगी और पेरिस ओलंपिक से पता चलेगा कि मैं खेल के इन पहलुओं को कितना नियंत्रित करने में कामयाब हुई। चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है।

एशियाई खेलों में वह कूल्हे की चोट से परेशान थीं जिससे वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। यह स्टार भारोत्तोलक एशियाड पदक नहीं जीत सकी है। चानू ने कहा, 'एशियाई खेलों की चोट के बाद विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से और चोट लगने से डरी हुई थी। मैं पेरिस ओलंपिक का मौका खराब नहीं करना चाहती थी। इसलिये चोट का डर था।

चानू और उनकी टीम जुलाई के पहले हफ्ते में फ्रांस के ले फर्टे-मिलोन जायेगी जिससे उन्हें ओलंपिक से पहले परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने के लिए एक महीने का समय मिल जायेगा। उन्होंने कहा, 'किसी भी भारोत्तोलक के लिए दो ओलंपिक में हिस्सा लेना बड़ी चीज है। विश्व स्तर पर हिस्सा लेना मुश्किल है। दूसरा ओलंपिक पदक जीतना मेरा और मेरे परिवार का सपना है लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि सर्वश्रेष्ठ तैयारी भी 'फेल हो सकती है।

ओलंपिक में चयन की खबर सुनकर आंखों में आए आंसू: श्रेयसी सिंह

जमुई, एजेंसी। बिहार के जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह का पेरिस ओलंपिक-2024 के शॉटगन ट्रैप वूमेन प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस खबर से श्रेयसी सिंह बेहद खुश हैं। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार और बिहार का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि आज सुबह करीब 11 बजे खबर मिली।

मैं कुछ समय के लिए भावुक हो गई। आंख से खुशी के आंसू भी छलक गए। पिताजी की भी बहुत याद आई। उन्होंने कहा कि 21 सदस्यीय भारतीय दल की घोषणा की गई है। निशानेबाजी के 17 साल के कैरियर के बाद यह मौका मिला है। परिवार और बिहार के लिए बड़ी उम्मीद जुड़ी थी। आज मेरा सौभाग्य है कि मैं बिहार की पहली खिलाड़ी बनी हूं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। यह करीब एक महीने का लंबा सफर होगा।

हम लोग ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन कर सकें, इसके लिए प्रार्थना करें। श्रेयसी सिंह बिहार की पहली एथलीट हैं, जिसका चयन ओलंपिक के लिए हुआ है। जमुई विधायक श्रेयसी सिंह के पेरिस ओलंपिक में चयन होने पर पूरे जिले में खुशी का माहौल है।

पिछड़ने के बाद यूक्रेन ने की वापसी, स्लोवाकिया को हराकर अगले दौर में पहुंचने की संभावना बरकरार रखी

यूरो कप

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है। रोमन यारेमचुक के गोल की बदौलत यूक्रेन ने शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया को यूरोपीय चैंपियनशिप 2024 (यूरो कप) फुटबॉल टूर्नामेंट के मुकाबले में 2-1 से हराया। यूक्रेन की टीम इस मुकाबले में एक गोल से पिछड़ रही थी, लेकिन यारेमचुक ने दमदार प्रदर्शन करते हुए यूक्रेन को जीत दिलाई जिसके दम पर उसने खुद को अगले दौर में पहुंचने की दौड़ में बरकरार रखा है।

यूक्रेन की तीसरी जीत

यूक्रेन की यह 2024 में चार प्रतिस्पर्धी मैचों में वापसी करते हुए तीसरी जीत है। सोमवार को रोमानिया से मिली 0-3 की हार के कारण खराब गोल अंतर से यूक्रेन नाजुक स्थिति में था और एक और हार उसे बाहर होने की कगार पर भेज सकती थी। तेज बारिश में खेलते हुए स्लोवाकिया ने 17वें मिनट में इवान शरांज के हेडर से किए गए गोल से बढ़त बना ली थी। हालांकि, यूक्रेन ने मायकोला शापारेंको के 54वें मिनट में किए गए गोल से स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। यह शापारेंको का टूर्नामेंट में पहला गोल था।

ये विवादित सवाल है, मैं इस पर कोई हेडलान नहीं देना चाहता, गौतम गंभीर किस बात पर भड़के

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर से हाल ही में जब एक इवेंट के दौरान उनके बेस्ट कप्तान के बारे में पूछा गया तो वह भड़क गए। उन्होंने इस सवाल का जवाब यह कहकर दिया कि यह सवाल ही विवादास्पद है और वह इसको लेकर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहते। बता दें, गंभीर राहुल द्रविड़, एमएस धोनी, सौरव गांगुली और अनिल कुंबले जैसे बड़े नामों की कप्तानी में खेले हैं। उनका कहना है कि हर कप्तान की अपनी-अपनी विशेषताएं हैं और वह किसी अकेले कप्तान का नाम नहीं लेना चाहते। कोलकाता में एक इवेंट के दौरान गंभीर ने कहा, "यह बहुत ही विवादास्पद प्रश्न है। मैं ईमानदारी से इस पर कोई हेडलाइन नहीं देना चाहता, हर किसी की अपनी ताकत और कमजोरी होती है। मैंने राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और (सौरव) गांगुली की कप्तानी में वनडे में डेब्यू किया। उन्होंने कहा, मैंने अनिल कुंबले के नेतृत्व में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एमएस धोनी के नेतृत्व में भी मेरा दौर रहा।

तुर्की में भारत के राजदूत पॉल का निधन, विदेश मंत्री ने जताया दुख

अंकारा। तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल का कल शुक्रवार को निधन हो गया। उक्त जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। उनके निधन पर विदेश मंत्री ने दुख जताया और कहा कि यह भारतीय विदेश सेवा के लिए एक बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि वीरेंद्र पॉल 1991 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं।

उनके निधन पर विदेश मंत्रालय के एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा गया कि हम तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल के असामयिक निधन से दुखी हैं। उन्हें उनके असाधारण मानवीय गुणों और प्रभावशाली पेशेवर योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी पॉल के निधन पर गहरा दुख जताते हुए इसे भारत के लिए बड़ी क्षति बताया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, तुर्की में हमारे राजदूत वीरेंद पॉल के निधन से गहरा दुख हुआ। भारतीय विदेश सेवा के लिए यह एक बड़ी क्षति है। मैंने उनकी कई पोस्टिंग में उनके साथ मिलकर कार्य किया है। हमेशा उनकी प्रतिबद्धता और सेवा की प्रशंसा की है और उनके कई योगदानों को महत्व दिया है। यहां बताते चलें कि विरेंद पॉल अंकारा में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पहले अफ्रीकी देश केन्या के उच्चायुक्त, सोमालिया में राजदूत समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके थे। उन्हें पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही साथ रूसी भाषाओं का भी अच्छा ज्ञान था।

ताइवान के साथ किया रक्षा सौदा... अमेरिकी विमानन कंपनी को चीन ने किया ब्लैकलिस्ट

बीजिंग। चीन ने कहा कि अमेरिकी विमानन निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के ताइवान के साथ हथियार सौदों पर हस्ताक्षर करने पर कंपनी, उसके कई व्यावसायिक इकाइयों और उसके तीन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, इस चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कंपनी के ताइवान के साथ सहयोग देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। चीन ताइवान की सरकार को समर्थन देने वाले किसी भी बाहरी सौदे के लिए इसी शब्दावली का इस्तेमाल करता है। प्रतिबंधों का प्रभाव काफी हद तक प्रतीकात्मक प्रतीत होता है, क्योंकि 1989 में बीजिंग और अन्य शहरों में छात्रों के नेतृत्व वाले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर चीन की सेना की कार्रवाई के बाद से अमेरिका और चीन के बीच सैन्य सहयोग निलंबित है। प्रतिबंधों के अंतर्गत लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब, लॉकहीड मार्टिन एडवांस्ड टेक्नोलॉजी लैबोरेटरीज और लॉकहीड मार्टिन वेंचर्स का नाम शामिल है। शीर्ष अधिकारियों जेम्स डोनाल्ड टेकलेट, फ्रैंक एड्डू सेंट जॉन और जीसस मालवे को चीन की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पाकिस्तान में आंतकी हमले में पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के हमले में पांच सैनिकों की मौत हुई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि कुर्रम जिले में सुरक्षा बलों के वाहन पर विस्फोट किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की उम्र 24 से 33 वर्ष के बीच थी। फिलहाल किसी आतंकवादी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

राहत शिविरों पर इजराइली हमला, 25 की मौत, 50 घायल

गाजा। गाजा में हमास-इजराइल के बीच जंग जारी है। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को रफाह शहर के उत्तरी हिस्से में विस्थापित फलस्तीनियों के लिए बनाए गए शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और आपातकालीन कर्मचारियों ने जानकारी दी कि रफाह में प्रत्यक्षदर्शियों ने बचावकर्मियों को तटीय क्षेत्र में दो स्थानों पर गोलाबारी के बारे में बताया। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। कई देशों और यूएन के दबाव के बाद भी इजराइल विस्थापित राहत शिविरों को अपना निशाना बना रहा है जिसमें मासूम लोगों की जान जा रही है।

अल सल्वाडोर में भारी बारिश से अब तक 19 की मौत, आपातकाल घोषित

वाशिंगटन। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में भारी बारिश से छह और लोगों की मौत हो गई। राजधानी के बाहरी इलाकों में मकानों की दीवारें गिरने और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 19 तक पहुंच गई है। ग्वाटेमाला के प्रशांत तट और मेक्सिको की खाड़ी में दो मौसमीय परिस्थितियों के कारण उष्णकटिबंधीय चक्रवात अल्बर्टो विकसित हुआ है और इसके असर से दक्षिणी मेक्सिको और मध्य अमेरिका में भारी बारिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शहर में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट जारी कर दिया गय है वही शीर्ष अधिकारियों ने 15 दिन के लिए राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक मकान के गिरने से पांच और सात साल की दो बच्चियों समेत छह लोगों की मौत हो गई है। विभाग ने लोगों को भूस्खलन के खतरे को लेकर चेतावनी दी है और कहा है कि बारिश के कारण पानी जमा होने से दीवारों के गिरने का खतरा है। सल्वाडोर के अधिकारियों ने देशभर में 150 शिविर तैयार किए हैं, जिनमें से 82 शिविरों में 1,212 नाबालिगों सहित 2,582 लोग को रखा गया है।

मशहूर इंफ्लूएंसर फराह की हार्ट अटैक से मौत, फैंस को लगा झटका

लॉस एंजेलस। सोशल मीडिया पर चर्चित ब्यूटी इंफ्लूएंसर फराह एल काधी लोगों के बीच पहचान बनाने के बाद इस दुनिया को अलविदा कह गई है। उनकी अचानक मौत ने उनके फैंस काफी दुखी है। यह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर फराह ट्यूनीशिया की रहने वाली थी, जिसने अपनी ब्यूटी से लोगों के दिल में जगह बना ई थी। बताया जा रहा है कि इंफ्लूएंसर फराह माल्टा में एक यॉट पर छुट्टियां मनाने गई थी, तभी उन्हें हार्ट अटैक आया और वह अचानक यॉट में गिर पड़ी, ये देखकर लोग हैरान रह गए तुरंत उन्हें वहां से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गई। फराह के निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लगा है। बता दें, फराह एल काधी को सोशल मीडिया पर एक मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह जानी-मानी इंफ्लूएंसर होने के साथ ही एक प्राइवेट कंपनी में आर्किटेक्ट भी थी और फैफ के फैशन ब्रांड बाजार की मालकिन भी थी। फराह एल काधी को लव आइलैंड माल्टा की पहली सीरीज के लिए भी जाना जाता है।

पुतिन से मुलाकात के बाद तेवर में तानाशाह...करवा रहा दीवार का निर्माण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया इनदिनों दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा के पास कई स्थानों पर एक नई दीवार के कुछ हिस्सों का निर्माण कर रहा है, क्योंकि दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, एक रिपोर्ट में उपग्रह चित्रों का हवाला देकर बताया। चित्रों का विश्लेषण किया, जिसमें दिखाया गया कि विसैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के अंदर की भूमि को साफ कर दिया गया है, जो कोरिया के बीच 2018 के युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन हो सकता है। तस्वीरों में दीवार के कम से कम तीन खंड दिखाई दे रहे हैं, जहाँ सीमा के पूर्वी हिस्से के करीब 1 किमी के क्षेत्र में अवरोध बनाए गए हैं। क्षेत्र में पहले की उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी की कमी के कारण निर्माण की सटीक तारीख स्पष्ट नहीं है। सियोल के सैन्य और रक्षा विशेषज्ञ डॉ. यूके यांग ने मीडिया को बताया, मेरा व्यक्तिगत आकलन है कि यह पहली बार है जब उन्होंने स्थानों को एक-दूसरे से अलग करने के अर्थ में अवरोध बनाया है।

दक्षिणी ग्रीस के लतास गांव में जल रही जंगल की आग के बगल में एक स्थानीय निवासी पानी की बोतलें पकड़े हुए।

40 साल में पहली बार.... टाटा स्टील के 1500 कर्मचारी करेंगे हड़ताल

लंदन। टाटा स्टील के ब्रिटेन ऑपरेशन में 2,800 कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। वहीं, ब्रिटेन (यूके) में टाटा स्टील के लगभग 1,500 कर्मचारी 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। ये हड़ताल वेल्स के पोर्ट टैलबोट और लैनवर्न में स्थित प्लांट्स में कंपनी की 2,800 कर्मचारियों की छंटनी और ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने के विरोध में हो रही है। यूनाइट द यूनियन ने बताया कि 40 सालों में पहली बार है कि ब्रिटेन में स्टील कर्मचारियों ने टाटा स्टील यूके के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित करने के मकसद से हड़ताल की है। यूनियन के सदस्यों ने पहले ही सप्ताह की शुरुआत में नियमानुसार काम करना और ओवरटाइम बैन लगाना शुरू किया था। यूनाइट द यूनियन ने कहा, टाटा के पोर्ट टैलबोट और लानवर्न में स्थित लगभग 1,500 कर्मचारी कंपनी की 2,800 नौकरियों में कटौती और इसके ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने की योजना के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। यूनाइट की महासचिव शैरोन ग्राहम ने कहा, टाटा के कर्मचारी केवल अपनी नौकरियों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि अपने समुदायों के भविष्य और वेल्स में स्टील इंडस्ट्री के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक टाटा अपनी विनाशकारी योजनाओं को रोक नहीं देती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यूनियन का दावा है कि विपक्षी लेबर पार्टी ने मुंबई मुख्यालय वाली स्टील कंपनी से अपनी योजनाओं को रोकने और 4 जुलाई के आम चुनाव के बाद नई चुनी गई सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी ने चुनाव जीतने पर टाटा के साथ आपातकालीन बातचीत को भी प्राथमिकता दी है।

रुस और यूक्रेन की जंग में तैनात सैनिक कर रहे योगा

ओटावा (एजेंसी)। मॉस्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग में सीमा पर तैनात यूक्रेन के सैनिक भी योग का सहारा ले रहे हैं। 2 साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए योग वरदान साबित हो रहा है। सैनिकों का कहना है कि इससे उन्हें जल्दी रिकवरी करने में मदद मिलती है। युद्ध-ग्रस्त यूक्रेन में, योग स्वास्थ्य, रिकवरी और उपचार में एक कारगार उपाय के रूप में देखा जा रहा है। यूक्रेनी योग शिक्षकों की मदद करने के लिए उन्हें ट्रॉमा से निपटने के लिए उपकरण भी दिए जा रहे हैं। इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। फाल्कन फोर्स जैसी यूक्रेनी सेना की कुछ विशेष फोर्स भी योग को अपने प्रशिक्षण में शामिल कर रही हैं।

यूक्रेन में योग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम चला रही वेलेरिया सम्बोस्कोया भी इस बात से सहमत हैं। वह कहती है, हमने देखा है कि प्रभावित सैनिक पार्कों के पास जाने से डरते हैं क्योंकि वे फ्रंटलाइन पर वन क्षेत्रों में घायल हो गए थे। लेकिन योग के कुछ सत्रों, विशेष रूप से प्राणायाम के बाद, वे अपने मानसिक ट्रॉमा से उबरने में सक्षम हैं। डेनिसोवा आगे कहती है, मैं एक यूक्रेनी के रूप में दुनिया को यह अद्भुत प्राचीन ज्ञान देने के लिए भारत का पर्याप्त धन्यवाद नहीं कर सकती। रिपोर्ट के मुताबिक फियर्स कैलम जैसी चैरिटी सैनिकों के पुनर्वास में योग को शामिल करती है और ट्रॉमा कम करने में भी मदद करती है। यूक्रेनी सैनिक यूक्रेन युद्ध की सीमा पर अपने योग मैट बिछाते हैं और योग का अभ्यास नियमित रूप से करते है। 225वीं सेपरेट असॉल्ट ब्रिगेड के कमांड पोस्ट पर तैनात 37 वर्षीय कमांडर का कहना है कि योग ने उनके जीवन को बदल दिया है। उन्होंने कहा, युद्ध की शुरुआत से पहले, 2014 में, मुझे सेना के अभियानों में शामिल किया गया था और मेरी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। मैंने 2016 में नियमित रूप से योग का अभ्यास करना शुरू किया। युवा कमांडर कहते है, मेरी सभी समस्याएं गायब हो गई है। योग अब युद्ध में उनकी जिम्मेदारियों को पूरा करने में उनकी मदद करता है। मैं हमेशा आसन और प्राणायाम करने की कोशिश करता हूं, और हरे कृष्ण महामंत्र पढ़ता हूं। इससे मुझे अपनी भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। 2021 में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने योग को बढ़ावा देने के लिए हेल्दी यूक्रेन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक पार्कों को फिटनेस क्लब में बदल दिया गया। इसमें ट्रेनर्स निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करते हैं। परियोजना में योग को बढ़ावा देने के लिए एलेना साइडर्सका को जिम्मेदारी दी गई है। वह कहती हैं, योग के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया थी। यूक्रेन में योग के जाने माने हस्ती साइडर्सका के पिता एंड्री साइडर्सकाई कहते हैं कि उनके देश में भारतीय योग की जड़ें बहुत पुरानी हैं।

चीन गुप्त रूप से शक्तिशाली हथियार इकट्ठा कर सकता: रिपोर्ट

चीन (एजेंसी)। आधुनिक युद्ध में, हर सैन्य महाशक्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से बढ़त हासिल करने के लिए गुप्त हथियारों की दौड़ में लगी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन गुप्त रूप से एक शक्तिशाली नया हथियार इकट्ठा कर सकता है। एक हालिया रिपोर्ट, जिसका शीर्षक एआई क्षमताओं का ओपन-सोर्स असेसमेंट है, का दावा है कि चीन एआई प्रशिक्षण डेटासेट विकसित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (ओसिंट) छवियों का उपयोग कर रहा है। रिपोर्ट में अजीबोगरीब झोउसिदुन डेटासेट को उजागर किया गया है, जिसमें 600 से ज्यादा तस्वीरें शामिल हैं, जो अमेरिकी आर्ले बर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक जहाजों के अंदरूनी कामकाज का विस्तृत विवरण देती है। बीआरएसएल का सुझाव है कि डेटासेट की लक्षित, सैन्य प्रकृति और इस साझा करने वाले खाते की संभावित अकादमिक उत्पत्ति के कारण, यह संभावना है कि यह डेटासेट गलती से प्रकाशित हो गया था।

झोउसिदुन डेटासेट क्या है?

अगस्त 2023 में, बर्कले रिस्क एंड सिक्योरिटी लैब के शोधकर्ताओं ने चीनी मूल के डेटासेट की खोज की जिसका नाम झोउसिदुन है। यह डेटासेट, जिसे संभवतः शंघाईटेक यूनिवर्सिटी द्वारा साझा किया गया था, रोबोफ्लो पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था, जो डेटासेट साझा करने और मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म है। झोउसिदुन में अमेरिका के डरावने अर्लीघ बुर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक दिग्गजों की शारीरिक रचना को चिकित्सकीय रूप से विघटित करने वाली 608 कसकर केंद्रित छवियां थीं। पूरे जहाज की प्रोफाइल को कैप्चर करने के बजाय, इन भयावह छवियों ने जमीनी और उपग्रह दोनों तरह की टोही का उपयोग करते हुए डीडीजी के अत्याधुनिक एजिस लड़ाकू सिस्टम पर जुनूनी ढंग से जूम इन किया। सैन्य क्षमताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एकीकरण दुनिया भर में प्रमुख सैन्य शक्तियों के लिए मानक अभ्यास बन गया है। यह समझना कि ये एआई मॉडल कैसे काम करते हैं, रणनीतिक लाभ बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी पर संकट, स्पेसक्राफ्ट के लौटने का मिशन स्थगित

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले स्टारलाइनर की वापसी को स्थगित कर दिया गया है। नासा ने इसके वापसी की कोई नई तारीख नहीं बताई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने 5 जून को उड़ान भरी थी। नासा ने जानकारी दी कि 2019 के बाद से इसे दो बार बिना मनुष्यों के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं।

स्टारलाइनर 6 जून को डॉक करने के लिए स्पेस स्टेशन के करीब पहुंचा तो थ्रस्टर फेलियर देखा गया। इस कारण अंतरिक्ष यान स्पेस स्टेशन के करीब तब तक नहीं गया जब तक खराबी ठीक नहीं कर ली गई। स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लौटाना अंतरिक्ष यान के परीक्षण मिशन के सबसे जटिल चरणों में से एक है। नासा अधिकारियों का कहना है कि वे स्टारलाइनर की लगभग छह घंटे की वापसी यात्रा शुरू करने से पहले थ्रस्टर फेलियर, वाल्व समस्या और हीलियम रिसाव के कारणों को बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं। स्टारलाइनर की वर्तमान उड़ान में केवल एक थ्रस्टर डेड है। बोइंग को 2022 में चालक रहित स्पेस कैप्सूल की वापसी के दौरान चार थ्रस्टर समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 बिलियन डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाहता है कि स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्याओं और उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है।

सेना में जाकर लड़ने की चाह भारत-चीन से ज्यादा पाकिस्तानी युवाओं में

-रिपोर्ट से खुलासा- इजराइल, अमेरिका, जापान, ताइवान जैसे देशों में सैनिकों की कमी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुनिया के कई ऐसे देश जो युद्ध लड़ रहे हैं या फिर निकट भविष्य में हमले की आशंका के चलते चिंतित हैं। ये देश अपनी सैन्य तकनीक बढ़ा रहे हैं और रक्षा बजट में भी इजाफा कर रहे हैं। इसके बावजूद इनके पास सेना में भर्ती के लिए युवाओं का टोटा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण रूस और यूक्रेन युद्ध है।

दोनों ही देश लड़ने के लिए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका भी ऐसी समस्या का सामना कर रहा है। अमेरिकी युवा भी सेना में भर्ती होना नहीं चाह रहे हैं। एशिया के देशों को भी पर्याप्त सैनिकों को बनाए रखना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है, हालांकि इस मामले में पाकिस्तान के युवा अलग हैं और फौज में जाने के लिए उत्साहित भी हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल जैसा युद्ध में उलझा देश या लड़ाई की आशंका का सामना कर रहे जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश भी सैनिकों की कमी का सामना कर रहे हैं। इजरायल की भी प्रतिष्ठा दांव पर है। इजरायल के पास केवल 15,000 सक्रिय लड़ाकू सैनिक हैं। इजरायल इस समय रिजर्विस्टों और रिजर्व ब्रिगेडों पर निर्भर है। इन आरक्षित लोगों में किसान और कर्मचारी हैं।

ताइवान को भी चीनी हमले का डर है लेकिन सैनिक उसके पास नहीं है। ताइवान विदेशी नागरिकों को सेना में भर्ती करने पर विचार कर रहा है। अमेरिका भी गैर-अमेरिकियों को सेना में शामिल होने और नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति देता है। दक्षिण कोरिया के सामने भी घटती सैनिकों की संख्या समस्या बन रही है।

जापान की सेना में भी हर साल सेना की भर्ती में कमी आ रही है। पिछले दस सालों में पिछले नवंबर में एसडीएफ के लिए आवेदकों की संख्या में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई है। गैलप इंटरनेशनल के 2015 के एक सर्वेक्षण में पाया था कि जापानी अपने देश की खातिर लड़ने के लिए कम इच्छुक थे, केवल 11फीसदी ने ही कहा कि वे ऐसा करेंगे, जबकि दक्षिण कोरिया में 42फीसदी और चीन में 71फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने को तैयार थे। रिपोर्ट कहती है कि सबसे बड़ी सेना वाला देश चीन भी 71 फीसदी युवाओं के सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक होने के बावजूद पर्याप्त भर्तियों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गैलप सर्वे में पाकिस्तान के युवा चीन और भारत से आगे हैं। पाकिस्तान के 89 फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक हैं। भारत के 75 फीसदी और चीन उससे भी कम 71 फीसदी पर है। इस सूची में 94 फीसदी के साथ मोरक्को और फिजी शीर्ष पर हैं।

नौकरों को बंधक बनाने और कम वेतन देने के मामले में हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल की सजा

जेनिवा (एजेंसी)। दुनिया में गिने चुने अमीरों में शुमार हिंदुजा बंधुओं पर नौकरों को परेशान करने का आरोप लगा है। अपने नौकरों के पासपोर्ट रखकर उन्हें कहीं भी जाने से रोका गया और हर रोज 18 घंटे काम कराया गया। बदले में सिर्फ 655 रुपए दिए गए। मामला कोर्ट में पहुंचा तो स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। भारतीय मूल की हिंदुजा फैमिली को ब्रिटेन के सबसे अमीर परिवार में गिना जाता है। अब इस फैमिली के चार लोगों को स्विट्जरलैंड की कोर्ट ने साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। ये सभी धनकुबेर अपने घरेलू नौकरों पर 'अत्याचार' को लेकर मुश्किल में घिरे हैं। इन पर आरोप लगे कि वे भारत से कुछ लोगों को जेनेवा के अपने एक मैंशन में काम करने के लिए लाए थे। स्विस प्रशासन का आरोप है कि हिंदुजा परिवार ने इन लोगों के पासपोर्ट रख लिए थे और इनके कहीं आने-जाने पर पाबंदियां लगा रखी थीं।

इसके साथ ही इन्होंने उन लोगों से ज्यादा देर काम करवाए और मेहनताने में रोजाना महज 8 डॉलर (करीब 650 रुपये) के हिसाब से पैसे दिए। उधर हिंदुजा परिवार को मिली इस सजा के लिए उनके वकील की दलीलों को भी जिम्मेदार माना जा रहा है, जिन्होंने कम सैलरी के आरोपों को नकारा ही नहीं। ऐसे में स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। इस मामला में स्विस प्रशासन की तरफ से पेश सरकारी वकील य्वेस बेरतोसा ने कोर्ट में कहा, 'उन्होंने (हिंदुजा परिवार ने) अपने एक कुत्ते पर एक नौकर से ज्यादा खर्च किया।' उन्होंने बताया कि इस परिवार ने अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हजार अमेरिकी डॉलर (साढ़े 8 लाख रुपये) खर्च किए, जबकि एक घरेलू नौकर को एक दिन में 18 घंटे काम करने पर रोजाना सिर्फ 7.84 डॉलर यानी केवल 655 रुपये मिले थे। हिंदुजा परिवार के वकीलों ने कम सैलरी होने के आरोपों को नकारा नहीं है, लेकिन कहा है जो वेतन तय था, उसमें रहना और खाना भी शामिल था। वहीं ज्यादा देर तक काम करवाने के आरोपों पर उनके वकील ने कहा कि बच्चों के साथ फिल्म देखने को काम नहीं माना जा सकता है। इन वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि जिन लोगों को पीड़ित बताया जा रहा है, वे लगातार कई मौकों पर हिंदुजा परिवार के लिए काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह इस बात को दर्शाता है कि सभी काम के माहौल से संतुष्ट थे। हालांकि कोर्ट ने इस आरोप को सच पाया कि हिंदुजा परिवार में काम करने वाले नौकरों के पासपोर्ट रख लिए गए थे। ऐसे में वह स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा नहीं सकते थे। हिंदुजा परिवार के लिए यही बात मुश्किल बढ़ाने वाली रही, क्योंं स्विस कानून में इसे मानव तस्करी माना जाता है। इसी वजह से हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल जेल की सजा सुनाई गई।

वायएसआरसीपी के कार्यालय पर चला बुलडोजर... प्रतिशोध की राजनीति कर रहे नायडू

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी अब सत्ता से बाहर हो चुके हैं। अब तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सत्ता में आ चुके हैं। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलने के साथ ही प्रतिशोध की राजनीति जारी है। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) का कार्यालय शनिवार सुबह विजयवाड़ा के ताडेपल्ले जिले में ध्वस्त किया गया। ऑफिस को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया गया। वायएसआरसीपी ने बुलडोजर एक्शन को प्रतिशोध की राजनीति करार दिया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर वायएसआरसीपी ने कहा कि यह 'प्रतिशोध की राजनीति की शुरुआत' है। रिपोर्ट के अनुसार, यह इमारत गुंटूर जिले के ताडेपल्ली मंडल के सीतानगरम के बॉट यार्ड परिसर में आर.एस. संख्या 202-ए-1 में 870.40 वर्ग मीटर की कथित रूप से अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि पर थी। इसके पहले वायएसआरसीपी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, इसके बावजूद ऑफिस को गिरा दिया गया। अदालत ने किसी भी विध्वंस गतिविधि को रोकने का आदेश दिया था। यह अभूतपूर्व कार्रवाई, राज्य के इतिहास में किसी पार्टी कार्यालय को ध्वस्त करने की पहली घटना, सुबह 5:30 बजे उत्खनन मशीनों और बुलडोजरों का उपयोग करके शुरू की गई। दरअसल 19 नवंबर 2021 को विधानसभा सत्र के दौरान तीखी बहस और वायएसआरसीपी कांग्रेस के नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद नायडू सदन से बाहर चले गए थे। तब नायडू ने कसम खाई थी कि जब तक मैं सत्ता में वापस नहीं आ जाता, तब तक मैं सदन से दूर रहूंगा। इस दौरान वह काफी भावुक भी हो गए थे। उन्हें फूट-फूटकर रोते हुए भी देखा गया था।

नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने वाले मामा को चार वर्ष की कैद

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने के जुर्म में एक व्यक्ति को चार साल की कैद की सजा सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता चंदनपाल भाटी ने बताया कि अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) की अदालत ने एक व्यक्ति को अपनी नाबालिग भांजी से छेड़छाड़ करने के जुर्म में चार साल के कारावास की सजा सुनाई। भाटी के मुताबिक अदालत ने अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना नहीं भरने पर अभियुक्त एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। चंदनपाल भाटी ने बताया कि 2017 में बच्ची के पिता ने मामला दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी चार अक्टूबर, 2017 को उनकी बेटी घर पर अकेली थी तब वहां पर बांदा के सुहाना निवासी प्रेमदीप पहुंचा और उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता के मुताबिक तभी एक महिला घर पर पहुंच गई और उसने बच्ची को बचा लिया।

नाबालिग आरोपी के पिता को जमानत मिली

पुणे। पुणे की एक अदालत ने पोर्श एक्सीडेंट मामले में आरोपी किशोर के पिता विशाल अग्रवाल को जमानत दे दी। रिपोर्ट के अनुसार, अग्रवाल को किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित एक मामले में जमानत मिली है। अग्रवाल पर एक अभिभावक के रूप में अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रहने के लिए मोटर वाहन अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया था। पुलिस ने यह पता लगाने के बाद इसे अपने कब्जे में ले लिया कि मार्च में अपने बेटे के लिए खरीदी गई पोर्श का पंजीकरण नहीं कराया गया था क्योंकि अग्रवाल ने 44 लाख रुपये का रोड टैक्स नहीं चुकाया था। इसके अलावा, उनके नाबालिग बेटे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। दुर्घटना के परिणामस्वरूप दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई। 17 वर्षीय किशोर ने कथित तौर पर नशे में गाड़ी चलाकर उन्हें टक्कर मार दी। 14 जून को पुणे की अदालत ने किशोर के माता-पिता और एक अन्य आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशाल, शिवानी अग्रवाल और बिवौलिए अश्पक मकदर पर किशोर के रक्त के नमूने बदलने के आरोप में जांच की जा रही है, ताकि यह दिखाया जा सके कि दुर्घटना के समय वह नशे में नहीं था। मकदर पर अग्रवाल और ससून जनरल अस्पताल के डॉक्टरों के बीच बिचौलिए के रूप में काम करने का आरोप है, जहां रक्त के नमूने एकत्र किए गए थे। यह आरोप लगाया गया है कि शिवानी अग्रवाल के रक्त के नमूनों का प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग किया गया था।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु

पुरी। ओडिशा के पुरी शहर में शनिवार को 12वीं सदी के मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा के लिए एकत्रित हुए। चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108 घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। जल मंदिर स्थित सुना कुआं या स्वर्ण कुए से लाया गया। पानी में जड़ी-बूटी और सुगंधित तत्व मिलाए गए और उसके बाद उस जल से स्नान बेदी में देवताओं का स्नान कराया गया। यह अनुष्ठान वार्षिक रथयात्रा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि गजपति महाराजा राजा दिव्यसिंह देब ने स्नान अनुष्ठान के तुरंत बाद स्नान मंडप में चेरा पन्हरा (झाड़ू लगाने) की रस्म निभायी। चेरा पन्हरा के पूरा होने के बाद, देवताओं को स्नान बेदी में हाथी बेसा (हाथी की पोशाक) पहनाई गई। हाथी की पोशाक और इस अवसर पर विशेष वैशभूषा पारंपरिक रूप से राघवा दास मठ और गोपाल तीर्थ मठ के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यता के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें अनासर गृह में ले जाया जाता है। देवताओं को अब अनासर गृह में 14 दिनों के लिए पृथकवास किया जाएगा। इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन करने की अनुमति नहीं होती है। ठीक होने पर, देवता नबजौबन दर्शन के अवसर पर श्रद्धालुओं के सामने आते हैं। पुलिस की लगभग 68 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान होते हैं) तैनात की गई थी और सुचारू दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। अधिकांश श्रद्धालुओं ने मंदिर के सामने स्थित सड़क बड़ा डंडा से देवताओं के दर्शन किए।

जहरीली शराब मामले में मरने वालों की संख्या 55 पहुंची ... मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब त्रासदी में पुलिस ने एक मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का मानना ??है कि चिन्नादुरई ने ही करुणापुरम में आसुत शराब की आपूर्ति की थी। बता दें कि अब तक जहरीली शराब के कारण मृतकों की संख्या 55 कर पहुंच गई है। गांव से हर दिन मौतों की खबरें आ रही हैं। इस त्रासदी के बाद से कई मरीजों का इलाज चल रहा है। जिला कलेक्टर प्रशांत एमएस के अनुसार, कल शाम तक, 29 पीड़ितों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि तीन प्रभावित लोग ठीक हो गए हैं लेकिन दर्जनों अन्य अभी भी गंभीर हैं। अब तक 185 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। 135 लोगों का इलाज चल रहा है। 30 लोगों की हालत गंभीर है। तमिलनाडु में जहरीली शराब से मौत का सिलसिला 19 जून की दोपहर से शुरू हुआ था। इसमें पहले दिन 34 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें से 24 एक ही गांव करुणापुरम के थे। 20 जून को सभी मृतकों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। 21 जून को मृतकों का आंकड़ा 47 पहुंच गया था। इधर, जहरीली शराब कांड को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगा दी। जस्टिस डी कृष्णकुमार और जस्टिस के कुमारेश बाबू की डिवीजन बेंच ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब राज्य सरकार जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोकने में विफल रही है। कोर्ट ने कहा कि बेंच ने त्रासदी से पहले भी कल्लाकुरिची में बेचे जा रहे अवैध शराब के संबंध में रिपोर्ट पढ़ी थी। यहां तक कि कुछ यूट्यूबर्स ने भी इसके बारे में बात की थी।

दूसरे राज्यों में कांग्रेस का हाथ थामेगी सपा, आगे भी जारी रहेगा गठबंधन

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में विशेषकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ पर लगाम लगाने का श्रेय समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गया है। इन दोनों दलों के गठबंधन ने भाजपा को न सिर्फ अपेक्षित सफलता हासिल करने से रोक दिया बल्कि केन्द्र में बहुमत के आंकड़े से भी बहुत दूर कर दिया। अब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का यह गठबंधन देश के अन्य राज्यों में भी विस्तार लेने वाला है। माना जा रहा है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा आदि राज्यों में भविष्य में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी का साथ निभायेगी। वहीं, उप्र की दस विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी यह गठबंधन ताल ठोंकेगा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद समाजवादी पार्टी कांग्रेस के सहारे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है तो वहीं कांग्रेस देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा के कंधों पर चढ़कर अपनी खोयी जमीन को वापस पाना चाहती है। जाहिर है कि दोनों को ही एक-दूसरे की जरूरत है। लोकसभा चुनाव से पहले जब मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन को लेकर सहमति बनी थी लेकिन तब कांग्रेस नेता कमलनाथ के एक बयान ने दोनों के बीच खटास पैदा कर दी थी। उससे सबक लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर आने वाली कथित दिक्कतों पर सीधे हस्तक्षेप करेंगे। वहीं राहुल गांधी अखिलेश यादव से सीधे बातकर समस्याओं का हल निकालेंगे। कांग्रेस चाहती है कि सपा के साथ मध्य प्रदेश जैसी तल्खी की स्थिति कहीं न आए और यूपी में जिस गठबंधन के बूते उन्होंने बेहतर परिणाम पाए हैं, उसे बरकरार रखा जाए। ऐसे में महाराष्ट्र और हरियाणा में कांग्रेस सपा को कुछ सीटें देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। महाराष्ट्र में कुछ इलाकों में सपा की इकाई का प्रदर्शन ठीक रहा है। मौजूदा समय में भी उसके दो विधायक महाराष्ट्र के सदन में हैं। इसके अलावा हरियाणा में भी कई सीटों पर यादव मुस्लिम गठजोड़ निर्णायक स्थिति में है। इन सीटों की संख्या तकरीबन दो दर्जन बताई जाती है। कांग्रेस चाहती है कि इस गठबंधन को इन राज्यों में भी विस्तार दिया जाए ताकि जातियों का जो एका लोकसभा चुनावों में तैयार हुआ है, उसे दूसरे राज्यों में भी प्रभावी बनाया जा सके। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट खटाखट। राहुल की कही गई इस बात को अब महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में संभावित गठबंधन से जोड़ा जा रहा है।

बिहार में ताश के पत्तों की तरह ढह रहे पुल... अररिया के बाद सीवन

पटना। बिहार में पुल गिरना एक आम चर्चा का विषय हो गया है। बिहार के अररिया जिले में 4 दिन पहले ही करोड़ों की लागत से बन रहा पुल गिर गया था। अब सीवान जिले में गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया है। मिली जानकारी के अनुसार सीवान के दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ा पंचायत में पिलर धंसते ही पुल धड़ाम से गिर गया। पुल गिरने से अचानक आई तेज आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुल गिराने की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बता दें, यह पुल यह महाराजगंज प्रखंड के पटेढ़ी बाजार और दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ पंचायत को जोड़ती थी। पुल टूटने से आवागमन बाधित हो चुका है। इसका असर हजारों राहगीरों पर पड़ेगा। लोगों ने बताया कि यह पुल आज सुबह गिर गया है। लेकिन, ईश्वर की कृपा से कोई हताहत नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि पुल का निर्माण करीब 40-45 वर्ष पहले हुआ था। पुल का निर्माण लोगों ने चंदा करके बनवाया था। बाद में कुछ सरकारी सहयोग मिला। लोगों का कहना है कि सरकार से हमारी मांग है जल्दी पुल को ठीक करवा दें ताकि जो आवागमन बाधित हो गया है, वहां चालू हो सके। बता दें, 3 दिन पहले ही बिहार में करोड़ों की लागत से बना पड़रिया घाट पुल ध्वस्त हो गया था। लोगों के अनुसार पुल के एप्रोच रोड को बनाने और शुरू करने की तैयारी की जा रही थी कि तभी यह हादसा हो गया था। यह पुल बेहद अहम था क्योंकि इस रास्ते पर बने पुराने पुल की हालत पहले ही बहुत खराब थी और वह रास्ते से कट चुका है। लेकिन, उद्घाटन से पहले ही पुल टूट जाने से कई ग्रामीण कार्य विभाग पर सवाल उठने लगे हैं।

स्पीकर पद को लेकर रार: भाजपा नहीं करेगी समझौता, टीडीपी को दे सकती है डिप्टी स्पीकर का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की एनडीए सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा ने अपना स्पीकर बनाने का निर्णय कर लिया है। बहुत हुआ तो टीडीपी को डिप्टी स्पीकर का पद दिया जा सकता है। जदयू के पास पहले से ही राज्यसभा में उपसभापति का पद है। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर पद पर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति कर साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आएगी। सत्ता पक्ष में सबसे बड़ा दल होने के नाते भाजपा अध्यक्ष पद अपने पास रख सकती है, जबकि उपाध्यक्ष पर सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दिए जाने की संभावना है। हालांकि विपक्ष परंपरानुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है और ऐसा न होने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर निर्विरोध निर्वाचन में अड़ंगा डाल सकती है।

सत्ता और विपक्ष में टकराव की शुरुआत प्रोटेम स्पीकर को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के सुरेश का नाम आगे बढ़ाया गया था। आठ बार के सांसद सुरेश का वरिष्ठता के लिहाज से दावा भी बनता था, लेकिन सरकार ने सात बार के सांसद भाजपा के भर्तृहरि महताब को इसके लिए चुना क्योंकि वह सात बार लगातार जीते हैं, जबकि सुरेश बीच में दो बार हारे थे। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी हुई है। सरकार द्वारा उसे उपाध्यक्ष न दिए जाने की स्थिति में विपक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उम्मीदवार उतार सकता है। ऐसे में नई लोकसभा की शुरुआत से ही सरकार और विपक्ष सर्वानुमति की जगह टकराव और बहुमत की ताकत की तरफ बढ़ेंगे। इससे सदन में कई मुद्दों पर टकराव बढ़ने की आशंका है। खासकर संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर जहां दो तिहाई सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। ऐसे में कई मुद्दों पर सरकार को विपक्ष के सहयोग के बिना अपना कामकाज निपटाना मुश्किल हो सकता है और कई बार पीछे भी हटाना पड़ सकता है।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर अभी कुछ बातचीत नहीं : राउत

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर अभी बातचीत शुरू नहीं हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी गठबंधन में सभी समान हितधारक हैं। राउत ने कहा कि एमवीए ने एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ा और दुनिया को दिखा दिया कि कैसे महाराष्ट्र ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत हासिल करने से रोक दिया।

महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस घटक दल हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एमवीए ने राज्य की 48 सीट में से 30 सीट पर जीत हासिल की थी। नेता राउत ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी तक न राकांपा (एसपी) और न ही कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू हुई है। इसकारण यह सवाल ही नहीं उठता कि कौन कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगा। सभी बराबर के हितधारक हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीट हैं। किसी के लिए भी सीट की कमी नहीं होगी। सभी आराम से चुनाव लड़ सकते हैं।''

दरअसल राउत की टिप्पणी उस समय में आई जब राकांपा (एसपी) के नेता ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के हवाले से कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने एमवीए के घटक दलों की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी। राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राकांपा (एसपी) ने सबसे ज्यादा सीट जीतीं। वह 10 सीट पर चुनाव लड़कर आठ पर विजयी रही। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) ने 21 में से नौ सीट जीतीं, लेकिन विपक्ष ने सबसे ज्यादा हमारी ही पार्टी को निशाना बनाया। राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) दो-तीन सीट मामूली मतों के अंतर से हारी है।

उपचुनाव में 'आप' के प्रचार के लिए जालंधर में एक मकान किराए पर लूंगा : भगवंत मान

चंडीगढ़। (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि वह जालंधर पश्चिम सीट के लिए 10 जुलाई को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव प्रचार के लिए एक मकान किराए पर लेंगे। मान ने कहा कि आप का चुनाव प्रचार अभियान उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर केंद्रित होगा। मान ने संत कबीर दास की जयंती के अवसर पर होशियारपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ने उनके नेतृत्व में उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है। जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 10 जुलाई को होगा और मतगणना 13 जुलाई को होगी। आम आदमी पार्टी के विधायक शीतल अंगुराल के इस्तीफे के बाद जालंधर पश्चिम सीट पर उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। मान ने कहा कि मुख्यमंत्री और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के तौर पर वह जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं लोगों से कहूंगा कि ये काम हो चुका है और ये काम अभी बाकी है। अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमें और ताकत दीजिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शनिवार को जालंधर जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं वहां जालंधर में एक मकान किराए पर ले लूंगा। ऐसा नहीं है कि यह मकान सिर्फ 10 जुलाई तक (जब उपचुनाव के नतीजे आएंगे) किराए पर लिया जाएगा। यह मकान बाद में माझा और दोआबा क्षेत्रों के लिए सप्ताह में दो या तीन दिन के लिए कार्यालय के तौर पर काम करेगा। मैं वहीं रहूंगा।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और अधिकारी दो दिन तक वहां मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी को हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था, जिसमें वह पंजाब की 13 सीट में से केवल तीन पर ही जीत दर्ज कर सकी थी। आप ने जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मोहिंदर भगत को अपना उम्मीदवार बनाया है। आप ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में यह सीट जीती थी और शीतल अंगुराल विधायक चुने गए थे। अंगुराल अब इस निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हैं। अंगुराल ने भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद 28 मार्च को विधायक पद से अपना इस्तीफा दे दिया था। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष ने 30 मई को अंगुराल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। उपचुनाव 10 जुलाई को होगा जिसके लिए कुल 23 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

सलमान खान फायरिंग केस, मुंबई पुलिस को मिला आरोपियों के पास से ऑडियो रिकॉर्डिंग

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर हुए फायरिंग मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ मुंबई पुलिस को सबसे बड़ा सबूत मिला है. खबर है कि आरोपियों के पास से मिले अनमोल बिश्नोई की ऑडियो रिकॉर्डिंग एजेंसी के पास रखी. अनमोल बिश्नोई के ऑडियो सैंपल से मैच हो गई है. सूत्रों ने बताया कि फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के बाद इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुजरात से विकी गुप्ता और सागर पाल को गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान पता चला की फायरिंग करने से लेकर और उसके बाद छिपने के लिए अनमोल बिश्नोई शूटरों से लगातार संपर्क में थे, उनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उनके मोबाइल से इनकी और अनमोल बिश्नोई के बीच हुई बातचीत का ऑडियो मिला था. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह ऑडियो अनमोल बिश्नोई का ही है या किसी और का इसका पता लगाने के लिये केंद्रीय जांच एजेंसी से अनमोल बिश्नोई के ऑडियो सैंपल लिए गए और दोनों सैंपल फोरेंसिक लैब भेजे गए, फोरेंसिक लैब को जांच के दौरान पता चला कि यह ऑडियो अनमोल बिश्नोई का ही है.

अनुज थापन ने जेल में की थी आत्महत्या

बता दें कि मुंबई पुलिस ने 26 अप्रैल को दोनों शूटरों अनुज कुमार थापन और सोनू चंदर को बड़ौदा सप्लाय करने के आरोप में पंजाब से गिरफ्तार किया था. इस मामले में गिरफ्तार अनुज थापन ने 1 मई को थाने के लॉकअप में आत्महत्या कर ली थी. इसके बाद पांचवे आरोपी मोहम्मद रफीक चौधरी को गिरफ्तार किया था. इस मामले में मुंबई पुलिस ने अबतक 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. ज्ञात हो कि 14 अप्रैल को मुंबई में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर बाइक से आये कुछ लोगों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. इस मामले में पुलिस की जांच जारी है.

देर से दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों पर होगी सख्त कार्रवाई, केंद्र ने आने का समय किया निर्धारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देर से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कस दिया है। कोरोना काल में बंद हुई बायोमेट्रिक मशीनों पर फिर से उपस्थिति दर्ज करने को कहा गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि सवा 9 बजे से ज्यादा लेट हुए तो आधे दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा। केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम 7 बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने को कहा था। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आएं इसके लिए आधार वाली बायोमेट्रिक सिस्टम लगाई गई थी।

कुवैत अग्निकांड के बाद गैरकानूनी रूप से निवास कर रहे 10 गुजराती गिरफ्तार

अहमदाबाद। कुवैत की पुलिस ने उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए 10 गुजराती कुवैत में अवैध रूप से निवास कर रहे थे। बता दें कि 12 जून को कुवैत की एक इमारत में आग लगने से 50 जितने लोगों की मौत हो गई थी और उसमें 45 भारतीय भी शामिल थे। अग्निकांड के बाद कुवैत पुलिस की जांच तेज हो गई है। जिसमें पता चला कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें कई लोग गैरकानूनी रूप से रह रहे थे। अवैध रूप से निवास करनेवालों में 10 जितने गुजराती भी शामिल हैं और इन सभी को कुवैत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये सभी लोग मोढ पटेल समाज के हैं। कुवैत में पकड़े गए लोगों में अल्पेश रमणलाल पटेल, हिमांशु रसिकलाल पटेल, बिपिन शिवलाल पटेल, मिलन दिनेशभाई पटेल, निलय अशोक पटेल, ललित देवचंदभाई पटेल, अनिल नारायणदास पटेल, नटवरलाल भीमजीभाई पटेल, बिपिन कोदरभाई पटेल और विवेक खेमजीभाई पटेल शामिल हैं। ये सभी लोग उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के विजयनगर के निवासी हैं। कुवैत में गिरफ्तार किए गए लोगों के परिजन चिंतित हैं और भारत सरकार से पकड़े लोगों को छुड़ाने की मांग है।

40 लाख का बाथरुम, 12 लाख के कमोड... जगन पैलेस में सभी लग्जरी सुविधाएं

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वायएसआर जगन मोहन रेड्डी के नए आलीशान महल, जिसे जगन पैलेस के नाम से जाना जा रहा है, ने सबका ध्यान खींचा है। रुशिकोंडा हिल पर बने महल की कुल लागत 452 करोड़ रुपए आंकी गई है, जो इस महल को विशाखापट्टनम का एक प्रमुख आकर्षण बना रहा है।

इस महल की खासियतें ऐसी हैं कि किसी का भी मन मोह लें। महल में 12 लग्जरी बेडरूम, एक अत्याधुनिक थिएटर हॉल और 200 झूमर जो कि 15-15 लाख रुपए के हैं। इसके अलावा, इस महल के इंटीरियर पर ही 33 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां लाखों रुपए के स्पा सेंटर और मसाज टेबल भी मौजूद हैं, जो इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

महल के बाथरूम भी किसी से कम नहीं हैं। सिर्फ बाथरूम बनाने में ही 40 लाख रुपए की लागत आई है और इसमें 12-12 लाख के कमोड लगे हैं। 9.9 एकड़ की जमीन पर बने इस महल में सात ब्लॉक शामिल हैं, इसमें बैंक्वेट सुविधाएं, अत्याधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल और शानदार लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। महल से समुद्र तट का नजारा देखते ही बनता है।

पूर्व की वाईएसआर सरकार का दावा है कि यह महल जनता के लिए बनाया गया है। हालांकि, इस महल की भव्यता और इसमें उपलब्ध सुविधाएं इस एक निजी संपत्ति के रूप में भी देखा जा सकता है।

वाईएसआर के इस महल ने अन्य नेताओं की आलीशान संपत्तियों की याद दिला दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मायावती पर भी सत्ता में रहते हुए अपने निजी बंगले को भव्य बनाने के आरोप लग चुके हैं। जगन पैलेस न केवल विशाखापट्टनम का एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है, बल्कि यह चर्चा का विषय भी बना हुआ है। अब देखना यह है कि इस महल के बारे में और क्या-क्या खुलासे होते हैं।